



Sample

29 May 2001

03:16 PM

Moradabad

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, गृह स्पष्टि, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ गृह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। गृहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमूक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीबन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी हैं, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये ताग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनमें संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनमें बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कहीं गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केबल शार्गन्नर्ववहीस्टेप्सयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणबश इसकी कोई नियमित्यात्मकान्वयन नहीं है जो आपको इसपूर्णत्रिका पर आधारित निर्णय लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

নিম্ন _____ : পুরুষ
 জন্ম তিথি _____ : 29/05/2001
 দিন _____ : মঙ্গলবার
 জন্ম সময় _____ : 15:16:00 ঘন্টা
 ইষ্ট _____ : 24:55:14 ঘটী
 স্থান _____ : Moradabad
 রাজ্য _____ : Uttar Pradesh
 দেশ _____ : India

অক্ষাংশ _____ : 28:50:19 উত্তর
 রেখাংশ _____ : 78:46:23 পূর্ব
 মধ্য রেখাংশ _____ : 82:30:00 পূর্ব
 স্থানীয় সংস্কার _____ : -00:14:54 ঘন্টা
 গ্রীষ্ম সংস্কার _____ : 00:00:00 ঘন্টা
 স্থানীয় সময় শোধন _____ : 15:01:05 ঘন্টা
 বেলান্তর _____ : 00:02:38 ঘন্টা
 সাম্পাতিক কাল _____ : 07:29:03 ঘন্টা
 সূর্যোদয় _____ : 05:17:54 ঘন্টা
 সূর্যাস্ত _____ : 19:06:57 ঘন্টা
 দিনমান _____ : 13:49:04 ঘন্টা
 সূর্য স্থিতি -অয়ন _____ : উত্তরায়ণ
 সূর্য স্থিতি -গোল _____ : উত্তর
 খতু _____ : গ্রীষ্ম
 সূর্য ডিহৃী _____ : 14:13:03 ব্ৰহ্ম
 লগ্ন ডিহৃী _____ : 25:39:19 কন্যা

অবকহড়া চক্র
 লগ্ন-লগ্নাধিপতি _____ : কন্যা - বুধ
 রাশি-স্বামী _____ : সিংহ - রবি
 নক্ষত্র-চরণ _____ : মধা - 3
 নক্ষত্র-স্বামী _____ : কেতু
 যোগ _____ : ব্যাঘাত
 করণ _____ : বণিজ
 গণ _____ : অরি
 যোনি _____ : মূষক
 নাড়ী _____ : মধ্য
 বর্ণ _____ : ক্ষত্রিয়
 বশ্য _____ : বনচর
 বর্গ _____ : মূষক
 যুজ্জ _____ : মধ্য
 হংসক _____ : অগ্নি
 জন্ম নামাক্ষর _____ : মৃ-মুকেশ
 পায়া/রাশি-নক্ষত্র _____ : লৌহ - রৌপ্য
 সূর্য রাশি-পাশ্চাত্য _____ : মিথুন

পণ্ডিকা

পিতামহের নাম _____:
 বাবার নাম _____:
 মায়ের নাম _____:
 জাতি _____:
 গোত্র _____:

ক্ষালেন্ডার	বর্ষ	মাস	তিথি/প্রবিষ্ট
রাষ্ট্রীয়	শক : 1923	জ্যৈষ্ঠ	8
পাঞ্জাবী	সম্বৎ : 2058	জ্যৈষ্ঠ	16
বাংলা	সন্ধি : 1408	জ্যৈষ্ঠ	15
তামিল	সম্বৎ : 2058	বৈকাশী	15
কেরালা	কোল্লম : 1176	ইদম্	15
নেপালী	সম্বৎ : 2058	জ্যৈষ্ঠ	16
চৈত্রাদি	সম্বৎ : 2058	জ্যৈষ্ঠ	শুক্ল 7
কার্তিকাদি	সম্বৎ : 2058	জ্যৈষ্ঠ	শুক্ল 7

পণ্ডিকা

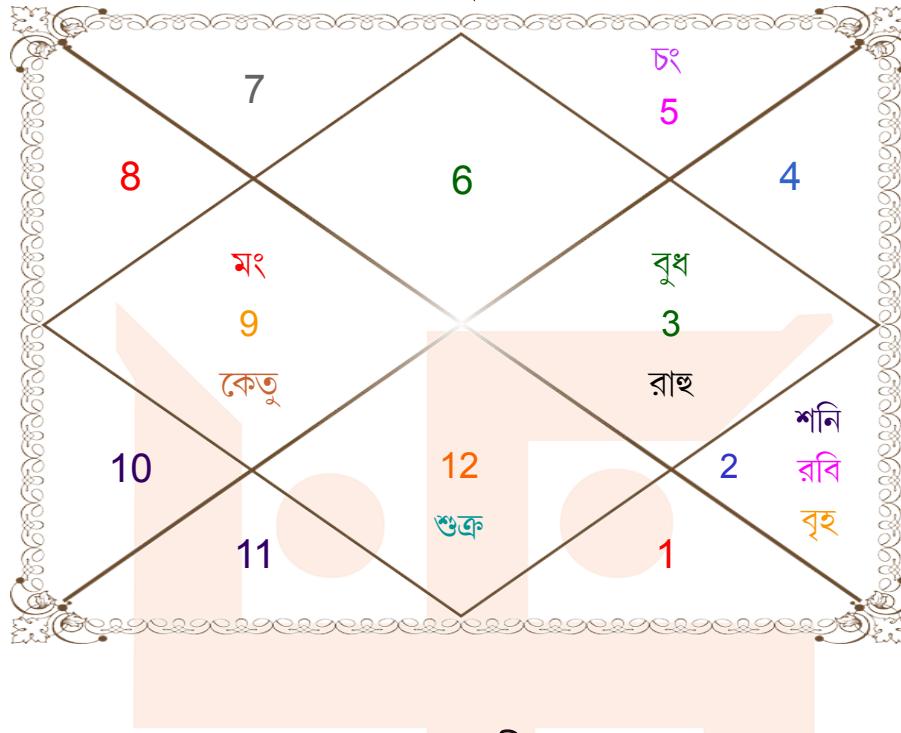
সূর্যোদয় কালীন তিথি _____: 7
 তিথির সমাপ্তিকালীন _____: 16:45:37
 জন্ম তিথি _____: 7
 সূর্যোদয় কালীন নক্ষত্র _____: মধ্যা
 নক্ষত্র সমাপ্তি কাল _____: 25:18:54 ঘন্টা
 জন্মকালীন যোগ _____: মধ্যা
 সূর্যোদয় কালীন যোগ _____: ব্যাঘাত
 যোগ সমাপ্তি কাল _____: 17:59:36 ঘন্টা
 জন্মকালীন যোগ _____: ব্যাঘাত
 সূর্যোদয় কালীন করণ _____: গণ
 করণ সমাপ্তি কাল _____: 05:54:05 ঘন্টা
 জন্মকালীন করণ _____: বণিজ
 ভয়ৎ _____: 31:10:41
 ভাবক _____: 56:17:56
 ভোগ্য দশা _____: কেতু 3 ব 1 মা 12 দি

ঘাত চক্র

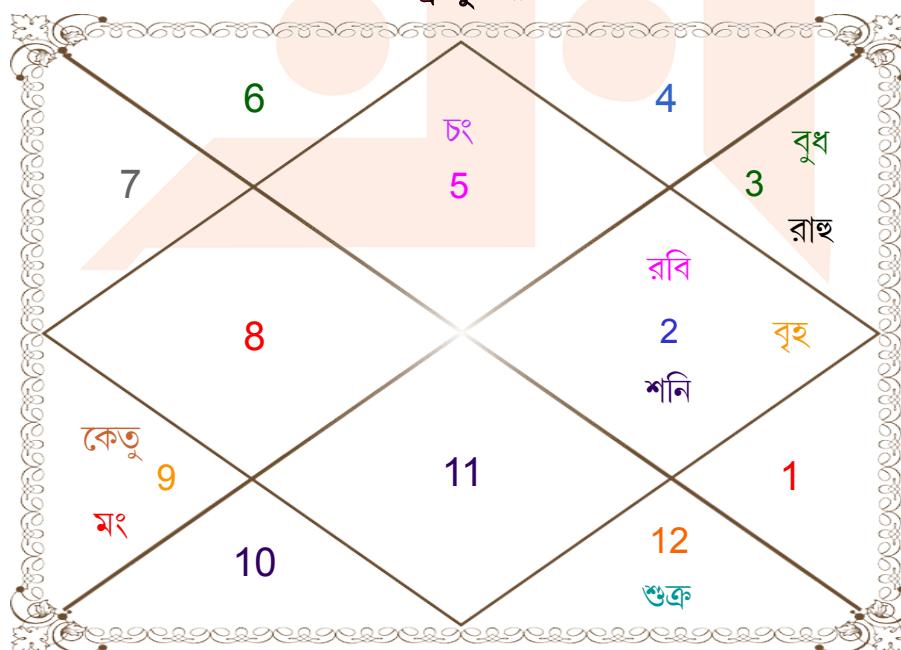
মাস _____: জ্যৈষ্ঠ
 তিথি _____: 3-8-13
 দিন _____: শনিবার
 নক্ষত্র _____: মূলা
 যোগ _____: ধৃতি
 করণ _____: বৰ
 প্রহর _____: 1
 বর্গ _____: মার্জাৰ
 লগ্ন _____: মীন
 সূর্য _____: ধনু
 চন্দ্ৰ _____: মকৱ
 মঙ্গল _____: মকৱ
 বুধ _____: তুলা
 বৃহস্পতি _____: কুণ্ড
 শুক্র _____: মীন
 শনি _____: বৃশিক
 রাহু _____: মেষ

জন্ম কুণ্ডলী

লগ্ন কুণ্ডলী

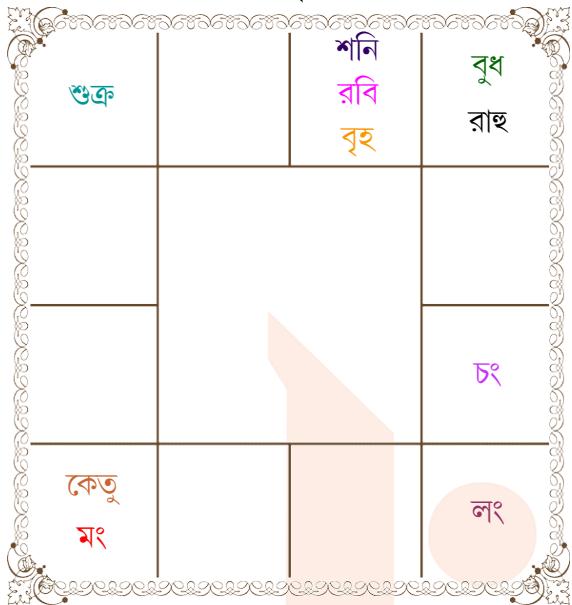


চন্দ্ৰ কুণ্ডলী

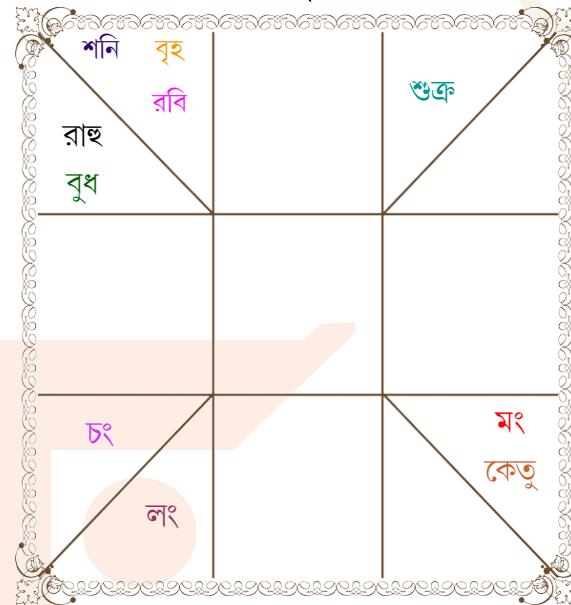


ଲଗ୍ନ କୁଣ୍ଡଳୀ ଓର ଦଶା

ଲଗ୍ନ କୁଣ୍ଡଳୀ



ଲଗ୍ନ କୁଣ୍ଡଳୀ



ବିଂଶୋତ୍ତରୀ

କେତୁ 3ବ 1ମା 12ଦି

କେତୁ

29/05/2001

12/07/2117

କେତୁ	11/07/2004
ଶୁକ୍ର	11/07/2024
ରବି	12/07/2030
ଚନ୍ଦ୍ର	11/07/2040
ମଞ୍ଜଳ	12/07/2047
ରାହୁ	11/07/2065
ବୃଦ୍ଧପତି	11/07/2081
ଶନି	12/07/2100
ବୁଧ	12/07/2117

ଯୋଗିନୀ

ଭଦ୍ରିକା 2ବ 2ମା 22ଦି

সନ୍ଧଟା

20/08/2016

20/08/2024

ସନ୍ଧଟା	31/05/2018
ମଞ୍ଜଳ	20/08/2018
ପିଞ୍ଜଳା	30/01/2019
ଧାନ୍ୟା	30/09/2019
ଆମରୀ	20/08/2020
ଭଦ୍ରିକା	30/09/2021
ଉଲକା	30/01/2023
ସିଦ୍ଧା	20/08/2024

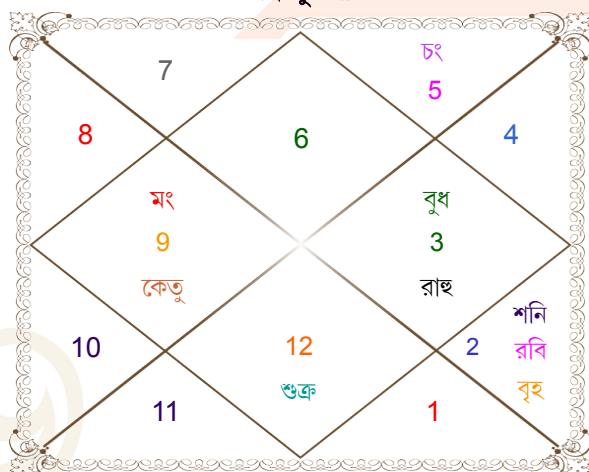
গ্রহের ডিগ্রী এবং তার অবস্থান

গ্রহ	রাশি	ডিগ্রী	অবস্থান	অঙ্ক	শোয়া	ধর্মী	নেক/মন্দা
লক্ষ	কণ্যা	25:39:19	—	—	—	—	নেক
রবি	বৃষ	14:13:03	শত্রুরাশি	—	—	—	নেক
চন্দ্ৰ	সিংহ	07:23:36	মিত্ররাশি	—	—	—	মন্দা
মঙ্গল	বুধ	03:12:10	মিত্ররাশি	—	—	—	মন্দা
বুধ	মিথুন	04:47:20	স্বরাশি	—	—	—	নেক
বহুপতি	বৃষ	25:55:55	শত্রুরাশি	—	—	—	নেক
শুক্ৰ	মীন	28:47:57	উচ্চস্থ	—	—	—	মন্দা
শনি	বৃষ	10:59:30	মিত্ররাশি	—	—	হাঁ	মন্দা
রাহু	মিথুন	12:47:18	উচ্চস্থ	—	—	—	নেক
কেতু	ধনু	12:47:18	উচ্চস্থ	—	—	হাঁ	মন্দা

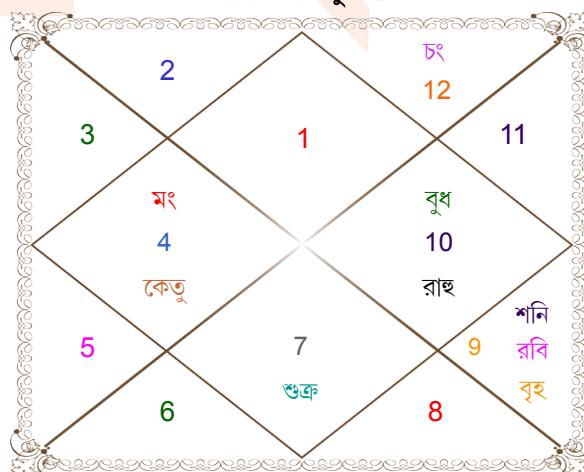
ভাৰ অবস্থান

খানা	অধিপতি	গ্রহ	ভাগ্য	জগানেবালা	শোয়া	উৎ	নীঃ
সংখ্যা							
1	মং	রবি	মং	হাঁ	রবি	শনি	
2	শুক্ৰ	বৃহ	চং	হাঁ	চং	—	
3	বুধ	মং	বুধ	হাঁ	রাহু	কেতু	
4	চং	চং	চং	—	বৃহ	মং	
5	রবি	বৃহ	রবি	হাঁ	—	—	
6	বুধ	বুধ,কেতু	কেতু	হাঁ	বুধ,রাহু	শুক্ৰ,কেতু	
7	শুক্ৰ	শুক্ৰ,বুধ	শুক্ৰ	—	শনি	রবি	
8	মং	মং,শনি	চং	হাঁ	—	চং	
9	বৃহ	বৃহ	শনি	—	কেতু	রাহু	
10	শনি	শনি	শনি	—	মং	বৃহ	
11	শনি	শনি	বৃহ	হাঁ	—	শুক্ৰ	
12	বৃহ	বৃহ,রাহু	রাহু	—	শুক্ৰ,কেতু	বুধ,রাহু	

লক্ষ কুণ্ডলী



লালকিতাৰ কুণ্ডলী



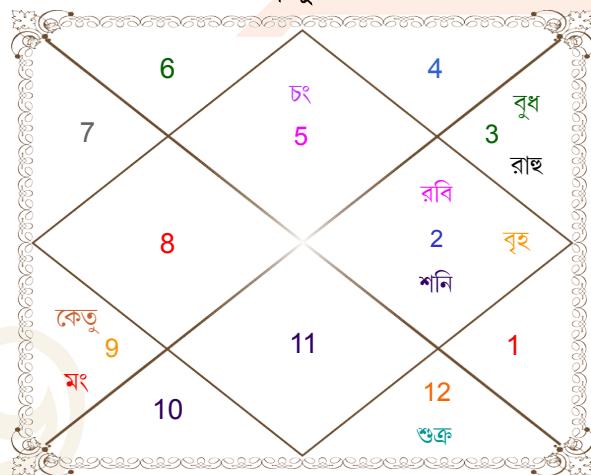
মেঝেচক্র সারণী

গ্রহ	রবি	চং	মং	বুধ	বৃহ	শুক্র	শনি	রাহ	কেতু
রবি	--	মিত্র	মিত্র	শত্রু	মিত্র	সম	সম	সম	শত্রু
চং	মিত্র	--	শত্রু	মিত্র	শত্রু	শত্রু	শত্রু	শত্রু	সম
মং	মিত্র	মিত্র	--	সম	মিত্র	শত্রু	শত্রু	শত্রু	সম
বুধ	মিত্র	সম	শত্রু	--	শত্রু	মিত্র	শত্রু	মিত্র	শত্রু
বৃহ	মিত্র	মিত্র	মিত্র	সম	--	সম	শত্রু	শত্রু	শত্রু
শুক্র	সম	সম	শত্রু	মিত্র	শত্রু	--	মিত্র	সম	মিত্র
শনি	সম	সম	সম	মিত্র	শত্রু	মিত্র	--	মিত্র	শত্রু
রাহ	সম	শত্রু	সম	মিত্র	শত্রু	সম	মিত্র	--	মিত্র
কেতু	শত্রু	সম	সম	শত্রু	শত্রু	মিত্র	শত্রু	মিত্র	--

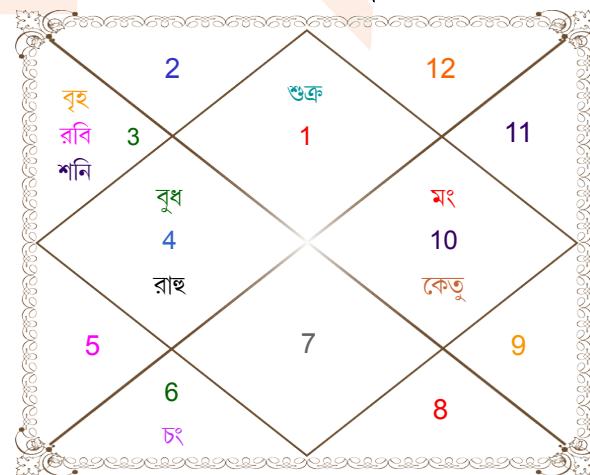
গ্রহ/রাশিফল

গ্রহ	বর্ণন	ফল
রবি	লম্বা আয়ু ভারী কবীলা।	--
চং	রাতের তুফান যাতে বস্তি শেষ।	--
মং	জলতী আগ, বদীর সরদার।	রাশি
বুধ	প্রসন্নতা সহ নির্বাহ করার জন্য হজুরিয়া।	রাশি
বৃহ	ধন ত্যাগী।	গ্রহ
শুক্র	জৈসা যহ বৈসী বহ পাবে সাথী কা প্রভাব, অকেলা নেক।	গ্রহ
শনি	কলম বিধাতা মকানা মর্দা।	রাশি
রাহ	সাংপ কী মণি য়া সাংপ কা ফন।	--
কেতু	বচেচাং কো ডডরানে বালা কুঁ।।	রাশি

চন্দ্র কুণ্ডলী



লালকিতাব চন্দ্র



গ্রহের ডিগ্রী এবং তার অবস্থান

গ্রহ	ব	অ	রাশি	ডিগ্রী	গতি	নক্ষত্র	পদ	সংখ্যা	রা	ন	অ	স্থিতি
লং			কন্যা	25:39:19	314:47:22	চিত্রা	1	14	বুধ	মং	রাহ	---
রবি			বৃষ	14:13:03	00:57:34	রোহিণী	2	4	শুক্র	চং	বৃহ	শত্রুরাশি
চং			সিংহ	07:23:36	14:12:24	মধা	3	10	রবি	কেতু	রাহ	মিত্ররাশি
মং	ব		ধনু	03:12:10	00:13:04	মূলা	1	19	বৃহ	কেতু	রবি	মিত্ররাশি
বুধ			মিথু	04:47:20	00:26:55	মৃগশিরা	4	5	বুধ	মং	শুক্র	স্বরাশি
বৃহ			বৃষ	25:55:55	00:13:44	মৃগশিরা	1	5	শুক্র	মং	রাহ	শত্রুরাশি
শুক্র			মীন	28:47:57	00:52:40	রেবতী	4	27	বৃহ	বুধ	শনি	উচ্চস্থ
শনি	অ		বৃষ	10:59:30	00:07:46	রোহিণী	1	4	শুক্র	চং	চং	মিত্ররাশি
রাহ			মিথু	12:47:18	00:00:32	আর্দ্রা	2	6	বুধ	রাহ	বুধ	উচ্চস্থ
কেতু			ধনু	12:47:18	00:00:32	মূলা	4	19	বৃহ	কেতু	বুধ	উচ্চস্থ
ইউ			কুণ্ড	00:57:57	00:00:01	ধনিষ্ঠা	3	23	শনি	মং	বুধ	---
নেপ	ব		মক	14:48:54	00:00:35	শ্রবণা	2	22	শনি	চং	বৃহ	---
প্লু	ব		বৃশ্চি	20:12:49	00:01:36	জ্যোষ্ঠা	2	18	মং	বুধ	শুক্র	---
দশম	ভা	ব	মিথু	26:42:41	--	পুনর্বসু	--	7	বৃহ	বৃহ	শুক্র	--

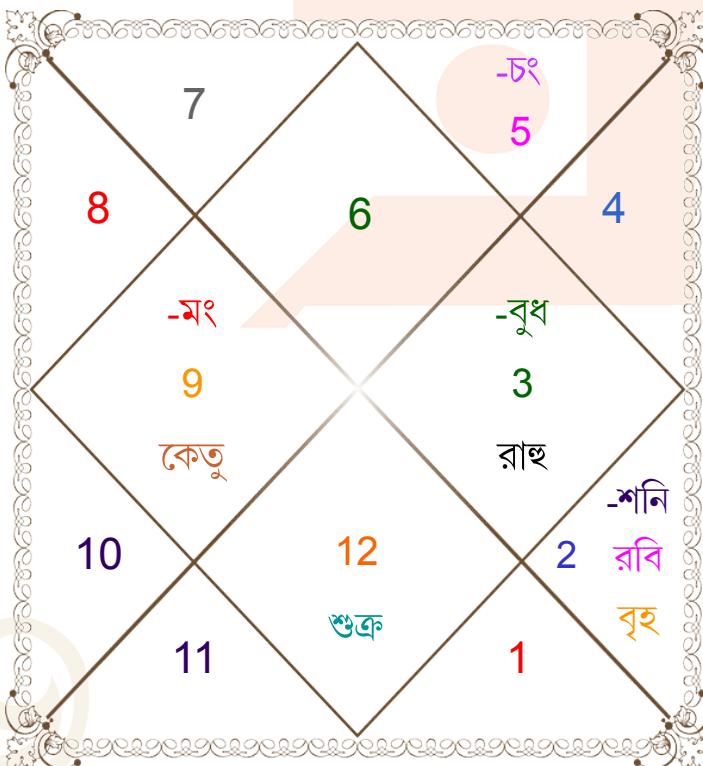
ব - বক্রী স - স্থির

অ - অস্ত পু - পূর্ণ অস্ত

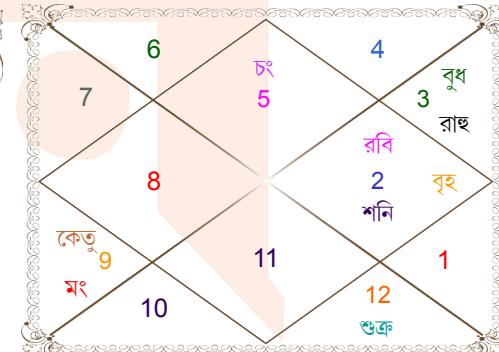
রাহ : স্পষ্ট

লাহিড়ী অয়নাংশ : 23:52:18

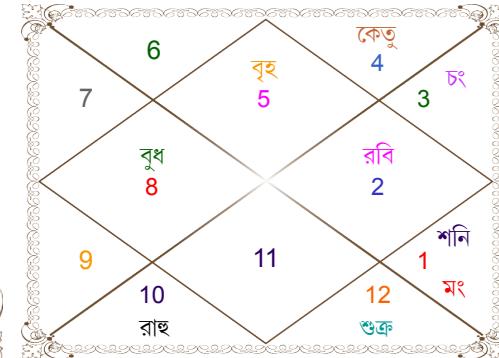
লগ্ন চলিত



চন্দ্ৰ কুণ্ডলী



নবাংশ কুণ্ডলী



চলিত এবং নিরয়ন ভাব চলিত

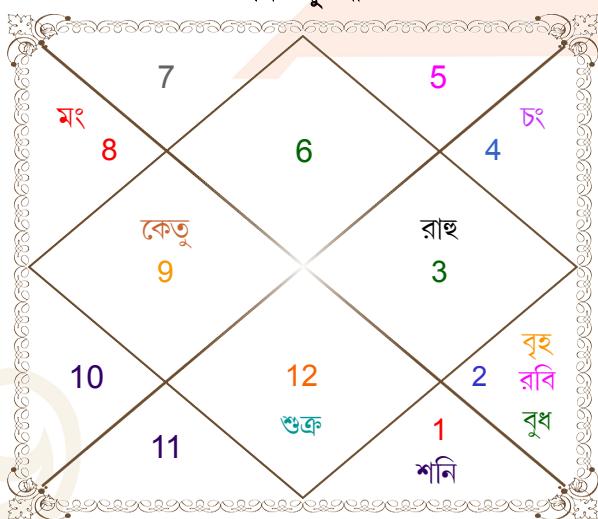
চলিত ডিগ্রী

ভাব	ভাব সঙ্গি	ভাব মধ্য	ভাব	রাশি	ডিগ্রী
1	কন্যা	10:49:53	কন্যা	25:39:19	1
2	তুলা	10:49:53	তুলা	26:00:26	2
3	বৃশিক	11:11:00	বৃশিক	26:21:33	3
4	ধনু	11:32:07	ধনু	26:42:41	4
5	মকর	11:32:07	মকর	26:21:33	5
6	কুণ্ড	11:11:00	কুণ্ড	26:00:26	6
7	মীন	10:49:53	মীন	25:39:19	7
8	মেষ	10:49:53	মেষ	26:00:26	8
9	বৃষ	11:11:00	বৃষ	26:21:33	9
10	মিথুন	11:32:07	মিথুন	26:42:41	10
11	কর্কট	11:32:07	কর্কট	26:21:33	11
12	সিংহ	11:11:00	সিংহ	26:00:26	12

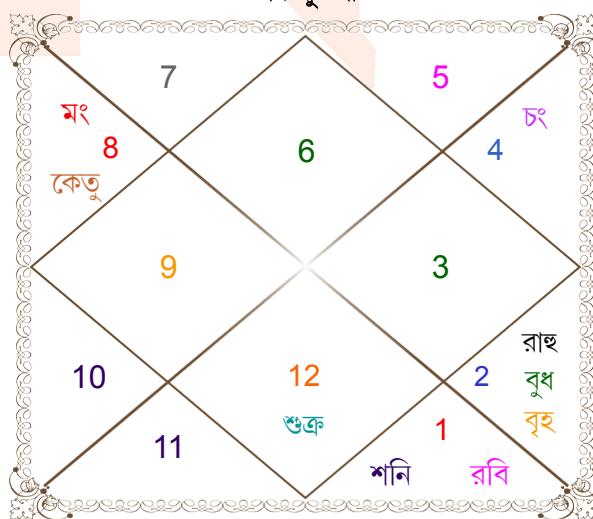
নিরয়ন ভাব চলিত

জন্ম	সম্পত্তি	বিপত্তি	ক্ষেম	প্রত্যারি	সাধক	বধ	মিত্র	অতিমিত্র
মধ্য	পূর্বীকাল	উত্তরীকাল	হস্তা	চিরা	স্বাতী	বিশাখা	অনুরাধা	জ্যেষ্ঠা
মূলা	পূর্বায়াঢ়া	উত্তরায়াঢ়া	শ্রবণা	থিন্থা	শতভিত্তা	পূর্ণা	উত্তোলন	রেবতী
অক্ষিমী	ভরণী	কৃত্তিকা	রোহিণী	মৃগশিরা	আর্দ্রা	পুনর্বসু	পুষ্যা	অশ্লেষা

চলিত কুণ্ডলী

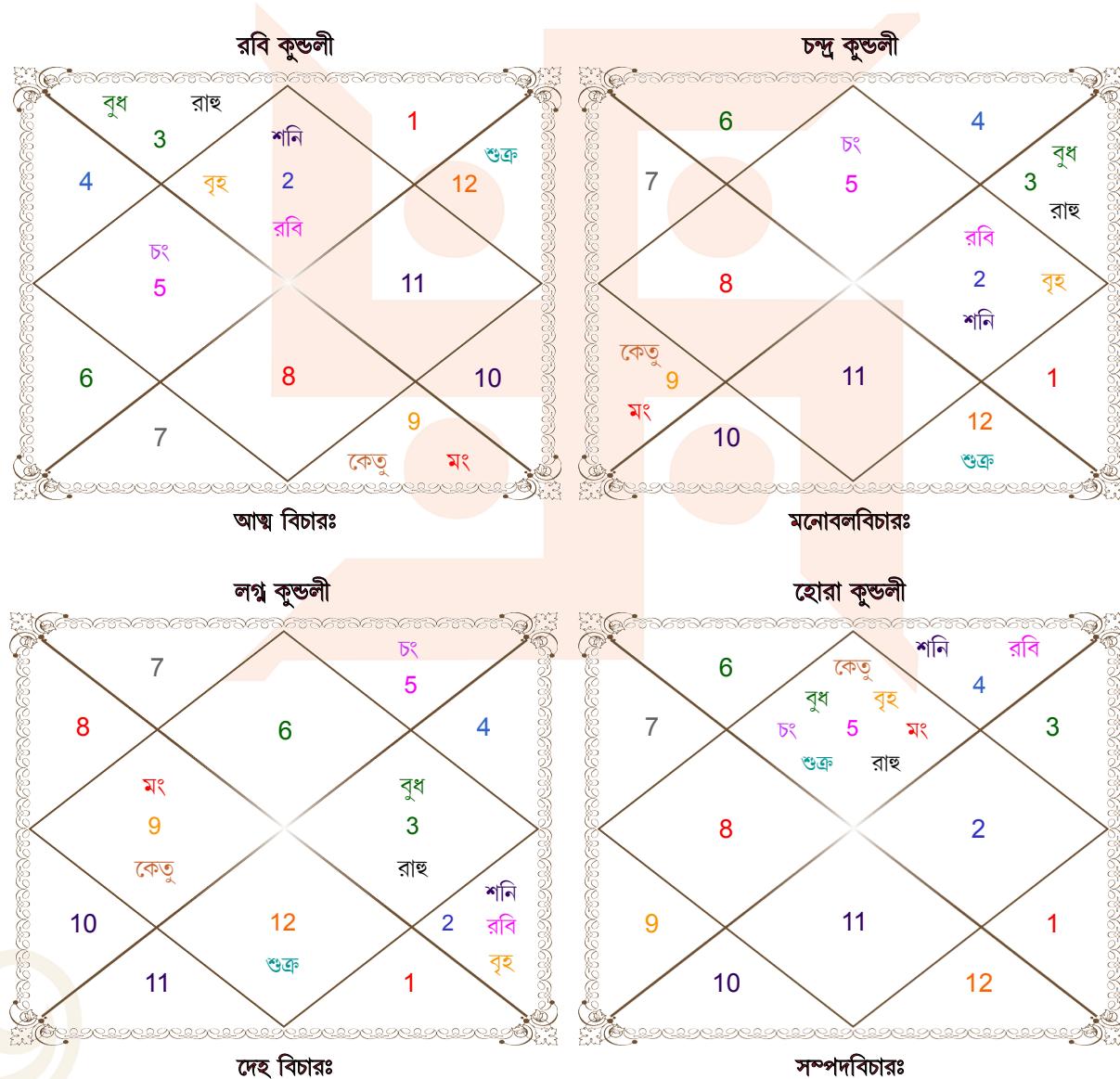


ভাব কুণ্ডলী

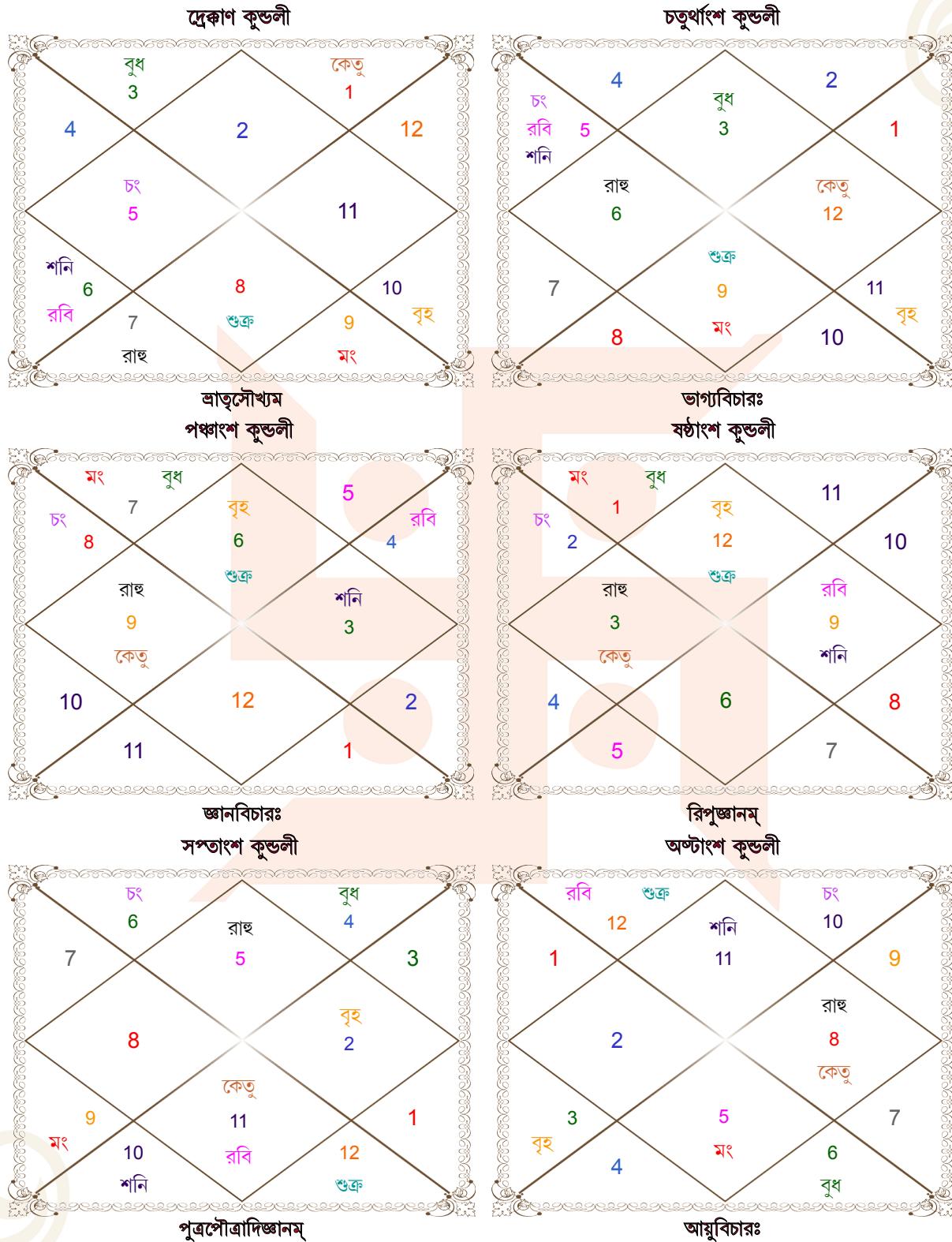


যোড়শবর্গ সারণী

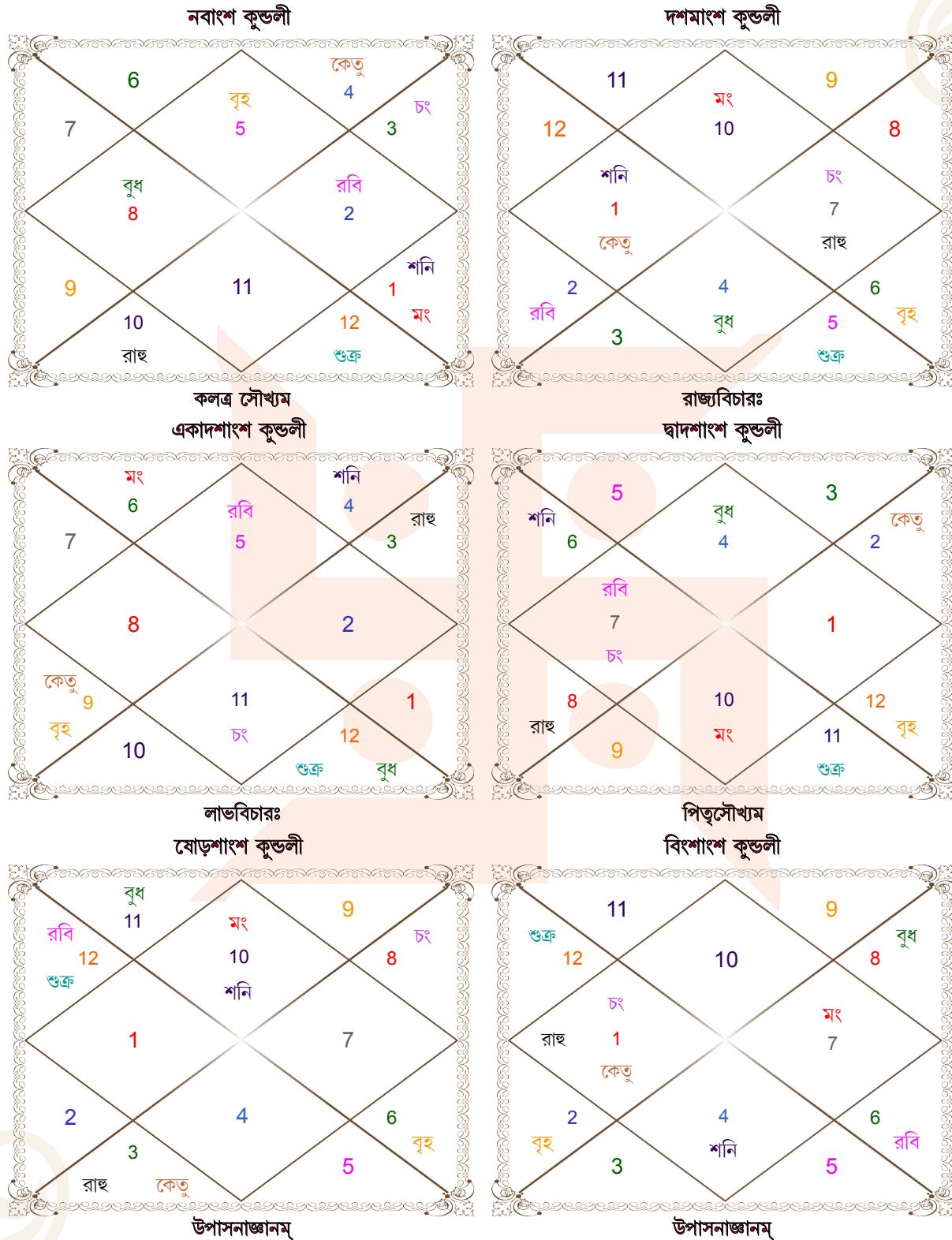
বগীয় ঠিকুজী লগু ঠিকুজীর বিস্তৃত বর্ণনা প্রত্যেক ঠিকুজীর একটা বিশেষ লগু থাকে, যেমন নীচে দেওয়া ঠিকুজীর সংগে বর্ণনা দেওয়া আছে। বিস্তৃত রূপে এটি জানবার জন্যে যে এই ঠিকুজী কোন বিষয়ের প্রতিনিধিত্ব করে এর অধ্যয়ন মূল লগু ঠিকুজীর সংগে করা দরকার। কারণ এতে ঠিকুজী খুব সাবধানে দেখা দরকার, কারণ এতে গুহের দৃষ্টি থাকে না। গুহের আচরণ সেই রাশি অথবা ভাব পর্যন্ত সীমিত থাকে, যাতে এরা এই বগীয় ঠিকুজীতে স্থিত আছে।



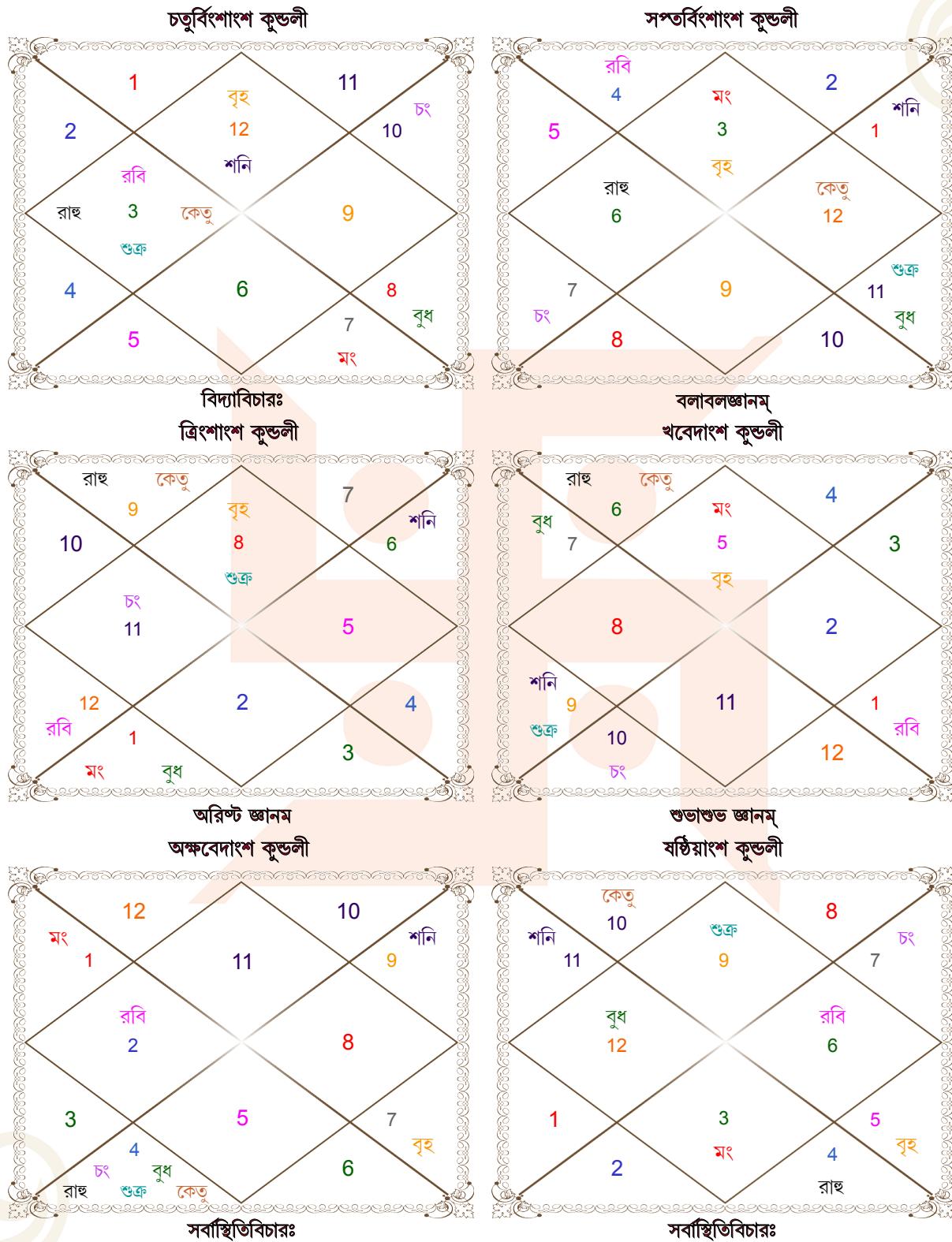
যোড়শবর্গ সারণী



যোড়শবর্গ সারণী



যোড়শবর্গ সারণী



ଲାଲକିତାବ ଦଶା

ଶନି 6 ସର୍ଷ	ରାହ 6 ସର୍ଷ	କେତୁ 3 ସର୍ଷ	ବୃହ 6 ସର୍ଷ	ରବି 2 ସର୍ଷ					
29/05/2001	30/05/2007	29/05/2013	29/05/2016	29/05/2022					
30/05/2007	29/05/2013	29/05/2016	29/05/2022	29/05/2024					
ରାହ	30/05/2003	ମୁଖ	29/05/2009	ଶନି	29/05/2014	କେତୁ	29/05/2018	ରବି	28/01/2023
ବୁଧ	29/05/2005	କେତୁ	30/05/2011	ରାହ	30/05/2015	ବୃହ	29/05/2020	ଚଂ	28/09/2023
ଶନି	30/05/2007	ରାହ	29/05/2013	କେତୁ	29/05/2016	ରବି	29/05/2022	ମୁଖ	29/05/2024
ଚଂ 1 ସର୍ଷ	ଶୁକ୍ର 3 ସର୍ଷ	ମୁଖ 6 ସର୍ଷ	ବୁଧ 2 ସର୍ଷ	ଶନି 6 ସର୍ଷ					
29/05/2024	29/05/2025	29/05/2028	29/05/2034	29/05/2036					
29/05/2025	29/05/2028	29/05/2034	29/05/2036	29/05/2042					
ବୃହ	28/09/2024	ମୁଖ	29/05/2026	ମୁଖ	29/05/2030	ଚଂ	28/01/2035	ରାହ	29/05/2038
ରବି	27/01/2025	ଶୁକ୍ର	30/05/2027	ଶନି	29/05/2032	ମୁଖ	28/09/2035	ବୁଧ	29/05/2040
ଚଂ	29/05/2025	ବୁଧ	29/05/2028	ଶୁକ୍ର	29/05/2034	ବୃହ	29/05/2036	ଶନି	29/05/2042
ରାହ 6 ସର୍ଷ	କେତୁ 3 ସର୍ଷ	ବୃହ 6 ସର୍ଷ	ରବି 2 ସର୍ଷ	ଚଂ 1 ସର୍ଷ					
29/05/2042	29/05/2048	30/05/2051	29/05/2057	30/05/2059					
29/05/2048	30/05/2051	29/05/2057	30/05/2059	29/05/2060					
ମୁଖ	29/05/2044	ଶନି	29/05/2049	କେତୁ	29/05/2053	ରବି	28/01/2058	ବୃହ	28/09/2059
କେତୁ	29/05/2046	ରାହ	29/05/2050	ବୃହ	30/05/2055	ଚଂ	28/09/2058	ରବି	28/01/2060
ରାହ	29/05/2048	କେତୁ	30/05/2051	ରବି	29/05/2057	ମୁଖ	30/05/2059	ଚଂ	29/05/2060
ଶୁକ୍ର 3 ସର୍ଷ	ମୁଖ 6 ସର୍ଷ	ବୁଧ 2 ସର୍ଷ	ଶନି 6 ସର୍ଷ	ରାହ 6 ସର୍ଷ					
29/05/2060	30/05/2063	29/05/2069	30/05/2071	29/05/2077					
30/05/2063	29/05/2069	30/05/2071	29/05/2077	30/05/2083					
ମୁଖ	29/05/2061	ମୁଖ	29/05/2065	ଚଂ	28/01/2070	ରାହ	29/05/2073	ମୁଖ	30/05/2079
ଶୁକ୍ର	29/05/2062	ଶନି	30/05/2067	ମୁଖ	28/09/2070	ବୁଧ	30/05/2075	କେତୁ	29/05/2081
ବୁଧ	30/05/2063	ଶୁକ୍ର	29/05/2069	ବୃହ	30/05/2071	ଶନି	29/05/2077	ରାହ	30/05/2083
କେତୁ 3 ସର୍ଷ	ବୃହ 6 ସର୍ଷ	ରବି 2 ସର୍ଷ	ଚଂ 1 ସର୍ଷ	ଶୁକ୍ର 3 ସର୍ଷ					
30/05/2083	29/05/2086	29/05/2092	29/05/2094	30/05/2095					
29/05/2086	29/05/2092	29/05/2094	30/05/2095	29/05/2098					
ଶନି	29/05/2084	କେତୁ	29/05/2088	ରବି	27/01/2093	ବୃହ	28/09/2094	ମୁଖ	29/05/2096
ରାହ	29/05/2085	ବୃହ	29/05/2090	ଚଂ	28/09/2093	ରବି	28/01/2095	ଶୁକ୍ର	29/05/2097
କେତୁ	29/05/2086	ରବି	29/05/2092	ମୁଖ	29/05/2094	ଚଂ	30/05/2095	ବୁଧ	29/05/2098
ମୁଖ 6 ସର୍ଷ	ବୁଧ 2 ସର୍ଷ	ବୁଧ 2 ସର୍ଷ	ବୁଧ 2 ସର୍ଷ	ବୁଧ 2 ସର୍ଷ					
29/05/2098	30/05/2104	30/05/2104	30/05/2104	30/05/2104					
30/05/2104	30/05/2106	30/05/2106	30/05/2106	30/05/2106					
ମୁଖ	30/05/2100	ଚଂ	28/01/2105	ଚଂ	28/01/2105	ଚଂ	28/01/2105	ଚଂ	28/01/2105
ଶନି	30/05/2102	ମୁଖ	29/09/2105	ମୁଖ	29/09/2105	ମୁଖ	29/09/2105	ମୁଖ	29/09/2105
ଶୁକ୍ର	30/05/2104	ବୃହ	30/05/2106	ବୃହ	30/05/2106	ବୃହ	30/05/2106	ବୃହ	30/05/2106

ଫୁଟୁର୍ ଲାଲ କିତାବ ଦଶା ତିନି ଚକ୍ରେ
ଉପରୋକ୍ତ ତିଥିଗୁଲିର ଦଶା ସମୟ ବର୍ଣ୍ଣିତ ହୁଏ।

রাত্ন চয়ন

মন্ত্রস্থীরক্তফেপ্তেত্ব কী বৃদ্ধি কে লিএ ধারণ কিএ জাতে হৈং। বৈজ্ঞানিক র গুহ কী রশিয়োং কো পর্ণমাত্রা মেং মানব শরীর মেং প্রবাহিত কর গুহ প্রভাব কী বৃদ্ধি করতে হৈং। যহী কারণ হৈ কি রত্ন কেবল শুভ গুহোং কা হী ধারণ কিয়া জাতা হৈ। গুহ শুভ মানা জাতা হৈ যদি যহ লগ্ন, ত্রিকোণ যা কেন্দ্ৰ মেং স্থাপিত হো যা স্বামী হো। যহ অশুভ হোতা হৈ যদি যহ ত্রিক ভাৰ সে সংবংধিত হো। মিৰ্বোং কী ফতি যা দৃষ্টি ভী ইসকী শুভতা বঢ়াতী হৈ। বাধক ভাৰ কা স্বামিত্ব শুভতা কম কৰ দেতা হৈ। চৰ লগ্নোং মেং একাদশ, ছিৰ মেং নবম ব দ্বিশ্বভাৰ মেং সপ্তম ভাৰ কী বাধক সংজ্ঞা হৈ। উপরোক্ত তথ্য রত্ন চয়ন হেতু গুহ কী শুভতা দশাৰ্তে হৈং।

নীচে জন্মকঞ্চলী মেং গুহোং কী শুভতা কো সারণী ব গ্রাফ মেং দৰ্শিত কিয়া গয়া হৈ। সাথ হী কেটোন সা গুহ কিস ত্বে মেং কাৰ্য সিদ্ধ কৰ সকতা হৈ দিয়া গয়া হৈ। বিভিন্ন দশাতোং মেং বিভিন্ন রঞ্জোং কী শুভতা ভী নীচে তালিকা মেং দী গঁজ হৈ। জিস গুহ কো ৭৫ প্রতিশত শুভতা প্রাপ্ত হৈ উসকে রত্ন হমেং সৰ্বদা ত্রিনা দশা বিচাৰ কে ধারণ কৰনে চাহিএ। জিম্বেহং -৭৫ প্রতিশত শুভতা প্রাপ্ত হৈ উম্বেহং কাৰ্য ত্বে আনন্দকারৰেং আৱৰণ কৰনা চাহিএ। জো রত্ন কেবল ২৫ -৫০ প্রতিশত শুভতা লিএ হৈং উনকে রত্ন ঝেত্তুলিত্তুলিকীভৌ উনকে মিৰ্বোং কী দশা মেং ধারণ কৰনে চাহিএ। অন্ততঃ জিম্বেহং কম শুভতা প্রাপ্ত হৈ বে গুহ অপনে লিএ অশুভ হী সমবোং নৰ উনকে রঞ্জোং কো পহননে সে বচনা চাহিএ।

রত্ন	গুহ	শুভতা	ক্ষেত্ৰ
পাঞ্চা	বুধ	100%	ব্যবসায়িক উন্নতি, স্বাস্থ্য
হীৱা	শুক্ৰ	94%	দম্পতি, ভাগ্যোদয়, ধন
বৈদুর্যমনি	কেতু	83%	সুখ, ভাগ্যোদয়
নীলা	শনি	78%	ভাগ্যোদয়, সন্ততি সুখ, শত্ৰু এবং রোগ মুক্তি
গোমেদ	রাহ	75%	ব্যবসায়িক উন্নতি
পোখৰাজ	বৃহ	61%	ভাগ্যোদয়, সুখ, দম্পতি
মুক্তা	চং	41%	ব্যয়, হানি
মাণিক্য	রবি	28%	নেষ্ট ভাগ্য, ব্যয়
প্রবাল	মং	6%	গুহ কলেশ, দুর্ঘটনা, পৰাক্ৰম হানি

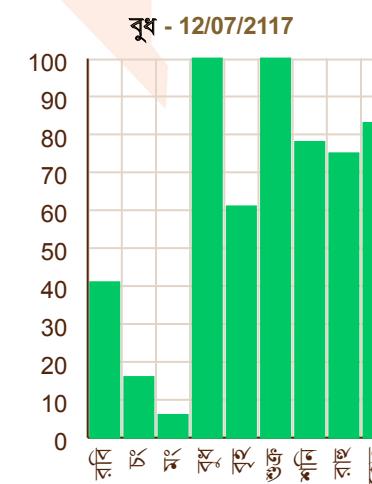
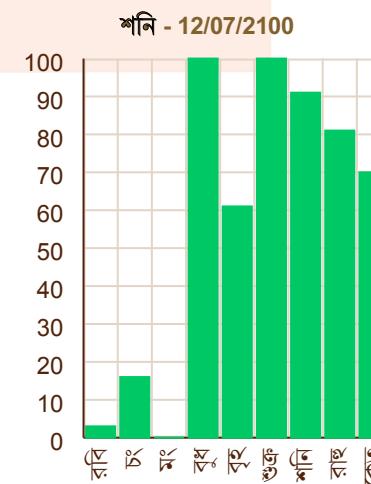
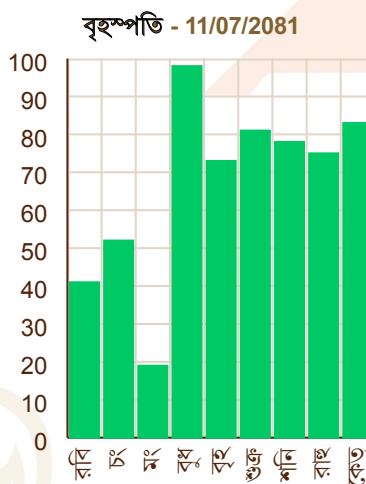
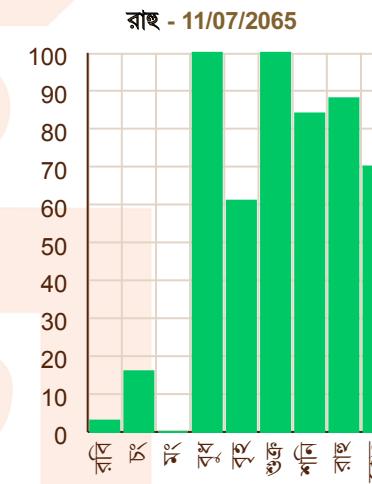
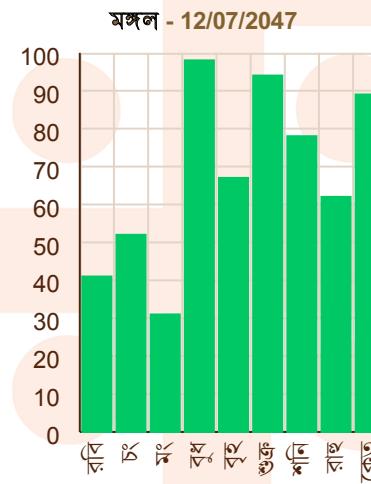
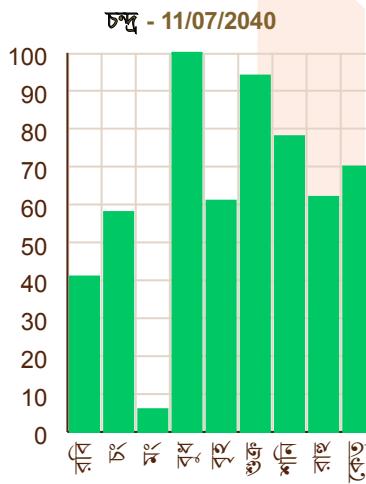
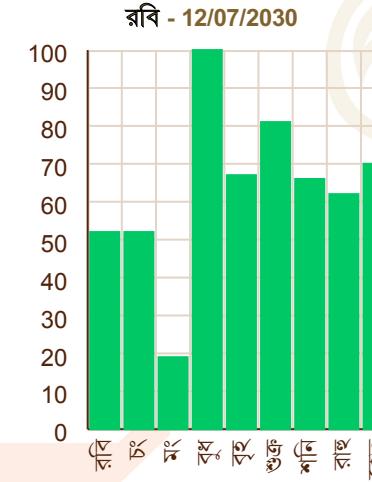
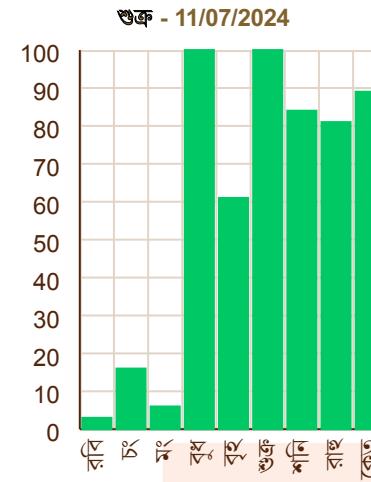
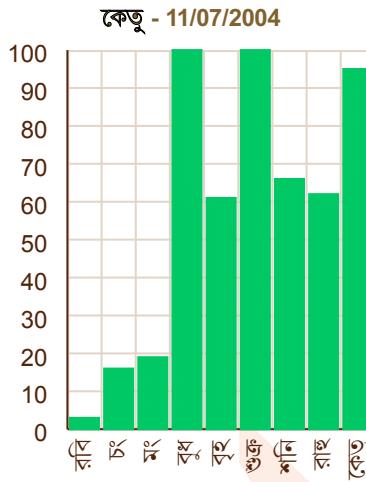
রত্ন কী শুভতা



দশানুসৰ রত্ন বিচাৰ

দশা	সমাপ্তি	মাণিক্য	মুক্তা	প্রবাল	পাঞ্চা	পোখৰাজ	হীৱা	নীলা	গোমেদ	বৈদুর্যমনি
কেতু	11/07/2004	3%	16%	19%	100%	61%	100%	66%	62%	95%
শুক্ৰ	11/07/2024	3%	16%	6%	100%	61%	100%	84%	81%	89%
রবি	12/07/2030	52%	52%	19%	100%	67%	81%	66%	62%	70%
চং	11/07/2040	41%	58%	6%	100%	61%	94%	78%	62%	70%
মং	12/07/2047	41%	52%	31%	98%	67%	94%	78%	62%	89%
রাহ	11/07/2065	3%	16%	0%	100%	61%	100%	84%	88%	70%
বৃহ	11/07/2081	41%	52%	19%	98%	73%	81%	78%	75%	83%
শনি	12/07/2100	3%	16%	0%	100%	61%	100%	91%	81%	70%
বুধ	12/07/2117	41%	16%	6%	100%	61%	100%	78%	75%	83%

ଦୟା ପ୍ରାଫ



সাড়েসাতি বিচার

শনির সাড়েসাতির প্রভাব দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের সাহায্যে কমানো সম্ভব। রত্ন প্লাইখানাকরণক্রুট্টসুরনওকরণজলে পরিষ্কার করে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং হবে। শনি দাদশ, প্রথম এবং দ্বিতীয় স্থান অতিক্রম করলে তবেই কোন জন্মকূণ্ডলীতে সাড়েসাতির প্রভাব পরিলক্ষিত হয়। শনি নাটাল চন্দ্রের চতুর্থ ও আঞ্চলিক স্থান অতিক্রম করার ফলে দৈয়ার প্রভাব দেখা যায়। সাড়েসাতির প্রভাব বিদ্যমান হয় সাড়ে সাত বছর এবং দৈয়ার প্রভাব বিদ্যমান হয় আড়াই বছর। সাধারণতঃ এটি শরীর, মানসিক শাস্তি এবং অর্থনৈতিক অবস্থা বিস্থিত করে।

সাধারণতঃ সাড়েসাতি যে কোনো জন্মকূণ্ডলী তিনবার পরিভ্রমন করে প্রথম-বাল্যকালে দ্বিতীয়-যৌবনকালে তৃতীয় - বৃদ্ধ বয়সে, প্রথম সাড়েসাতি শিক্ষা ও পিতা মাতাকে প্রভাবিত করে। দ্বিতীয় সাড়েসাতি জীবিকা অর্থ এবং পারিবারিক প্রভাবিত করে। শেষ সাড়েসাতি স্বাস্থ্যকে প্রভাবিত করে।

নিম্ন লিখিত সারণীতে সাড়েসাতির পর্যায় এবং তার প্রভাব বর্ণিত হল।

প্রথম চক্র

সাড়েসাতি প্রথম ঈ	06/09/2004-13/01/2005	26/05/2005-01/11/2006	10/01/2007-16/07/2007
সাড়েসাতি দ্বিতীয় ঈ	01/11/2006-10/01/2007	16/07/2007-10/09/2009	-----
সাড়েসাতি তৃতীয় ঈ	10/09/2009-15/11/2011	16/05/2012-04/08/2012	-----
চতুর্থ স্থানহু দৈয়া	02/11/2014-26/01/2017	21/06/2017-26/10/2017	-----
অষ্টম স্থানহু দৈয়া	29/03/2025-03/06/2027	03/06/2027-23/02/2028	-----

দ্বিতীয় চক্র

সাড়েসাতি প্রথম ঈ	13/07/2034-27/08/2036	-----	-----
সাড়েসাতি দ্বিতীয় ঈ	27/08/2036-22/10/2038	05/04/2039-13/07/2039	-----
সাড়েসাতি তৃতীয় ঈ	22/10/2038-05/04/2039	13/07/2039-28/01/2041	06/02/2041-26/09/2041
চতুর্থ স্থানহু দৈয়া	11/12/2043-23/06/2044	30/08/2044-08/12/2046	-----
অষ্টম স্থানহু দৈয়া	14/05/2054-02/09/2054	05/02/2055-07/04/2057	-----

তৃতীয় চক্র

সাড়েসাতি প্রথম ঈ	24/08/2063-06/02/2064	09/05/2064-13/10/2065	03/02/2066-03/07/2066
সাড়েসাতি দ্বিতীয় ঈ	13/10/2065-03/02/2066	03/07/2066-30/08/2068	-----
সাড়েসাতি তৃতীয় ঈ	30/08/2068-04/11/2070	-----	-----
চতুর্থ স্থানহু দৈয়া	05/02/2073-31/03/2073	23/10/2073-16/01/2076	11/07/2076-11/10/2076
অষ্টম স্থানহু দৈয়া	20/03/2084-21/05/2086	21/05/2086-08/02/2087	-----

চামুরাঙ্গী

ঠোকার প্রকার

সাড়েসাতি প্রথম ঈ	ফল
সাড়েসাতি দ্বিতীয় ঈ	সম
সাড়েসাতি তৃতীয় ঈ	অশ্বত্ত
চতুর্থ স্থানহু দৈয়া	সম
অষ্টম স্থানহু দৈয়া	সম

ক্ষেত্র

অঙ্গ সঞ্চয়
ব্যয়
স্বাস্থ্য
পরাক্রম হানি
দম্পত্তি

সাড়েসাতীর উপায়

দ্বাৰা স্তুজ্ঞারজন্মহারধূৰে সাড়েসাতির প্ৰভাৱ সীমিত কৰা সম্ভব।

দান সামগ্ৰীৰ মধ্যে কালো বস্তু কালো কলাই, চামড়াৰ জুতো, শস্য দানা ইত্যাদি উল্লেখ যোগ্য। শনিবাৰ অনাহাৰ কৰে শনিৰ পূজা কৰা উচিত এবং পৰে গম, গমেৰ আটা, ফল, কালো নুন, কালো কলাই ইত্যাদি আহাৰ কৰা উচিত। শনিবাৰ নিজে অথবা ব্ৰাহ্মণেৰ মাধ্যমে ১৯০০০ বাৰ।

ক্ষঁ প্ৰোঁ প্ৰোঁ সঃ শনৈশ্চৱায় নমঃ ॥

মন্ত্ৰ, উচ্চারণ কৰা দৰকাৰ স্বাস্থ্য মানসিক শান্তি, পৱিবাৰেৰ সুখ, অৰ্থ এবং জীবিকাৰ উপৰ সন্তুষ্টিচিৱানশুক্ৰান্তোৰ সুস্মৰণৰোজ্য যেহেতুঞ্জয়ৰেম।

১২৫০০০ বাৰ এই মন্ত্ৰটি উচ্চারণ কৰতে হবে।

ক্ষঁ ত্রয়ঃবকম যজামহে সুগঞ্জিং পুষ্টিবৰ্ধনম্।
উৰ্বাৰকমিব বঙ্গনাম্বত্যোৰ্মুক্ষীয মা মৃতাত। ।

শুভ্রপৰিয়ামোৱত্পূৰ্বে এটি দুধ এবং গঙ্গাজলে ধুয়ে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং উচ্চারণ কৰতে হবে।

ক্ষঁ হোঁ জুঁ স ক্ষঁ ভূৰ্বুৰ স্ব ক্ষঁ । ।

শনিৰ সাড়েসাতীৰ শুভত্ব যাড়ানোৰ জন্য শনি যাবেৰ দিন আপনি ঘোড়াৰ নাল বা নৌকাৰ পেৱেক দিয়ে তৈৰী লোহাৰ আংটী ধাৰণ কৰলুন। আপনি নীলা বস্তু যাহিঙ্কাৰ কৰলুন, কাৱণ শনি আপনাৰ ঠিকুজীতে যোগকাৰক গুহ নয়। লোহাৰ আংটী ডানহাতে মধ্যমা আঙুলে ধাৰণ কৰলুন।

শনিবাৰ শুক্ৰ পক্ষে সূর্যোৎস্থ-ৰ পূৰ্বে রত্ন পৱিধানেৰ শুভ সময়। এদিন পুষ্যা, অনুৱাধা, উত্তৱা ওজিপঞ্চভাষ্মশান্নিবাৰ উপোস থাকা জৰুৰি।

ক্ষঁ শঁ শনৈশ্চৱায় নম ।

অঙ্গুষ্ঠী ধাৰণ কৰলে শনিৰ বস্তু দান কৰা উচিত। শনিৰ অশুভ প্ৰভাৱ কম হবে তথা আপনাৰ সুখ শান্তি এবং সমৃদ্ধি বৃদ্ধি হবে। ডড়ডশতডড়ডশত্ৰী হনুমান চালীসা এবং শ্ৰী হনুমান অষ্টক পাঠ কৰা শ্ৰেষ্ঠ।

মান্দলিক বিচার

জব বর যা কন্যা কী কুংডলী মেঁ মঙ্গল লগ্ন, চতুর্থ, সপ্তম, অষ্টম তথা দ্বাদশ ভাব মেঁ হো
তো মান্দলিক দোষ কহলাতা হৈ। যথোক্তম্।

লগ্নে ব্যয়ে চ পাতালে জামিত্রে চাষ্টমে কুজে।
স্ত্রী তত্ত্বৰ্বিনাশক্ষণ ভর্ত চ স্ত্রী বিনাশনম।।

যদি জাতক জাতিকার কুর্ষিতে মঙ্গল গৃহ চতুর্থ ঘর, সপ্তম ঘর, অষ্টম ঘর বা দ্বাদশ ঘরে স্থিত
হয় তবে এটাকে মান্দলিক দোষ বলা হয়। মঙ্গল চন্দ্রের সংগে যুক্ত হয়ে প্রবল হয়। যদি শাস্ত্রানুসারে
জাতক ও জাতিকা মান্দলিক দোষমুক্ত হয় তবে তারা সুখে নিশ্চিন্তে বৈবাহিক জীবন যাপন করবেন।
অন্যদিকে যদি তারা এই দোষমুক্ত না হয় তবে তারা অযথা বাধা ও সমস্যার সম্মুখীন হয়। সুতরাং পুরুষ ও
মহিলা উভয়েরই বৈবাহিক জীবন শুরু করার পূর্বে উভয়ের কুর্ষিকে ভাল ভাবে বিচার করা উচিত। মান্দলিক
দোষ ভালভাবে মুক্ত করার পরে তারা শান্তিপূর্ণ বৈবাহিক জীবন যাপন করতে পারবেন।

আপনার কোষ্ঠিতে মঙ্গল চতুর্থ ঘরে অবস্থান করছে এবং এটা নির্দেশ করে যে আপনি একজন
মান্দলিক ব্যক্তিপুরুষের পরিশ্রম দ্বারা প্রচুর সম্পত্তি ও বিলাসিতা অর্জন করবেন।
শারীরিক ভাবে আপনি সুখী এবং স্বাস্থ্যবান থাকবেন। কিন্তু আক্রমণাত্মক মনোভাব আপনার আচরণে
কোনো কোনো সময়ে প্রকাশ পেতে পারে। মঙ্গলের প্রভাবে আপনার বিবাহ দেরী হতে পারে এবং বিবাহের স
ম্বন্দের সময়েও তা ভঙ্গে যেতে পারে। কিন্তু বিবাহের পরে আপনার স্ত্রীর ভাল স্বাস্থ্য হবে এবং মানসিক
শান্তির অধিকারী হবেন। আপনাদের মধ্যে মনোমালিন্য যোগ দেখা যায় না।

মঙ্গল চতুর্থ ঘরে থাকার জন্য আপনাকে প্রচুর পরিশ্রম করে বিলাস সামগ্ৰী এবং স্বাচ্ছন্দ্য
অর্জন করতে হবে। মঙ্গল সপ্তম ঘরে থাকতে আপনার স্ত্রী ইশ্বরের কৃপা এবং সুস্বামেঘ্যের অধিকারী
হবেন। এটা সপ্তমে প্রবেশ করায় আপনার স্ত্রী ভাল স্বাস্থ্য উপভোগ করবেন। তিনি প্রকৃতিগত ভাবে
আক্রমণাত্মক হবেন কিন্তু এটা তাঁর দাম্পত্য জীবনকে প্রভাবিত করবে না। মঙ্গল দশম ঘরে থাকার জন্য
আপনি আপনার কাজে সফল হবেন। পদোন্তরিত যোগ আছে আপনার মর্যাদা এবং সম্মান বৃদ্ধি পাবে। মঙ্গ
ল থাকার জন্য আপনার আর্থিক ক্ষমতা সাধারণ ভাবে বৃদ্ধি পাবে। বিভিন্ন দিক থেকে বা উৎস থেকে প্রচুর
টাকা আসার অনেক সম্ভাবনা আছে।

মঙ্গলের প্রভাব বৃদ্ধি করার জন্য এবং দাম্পত্য জীবন সুখের করতে এবং ভালো ফল পেতে
আপনি অবশ্যই এরকম মেয়েকে বিয়ে করবেন, যিনি মান্দলিক নন বা যার মান্দলিক দোষ শাস্ত্র অনুসারে
হৃস করা হয়েছে। আপনি জীবনে স্থাবর ও অস্থাবর সম্পত্তির অধিকারী হবেন। আপনার স্ত্রীর সঙ্গে ভাল
সম্পর্ক থাকার জন্য আপনি আপনার বৈবাহিক জীবনে শান্তিতে থাকবেন।

কালসর্প যোগ

অগ্রে রাহুর কেতু সর্বে মধ্যগতা গৃহ।
যোগা যং কালসর্পাঞ্চ্যো শীঘ্ৰং তং তু বিনাশ্য।।

রাহু এবং কেতু গ্রহের মধ্যে বাকি সমস্ত সাত গ্রহ বিদ্যমান থাকলে, কালসর্প যোগ গঠিত হয়। এই কালসর্প যোগের অশুভ ফল থেকে মুক্তি পেতে এর নিবারণ করা অত্যন্ত জরুরী।

কুন্ডলীর দ্বাদশ ভাবে রাহুর উপস্থিতি অনুযায়ী প্রধানত দ্বাদশ প্রকার কালসর্প যোগ গঠিত হয়-
১. অনন্ত ২. কুলিক ৩. বাসুকি ৪. শংখপাল ৫. পদ্ম ৬. মহাপদ্ম ৭. তক্ষক ৮. কর্কটিক ৯. শংখচূড় ১০.
ঘৃতকবিষ্ঠর ১২. শেষনাগ।

কালসর্প যোগ উদিত এবং অনুদিত দুই প্রকারের হয়। রাহুর সামনে/মুখে সমস্ত সাত গ্রহ
গ্রসিত থাকলে তাহা উদিত গোলার্দ্ধে যোগ তৈরী করে এবং রাহুর পশ্চাত দিক থেকে যদি সাত গ্রহ স্থাপিত
হয় তা অনুদিত গোলার্দ্ধ নামক যোগ তৈরী করে। যদি রাহু ও কেতুর মধ্যে স্থিত গ্রহে কিছু গ্রহ রাহু-কেতুর
অক্ষে সামান্য বাইরে থাকে তা আংশিক কালসর্প যোগ হিসাবে পরিগণিত হয়।

যদি রাহু-কেতুর মধ্যে সমস্ত ভাবস্থানে কোনো না কোনো গ্রহ স্থিত হয় তা পূর্ণ কালসর্প
যোগ গঠিত করে। যদি রাহু, কেতুর সঙ্গে সূর্য ও চন্দ্র থাকে তাহলে কালসর্প যোগের প্রভাব বৃদ্ধি পায়। যদি
রাহু, সূর্য এবং চন্দ্র একসাথে অবস্থান করে তাহলে গৃহণ-কালজার্স্টিফেরেন্স গঠিত হয়। এই র
কালসর্প যোগের শান্তি করানো অত্যন্ত আবশ্যিক হয়।

কালসর্প যোগের প্রভাৱ

এই যোগে উৎপন্ন জাতক মানসিক অশান্তি, ধনপ্রাপ্তিতে বাধা, সন্তান জন্মে অবরোধ এবং
গৃহস্থ জীবনের প্রতিমুহূর্তে অশান্তির সম্মুখীন হয়। জাতক প্রায়ই দুঃস্বপ্ন দেখে। কিছু না কিছু অশুভ
ঘটনার আশঙ্কা মনের মধ্যে থাকে। নিজস্ব ক্ষমতা ও কার্য্য কুশলতার পূর্ণ ফল প্রাপ্ত করে না অথবা দেরীতে
সফলতা প্রাপ্ত করে। এই যোগে হঠাতে লোকসান বা প্রতিষ্ঠা হানির সম্মুখীন হয়।

কালসর্প যোগের কারণে, জাতক বাত, পিত্ত, কফ ত্রিদোষজনিত অসাধ্য রোগে পতিত হয়।
এমন কোনো রোগ যা প্রতিদিনের কষ্টের কারণ হয় এবং ঔষধ গৃহণ সত্ত্বেও অসুস্থ থাকে। কালসর্প যোগের
বিধিবৎ উপচারের দ্বারা এরপ কষ্ট থেকে মুক্তি পাওয়া সম্ভব। জন্মপত্রিকানুসারে যখন যখন রাহু ও কেতুর
দশা-অন্তর্দশা আসে এই দোষের ফল পরিদর্শিত হয়। গোচরে রাহু, কেতু যখন জন্মকালীন রাহু কেতুর উপর
ভ্রমণ করে, এই অশুভ যোগ সক্রিয় হয়ে যায়। উক্তসময়ে বিশেষভাবে শ্রদ্ধা, বিশ্বাস সহকারে পূজা আর্চনাদি
করলে লাভ প্রাপ্ত হয়। কালসর্প যোগ যন্ত্রের সম্মুখে ৪৩ দিন সরষের তেলের প্রদীপ জ্বালিয়ে রাখলে এই
কষ্ট লাঘব হয় বা মুক্তি হয়।

জাতক পর কালসর্প যোগের প্রভাৱ

আপনার জন্মকুন্ডলীতে ঘাতক কালসর্পযোগ আংশিক রূপে বিদ্যমান। পরিনামস্বরূপ জাতক
জন্মাবস্থাতেই পরিবার থেকে পৃথক হয়ে পড়ে তবে দাদু-দিদা অথবা ঠাকুমা-ঠাকুরদার স্নেহ লাভ করবেন।
জাতকের মাতাপিতার মৃত্যুর সন্তান আছে। জাতকের দাম্পত্য জীবন সুখকর হবে না। জাতকের স তান

প্রায়শই অসুস্থ থাকবে ফলে জাতক সর্বদা চিন্তাগুরুত থাকবেন। গৃহে সুখ-শান্তির অভাব দেখা দেবে। চাকুরী ক্ষেত্রে নানা সমস্যার সৃষ্টি হয় এমনকি পদচুতির সন্ত্বাবনা থাকে। ব্যবসায়িক ক্ষেত্রে লোকসান দেখা যায় বা পরিশ্রম অনুযায়ী অর্থ প্রাপ্তি ঘটে না। এমনকি আর্থিক ক্ষতিও হতে পারে। জাতকের শত্রু বৃদ্ধি হয় এবং শত্রুরা সর্বদাই জাতকের বিরুদ্ধে ঘড়িযন্ত্র করবে। জাতক বন্ধু বান্ধব দ্বারা প্রতারিত হতে পারেন। সরকারী পদাধিকারী ব্যক্তিদের দ্বারা সমস্যায় পড়েতে পারেন।

এই যোগের প্রভাবে জাতক নানা রোগ ব্যাধি দ্বারা আক্রান্ত হবেন। কখনও কখনও আঘাত লাগার ও সন্ত্বাবনা থাকবে। জাতককে সুখ শান্তির জন্য প্রচুর সংঘর্ষ করতে হবে। তবে উন্মত্ত অসুবিধার মধ্য দিয়েও জাতক উচ্চপদ ও সামাজিক প্রতিষ্ঠা লাভে সক্ষম হবেন।

যদি আপনি উপরোক্ত আহিষ্ঠিতক্ষণাত্মকালীনসূচীন হন তবে নি
করুন, অবশ্যই লাভ হবে।

- (১) কালসর্পদোষ নিবারণ যন্ত্র ঘরে স্থাপিত করে রোজ পুজো করুন।
- (২) ‘ওঁ নমঃ শিবায়’ এর প্রতিদিন ১০৮ বার জপ করুন। জপ সংখ্যা
- (৩) তাম্র পাত্রে একজোড়া সর্প জলের সুটোতে প্রবাহিত করুন।
- (৪) নবনাগ স্পেতাত্র একবছর প্রদিন পাঠ করুন।
- (৫) শ্বাঙ্গ দাখি জ্ঞপত্রকর্তৃদেশা থাকাকালীন মন্ত্রটি কমপক্ষে প্রতিদিন
রুন।
- (৬) শুভ মুহূর্তে অভিমন্ত্রিত গোমেদ ধারন করুন।
- (৭) শ্রাবণদিগ্নামীর্ণত মহাদেবের অভিযেক করুন।
- (৮) এক বছর পর্যন্ত সর্বস্বত্তি দেবীর বিধিবৎ উপাসনা করুন।
- (৯) রাত্র কবচ ও স্পেতাত্র পাঠ করুন।
- (১০) প্রত্যেক সোমবার ভগবান শঙ্করকে দই দিয়ে অভিযেক করুন ‘ওঁ হর হর মহাদেব’ বলে। এটি ১৬
সোমবার করা প্রয়োজন।
- (১১) রাত্না ঘরে বসে খান।
- (১২) শুভ মুহূর্তে প্রবাহমান জলে কয়লা তিনবার ভাসিয়ে দিন।
- (১৩) গোমেদ, সুবর্ণ, তিল, সরয়ে, নীলবর্ণ, কম্বল, ঘোড়া আদি সময় দান করুন।
- (১৪) শুক্রমুহূর্তেশ্মুক্ত দুরজামুরিকে ধাতু নির্মিত নাগ আটকে দিন।
- (১৫) হনুমান চালীসা একশত আঠবার পাঠ করুন।

বিশেষ :

কালসর্পযোগের পুজা কেবল শ্রীখণ্ড চন্দন দ্বারাই সল্পন হয়। কুমকুম, সিঁদুর, রোলী ইত্যাদি
ব্যবহার করা নিষিদ্ধ।

অঙ্ক জ্যোতিষ ফল

নাম	Sample
জন্ম তিথি	29/05/2001
মূলাঙ্ক	2
ভাগ্যাঙ্ক	1
নামাঙ্ক	6
জন্ম সংখ্যাধিপতি	চন্দ্ৰ
ভাগ্যাধিপতি	রবি
নামাঙ্কাধিপতি	শুক্ৰ
মিত্র অঙ্ক	7, 9, 1
শত্ৰু অঙ্ক	5, 8
নিরপেক্ষ	3, 4, 6
গুরাহস্থপূর্ণ বর্ষ	2018,2027,2036,2045,2054,2063,2072,2081
শুভ বর্ষ	17,26,35,44,53,62,71,80
শুভদিন	সোম, রবি, শুক্ৰ
শুভ মাস	ফেব্ৰু, জুলা, সেপ্ট
শুভ তারিখ	2, 11, 20, 29
শুভ রাত্র	মুক্তা
শুভ উপরাত	চন্দ্ৰমণি
দেবতা	শিব
শুভধাতু	রৌপ্য
শুভ রং	শ্঵েত
মত্র	স্ত্রাংজলী কিমঃস্রোঃ স্বাহা চ
শুক্ৰ ঘ	চন্দ্ৰ যন্ত্ৰ

7	2	9
8	6	4
3	10	5

অঙ্ক বিজ্ঞান ফলিত

আপনার জন্ম দিনাঙ্ক ২৯। ২ এবং ৯ এর যোগফল ১১ তথা ১ এবং ১ এর যোগে আপনার মূলাঙ্ক ২ হবে। মূলাঙ্ক ২ এর অধিপতি চন্দ্ৰ। সংখ্যা ৯ এর অধিপতি মঙ্গল এবং ১ এর অধিপতি সুর্য। সতৱাং চন্দ্ৰ, মঙ্গল এবং সুর্যের মিলিত প্রভাব আপনার জীবনে প্রতিফলিত হবে।

ମୁଲାକ୍ଷ ୨ ଏର ଅଧିଗ୍ରହଣ କରିବାରେ ଆପନାର କଳ୍ପନାଶକ୍ତି ପ୍ରବଳ ହବେ । ଆପନି ଫୈନିଶ୍‌ଶୀଲ ଭାବୁକ ଏବଂ ଶିଳ୍ପେ ଆଗ୍ରହୀ ବ୍ୟକ୍ତି ହବେନ । ସେ ଭାବେ ଚନ୍ଦ୍ରମା ବାଡ଼ିତେ କମତେ ଥାକେ ତେମନି ଆପନାର ଜୀବନେ ଅନେକ ସ୍ଥାନ ପତନ ସଟରେ । ଆପନି ଧୈର୍ଯ୍ୟରେ ଦ୍ୱାରା ସମୃଦ୍ଧ କାଜ ସମ୍ପନ୍ନ କରିବେ ।

আপনি পরিবর্তনশীল প্রকৃতির হওয়ার জন্য যে কোন একটি কার্যকে অসম্ভাব্য রেখে অন্য একটি কাজ আরম্ভ করবেন। এর ফলে যে কোন কাজে আপনি দেরীতে সাফল্য পাবেন অথবা কাজটি অসম্ভাব্য থেকে যাবে। সতরাঁ আপনি নিজের উপর ভরসা রাখন।

৯ এর অধিপতি মঙ্গলের প্রভাবে আপনার মধ্যে নেতৃত্ব দেওয়ার ক্ষমতা থাকবে। আপনি স্মরণক্রমের অধিপতি সুর্যের প্রাঙ্গমন হিসাবকি কাজ করবেন। সংখ্যা এবং প্রতিভাশালী ব্যক্তির সমাজে পরিচিত হবেন।

সুর্য গৃহকে ভাগ্যাঙ্ক ১ এর অধিষ্ঠাতা হিসাবে মানা হয়। এর প্রভাবে আপনি কার্যক্ষেত্রে চতুর বুদ্ধিমান, বলবান, সাহসী এবং স্পষ্টবক্তা হিসাবে নিজেকে প্রতিষ্ঠা করবেন। আপনি গভীর, উদারহৃদয়, পরোপকারী এবং সৎপথ অবলম্বনকারী ব্যক্তি হবেন। আপনি সহজেই বিরোধী পক্ষকে পরামর্শ করতে সক্ষম হবেন। আপনি স্বতন্ত্র ও স্থির বিচারধারার ব্যক্তি হবেন এবং রাজার ন্যায় একাধিপত্য বিস্তার করতে চাইবেন। আপনি অঙ্কুরী এবং আত্মভিমানী হবেন।

আলিকি প্রধানকর্মৰ বন্ধুবা অপিজিৰ সমস্তকাৰাবণ্ডা

সমাজের বিভিন্ন ক্ষেত্রে নিজের প্রভাব বিস্তার করবেন। আপনার মধ্যে জীবনিশক্তি প্রবল হবে। আপনি সর্বদা অন্যের মঙ্গল চিন্তা করবেন। আপনার ভাগ্য সহায় হওয়ার জন্য নিজের পরিশ্রম ও বুদ্ধির সাহায্যে সাফল্য লাভ করবেন। আপনি পেশা হিসাবে সেইসব ক্ষেত্রকে গ্রহণ করবেন যেখানে নাম, যশ উভয়ই লাভ কৰা সম্ভব।

আপনার মূলাঙ্ক ২ ও ভাগ্যাঙ্ক ১। মূলাঙ্ক ২ এর অধিপতি হল চন্দ্র এবং ভাগ্যাঙ্ক ১ এর অধিপতি সুর্য এর মধ্যে সমতা থাকার ফলে উভয়ের প্রভাব মিলেমিশে আপনার জীবনে প্রতিফলিত হবে। আপনার জীবন সুর্যকিরণের ন্যায় প্রকাশিত ও ঘটনাবহুল হবে। কখনো আপনি চরম সফলতা পাবেন আবার কখনো আপনি বিফলতার সম্মুখীন হবেন। চন্দ্রের প্রভাবে আপনার কঙ্গনাশক্তি প্রবল হবে এবং আপনি বিচার বিবেচনা দ্বারা কোন কাজ সম্পন্ন করলে সফলতা পাবেন। আপনি ধৈর্যবলে কঠিন সমস্যার সমাধান কুরবেন।

আপনার মূলাঙ্ক ২ ও ভাগ্যাঙ্ক ১ প্রভাবে ভাগ্যোদয় ১৯ বছর থেকে আরম্ভ হয়ে ২৮ বছর
ত্রুট্যসম্বন্ধীয় বিলোভ্যুর্মস্তুতাদ্যোগ্যে বেং

আপনার মলাঙ্ক ৩ এর মিত্র ৭ ও ৯ এবং ভাগাঙ্ক ১ এর মিত্র ৪ ও ৮। সত্বাঃ আপনার

জ্যৈষ্ঠ ৪, ৭, ৮, ৯ এই সংখ্যাগুলি অত্যন্ত গুঁটবে।

স্ফুলিঙ্গমনসাহায্যে আপনার জীবনে বিশেষ কিছু

আপনার মূলাঙ্ক ও ভাগ্যাংকের মধ্যে সমতা থাকার ফলে উভয়ের প্রভাব স্বল্পপরিমাণে আপনার অনুকূল হবে। আপনার জীবনের বিভিন্ন ঘটনা এই সংখ্যার তারিখ, মাস অথবা বছরে ঘটবে। যদি কোন সময়ে এই সংখ্যার তারিখ, মাস অথবা বছরের সঙ্গে আপনার জন্য নির্ধারিত শুভ দিন মিলে যায় তবে এই দিন আপনার পক্ষে অত্যন্ত ফলদায়ক হবে। যেমন এই দিন কোন নতুন কাজ আরম্ভ, চিঠি লেখা অথবা কোন উচ্চপদস্থ ব্যক্তির সঙ্গে সাক্ষাতের পক্ষে উপযুক্ত। আপনি আপনার বিগত জীবনের ঘটনার উপর দৃষ্টিপাত করলে লক্ষ্য করবেন যে বেশীর ভাগ ঘটনাই এই সংখ্যার মাস, বছর অথবা দিনে ঘটেছে।

আপনার বিগত জীবনের উপযুক্ত স্ফুলিঙ্গত্ববিদ্রোধ্যাকরে যে সংখ্যাগুলি আপনার অনুকূল, সেই সংখ্যাগুলির উপর নির্ভর করে ভবিষ্যত পরিকল্পনা করলে তা অত্যন্ত ফলপ্রদ হবে।

আপনার পক্ষে জানুয়ারী, ফেব্রুয়ারী, এপ্রিল, জুলাই, অগাষ্ট, সেপ্টেম্বর মাস বিশেষ ঘটনাবহুল হবে। আপনি যে কোন নতুন কাজ এমন দিনে আরম্ভ করুন যখন দিন, মাস, তারিখ, বছর আপনার মূলাঙ্ক ও ভাগ্যাংক এর সঙ্গে মিলে যাবে।

অলিনফস্টেশনশুভাইন্স বেচার্কল ১, ২, ৪, ৭, ৮, ৯ হবে।

১. ১০, ১৯, ২৮, ৩৭, ৪৬, ৫৫, ৬৪, ৭৩
২. ১১, ২০, ২৯, ৩৮, ৪৭, ৫৬, ৬৫, ৭৪
৩. ১৩, ২২, ৩১, ৪০, ৪৯, ৫৮, ৬৭
৪. ১৬, ২৫, ৩৪, ৪৩, ৫২, ৬১, ৭০
৫. ১৭, ২৬, ৩৫, ৪৮, ৫৩, ৬২, ৭১
৬. ১৮, ২৭, ৩৬, ৪৫, ৫৪, ৬৩, ৭২

উপরোক্ত স্ফুলি আপনার জীবনে পরিবর্তন সাধন করবে। এইসব বছরগুলিতে নানা ধরনের ঘটনা ঘটবে যা অত্যন্ত স্মরণীয় হয়ে থাকবে।

ଲଗ୍ନ ଫଳ

ଚିତ୍ରାର ପ୍ରଥମ ପଦେ ସିଂହ ନବାଂଶ ଏବଂ ବୃଷ ଦେଶକନ୍ୟାର ସହିତ କନ୍ୟା ଲଗ୍ନ ଉଦୟ ଆପନାର ଜନ୍ମ ସମୟ ଆପନାକେ ଝଙ୍ଗଲମୟ, ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ ଏବଂ ଆନନ୍ଦମୟ ଜୀବନେର ଆଶ୍ରମ ଏରିଜେଛୁଟିବିଳଞ୍ଚିତ କରେ ବସେର ମଧ୍ୟେ ସଖନ ଆପନାର ଭାଗ୍ୟ ତୁମେ ଥାକବେ ।

ଆପନି ଦୈତ ଜୀବନ ଉପଭୋଗ କରବେନ, ଯେହେତୁ ଆପନି ଭୀଷଣ ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ଉପହାସକେ ପ୍ରତିହତ କରାର କ୍ଷମତା ଆଛେ ଆପନାର ମଧ୍ୟେ ଆପନି ବାସ୍ତବବାଦୀ ବ୍ୟକ୍ତିଦର୍ଶନସିଦ୍ଧ କରାର ବାସ୍ତବ ଜ୍ଞାନ ଥାକାଯ କାଜ କରେ ସାହସ ଏବଂ କୁଶଲତା ନିଯେଇ ଆଶ୍ରମ ଏଗୋନ । ଉତ୍ସାହ ଏବଂ ଉ ପନା ଶକ୍ତିତେ ଭରପୁର ହେଁ କାଜ କରେ ନିଃମୁଦେହେ ଆଶ୍ରମ୍ୟ ଟ୍ରଫେ ଲ କରବେନ । କିନ୍ତୁ ଯଥେଷ୍ଟ ଆୟ ହୁଏଯା ସନ୍ତେଷ ଆପନାର ଜମା ବିଶେଷ ହବେ ନା । କାରଣ ଜୀବନେର ଯା କିଛୁ ଭାଲ ଆପନି ତା ସକଳଇ ଚାନ । ଭାଙ୍ଗିତୁପରିଷରକୁତ୍ତନ୍ତି ଚାନ, ନିଜ ଇଚ୍ଛା ଆସ୍ଵାଦକେ ତୁଟ୍ଟ କରତେ ଚାନ ଏବଂ ସାଧାରଣ ଭାବେଇ ଆପନି ଆପନାର ସମୟକେ ଭାଲଭାବେ ରାଖତେ ଚାନ । ଧର୍ମଭୀରୁ ମନେର ଜନ୍ୟ ଆପନି ଜ୍ୟୋତିଷଶାସ୍ତ୍ର ଏବଂ ଗୁପ୍ତବିଦ୍ୟାଯା ଭୀଷଣ ଉତ୍ସାହୀ ହବେନ । ଆପନି ଧର୍ମୀୟ ସ୍ଥାନେ ଭ୍ରମଣ କରବେନ ଏବଂ ସାମାଜିକ ଓ ସେବା କାଜେ ବ୍ରତ ହବେନ । ଆପନାର ସାହାୟ ପ୍ରାର୍ଥୀଦେର ପ୍ରତି ଆପନି ଦୟାବାନ ଏବଂ ସହାନୁଭୂତି ଶୀଳ ହବେନ ।

ଯତଦୁର ସଂଭବ ଯେ କୋନ ମେଶାଇ ଆପନାର ଜନ୍ୟ ଯଥୋପ୍ୟୁକ୍ତ । ତବୁଓ ଯଦି ଆପନି ଏକଜନ ଆଇନଙ୍ଗ ଏକଜନ ବୈଜ୍ଞାନିକ ଏକଜନ ଇଞ୍ଜିନିୟର ଅଥବା ଏକଜନ ଶଲ୍ୟ ଚିକିତ୍ସକ ହନ, ତବେ ଆପନି ଆରୋ ବେଶ ସଫଳ ହବେନ । ବ୍ୟବସାୟ ଆପନି ସଫଳ ହବେନ ଯଦି ସରକାରୀ ଠିକାଦାରୀ, ଖେଳାଧୂଲାର ସରଙ୍ଗମ ରେଡ଼ିଓ ଟେଲିଭିଶନ, ଗହନା ଅଥବା ଯାନବାହନେର ଯନ୍ତ୍ରାଶେର ବ୍ୟବସାୟ କରେନ ।

ବ୍ୟାପକ ଭାବରେ ଆପନାର ଭାବରେ ଆପନି ଏକକ ବ୍ୟକ୍ତି ବା ସକଳ ବ୍ୟକ୍ତିଦେର ଭୀଷଣ ଭାବରେ କୁରିବେନ । ଯାରାହି ଆ ପନାର ପ୍ରତି ଆକୃଷ୍ଟ ହବେ ତାଦେର ଅନେକେଇ ଆପନାର କାହେର ଲୋକ ହେଁ ଉଠିବେ ଏବଂ ଏଭାବେଇ ତାରା ଆପନାର ଆଗମୀ ଜୀବନେର ଉନ୍ନତିକେ ଏଗିଯେ ନିଯେ ଯାବେ ।

ଜୀବନସାଥୀ ଏବଂ ସନ୍ତାନେର କାହେ ଅଗାଧ ସୁଖ ଆରାମ ପାଓଯାଯା ଆପନାର ଗୃହ ଶାନ୍ତିମୟ ହେଁ ଉଠିବେ । ଆପନାର କାଜକର୍ମେର ହାଜାର ବ୍ୟମ୍ତତା ସନ୍ତେଷ ଆପନି ପରିବାରେର ଜନ୍ୟ ଯଥେଷ୍ଟ ସମୟ ବ୍ୟାପ କରବେନ, ଯାଦେର ସୁଖୀ ରାଖତେ ଆପନି ସବକିଛୁ କରତେ ରାଜୀ ।

ନିଃମୁଦେହେ ଆପନାର ଭାଲ ସ୍ଵାମ୍ୟ ହବେ, କିନ୍ତୁ ଏକଟୁ ଆଭାସ ଦେଓଯା ଯେତେ ପାରେ ଯେ ପରବତୀ ଜୀବନେ କିଡନୀ ଏବଂ ବଲଭାର-ଏ ଅସୁବିଧା ଭୁଗତେ ପାରେନ ଏବଂ ପ୍ରସାବ ଏ କଟ୍ଟ ହତେ ପାରେ । ଯଦି ସମୟେ ସଠିକ ବ୍ୟବସ୍ଥା ଗୃହଣ କରେନ ତବେ ଏଟା ଥେକେ ମୁକ୍ତ ହତେ ପାରେନ । ସୋମ, ବୃଦ୍ଧ, ବୃହମ୍ପତି ଏବଂ ଶୁକ୍ରବାର ଶୁଭ । ଶନିବାର ଓ ରବିବାର ତତ୍ତ୍ଵନିଷ୍ଠ୍ୟ ୫, ୬ ଏବଂ ୭ ନମ୍ବର ଗୁଲି ଅତି ଶୁଭ । ୧ ଓ ୮ ଥେକେ ସରେ ଥାକୁନ ।

ଆପନାର ମତ ବ୍ୟକ୍ତିଦେର ସହାୟକ ରଙ୍ଗ ସାଦା, ହଲୁଦ, ସବୁଜ ଏବଂ ଏମାରଲଡ । ଲାଲ, କାଳୋ ଅଥବା ନୀଳ କଥନଟି ପରିଷର କରବେନ ନା ।

গৃহ ফল

রবি

রবির অবস্থান হেতু আপনার জীবনে ব্যক্তিগত সমস্যার সৃষ্টি হবে। আপনি অমিতব্যযী।

রবির অবস্থানের দরুন আপনি ধার্মিক হবেন কিন্তু কল্যা লগের উপশিষ্টির ফলে কিছুটা ভিন্ন প্রকৃতির ফল পাবেন। ধার্মিক আচার অনুষ্ঠানে আপনি বিশ্বাস হারাবেন। ঈশ্বরের পূজা অথবা মুর্তিপূজায় আপনি বিশ্বাসী নন। ধর্মের প্রতি সময় নষ্ট না করে কর্মে মনসংযোগ করাকেই উচিত বলে মনে করেন। আপনার জীবনে বহু দুরভিয়নের লক্ষণ আছে কিন্তু রবির উপশিষ্টির দরুন আপনি লাভবান হওয়ার থেকে বংচিত হবেন।

আপনার জন্মের সময় সূর্য নবমস্থানে অবস্থান করায় আপনার পিতার স্বাস্থ্য ভাল থাকলেও কোন সময়ে শারীরিক দুর্বলতা অনুভব করবেন। আপনি আপনার পিতার অনুপ্রেরণায় জীবনে সাফল্য লাভ করবেন।

আপনি আপনার পিতাকে ভক্তি ও শ্রদ্ধা করবেন। তবে আপনাদের মধ্যে কোনসময়ে মতপার্থক্য দেখা দিতে পারে। আপনার একে অপরকে সমর্থন করবেন।

চন্দ্ৰ

সিংহরাশির দ্বাদশস্থানে চন্দ্ৰের অবস্থান হেতু আপনার আর্থিক স্থিতাবস্থা বজায় থাকবে না। আর্থিক বিষয়ে মহানুভবতা আপনার একটি চারিত্রিক বৈশিষ্ট্য। আপনার মাসব্যাপী আয় একদিনে ব্যয় ক্ষমতায়ন্ত্রের বৰ্কুয়েরেন্টসেমাজের হিতকর কাজে আপনি ব্যয় করবেন। আপনি নিজের প্রতি কম ব্যয় করবেন।

দেশের মধ্যে পেশা সংক্রান্ত ভ্রমন করবেন। বিদেশের সুখকর ভ্রমন হবে প্রধানত আরামের জন্য এবং প্রাকৃতিক সৌন্দর্যের টানে।

আপনার জন্মের সময় চন্দ্ৰ দ্বাদশস্থানে অবস্থান করায় আপনার মায়ের স্বাস্থ্য ভাল যাবে। মাঝে মধ্যে তিনি শারীরিক যন্ত্রনায় কষ্ট পেতে পারেন। তিনি আপনাকে ভালবাসবেন এবং আপনার পক্ষ নেবেন। এছাড়া তিনি আপনাকে বিভিন্ন ধর্মীয় ও দাতব্য কাজে অনুপ্রাণিত করবেন।

আপনি আপনার মাকে শ্রদ্ধা ও ভক্তি করবেন। কিন্তু একে অপরকে সব বিষয়ে মানিয়ে চলতে পারবেন না। তবে আপনাদের মতপার্থক্য দীর্ঘস্থায়ী হবে না। আপনি মাকে সুখে শান্তিতে রাখার চেষ্টা করবেন।

মঙ্গল

ধনুরাশির চতুর্থস্থানে মঙ্গলের অবস্থান হেতু আপনি সত্যপরায়ন। কিন্তু এর থেকে সমস্যা সৃষ্টি হবে। মায়ের সঙ্গে আপনার বিবাদের কারণ হেতু আপনি সমস্যার সম্মুখীন হবেন। আপনি মায়ের সঙ্গে বিবাদের কারণ উদ্ধার করতে পারবেন না এবং এই বিষয়ে আপনি চিন্তিত থাকবেন। আপনার মধ্যবয়সে আপনি এবং আপনার মা দুজনেই আলাদা থাকবেন। কিন্তু মাতৃসমন্বয় আঞ্চলিকদের কাছ থেকে আপনি

স

সম্পত্তি লাভ করবেন। আপনি উত্তরাধিকার সুত্রে সম্পত্তি পাবেন এবং ব্যাধিগুরুত ব্যক্তির সম্পত্তির উত্তরাধিকারী হবেন।

এই শিশুটির জন্মের সময়ে মঙ্গল ছিল চতুর্থ ঘরে যা তার সুস্বাস্থের আভাষ দেয়। কিন্তু মাঝে মধ্যে তারা অসুস্থ্য হয়ে পড়বে। তাদের কোনদিন বিন্দু ও বৈভবের অভাব হবে না। তারা সন্তান্য সকল উপায়ে তাকে সাহায্য ও সহযোগিতা করবে। সে তাদের ভালোবাসবে। তাদের মধ্যে বিবাদ হবার সন্তান্য খুবই কম এবং উদ্বিগ্নতা বেশীক্ষণ স্থায়ী হবে না। তারা তাদের হারজিং মিলেমিশে ভাগ করে নেবে।

বুধ

বুধের দশমে মিথুনরাশির অবস্থান হেতু আপনার জীবন সুখময় হবে এবং সকল ক্ষেত্রে ভাগ্যবান হবেন। সুস্বাস্থ্য, সম্পদ এবং জীবিকায় উচ্চপদ লাভ করবেন। আপনি জীবিকা হিসাবে শিক্ষকতার পথ অবলম্বন করলে উজ্জ্বল প্রতিষ্ঠা পাবেন। আপনার পিতা আপনার উন্নতি লক্ষ্য করবেন এবং পিতার সাথে আপনার সুন্দর বোঝাপড়ার দরজন আপনার ঘরের পরিবেশ আনন্দময় হবে।

বৃহস্পতি

ব্ৰহ্মাশির নবমস্থানে বৃহস্পতির অবস্থান হেতু আপনি ভাগ্যের দরজন উন্নতি করবেন। আপনি পারিবারিক রীতিনীতি এবং ধার্মিক অনুষ্ঠান পালন করবেন। আপনি ভগবানে বিশ্বাসী। আপনি ধার্মিকগুরুত্ব পড়বেন এবং ধ্যান, ব্ৰহ্মবিদ্যা ও আত্মবিজ্ঞানে উৎসাহী হবেন। আপনি মধ্যবয়সে নিজস্ব ক্ষমতায় উন্নতি করবেন এবং যে কোন ব্যক্তির সাধারণ চরিত্রায়ন করতে পারবেন। আর্থিক লাভের জন্য দুরাত্মন শুভ হবে। আপনি মহান এবং প্রতিষ্ঠিত ব্যক্তিদের সাথে বন্ধুত্ব স্থাপন করবেন। আপনি জীবনের পরবর্তী সময়ে ক্ষমতা সম্পন্ন ব্যক্তিদের সংস্পর্শে থাকার দরজন উন্নতি করবেন।

শুক্র

মীনরাশির সপ্তমস্থানে শুক্রের অবস্থানের ফলে আপনার একটা সম্মানিত পরিবারে বিবাহের সন্তান্য দেখা যায়। তবে দাম্পত্যজীবনে আপনি শান্তি পাবেন কিনা তা সন্দেহজনক। আপনি নাচ এবং সংগীত পছন্দ করেন।

শনি

ব্ৰহ্মাশির নবমস্থানে শনির অবস্থান হেতু আপনি জীবনে সফল হবেন এবং ভাগ্যের সহায়তায় প্রতিভাবান হবেন। জীবনের লক্ষ্য থেকে পিছিয়ে পড়ার লক্ষ্য আছে। আপনি উচ্চশিক্ষিত এবং ভবিষ্যতের ব্যাপারে পরিকল্পনা করবেন। আপনি ব্ৰহ্মবিদ্যা ও জ্যোতিষশাস্ত্রে উৎসাহী এবং এর থেকে আপনি খ্যাতি ও অর্থলাভ করবেন। কিছু লোক আপনাকে সিদ্ধ বলে মনে করবে। শনির অবস্থান হেতু আপনি সমস্যার সম্মুখীন হবেন এবং সমস্যার সমাধান করার চেষ্টা করবেন।

রাত্রি

মিথুনরাশির দশমস্থানে রাত্রির অবস্থানের দরকান বিদেশ সমন্বয় ব্যাপার আপনার পক্ষে শুভ হবে। আপনি এইক্ষেত্রে উন্নতি করবেন এবং বিদেশে যাওয়ার ব্যবস্থা করবেন। এইক্ষেত্রে আপনি অবশ্যই অঙ্গুর ওর্ক আর্মিশকরবেন। আপনি সতর্ক থাকবেন যেহেতু মামলামোক
জড়িয়ে পড়ার সম্ভাবনা থাকবে।

-সমন্বয় ব্যাপারে

পিতার থেকে আপনি বিশাল সহযোগীতার আশা করবেন। কিন্তু আপনার প্রতি আপনার পিতার স্নেহপ্রায়নতা সম্পন্নে আপনি ধারণা করতে পারবেন না। যেহেতু আপনার পিতা এই স্নেহপ্রায়নতা প্রকাশ করবেন না।

কেতু

ধনুরাশির চতুর্থস্থানে কেতুর অবস্থানের ফলে আপনি মিশ্রফল লাভ করবেন। জীবনে সুষ্ঠু ও শিত হবার পূর্বে আপনার জীবনধারায় অনেক রদবদল ঘটবার ইংগিত আছে, তার আগে আপনাকে হয়তো কিছু বাধাবিঘ্নের সম্মুখীন হতে হবে, লোকের কাছে ভাল সাজতে আপনি আপনার মায়ের সঙ্গে সুসম্পর্ক বজায় রাখতে চান, আসলে কিন্তু আপনি তাকে আপনার বাড়ী থেকে দূরে রাখতে চাইবেন। গৃহেও আপনি একাধিপতি বিস্তার করতে চাইবেন। তবে বেশকিছু বছর ধরে কঠোর পরিশ্রম করার পর পৈতৃকসম্পত্তি লাভ করবেন এবং জীবনের বাকী সময়টা সহজ করে নিতে আপনি জীবনসাথী ও সন্তানদের সঙ্গে মধুর সম্পর্ক গড়ে তুলবেন।

টেবে কী শ্রেণী

রতান্ত্র গৃহ অঙ্ক টেবা

লালকিতাব অনুসারে রতান্ত্র গৃহকে নহোরাতা গৃহ ও বলা হয়। এই গৃহ দিনে দেখা যায় কিন্তু রাতে দেখা যায় না। এই গৃহ অর্দ্ধঅঙ্ক গৃহ হিসাবে পরিচিত অর্থাৎ চতুর্থ স্থানে সূর্য এবং সপ্তম স্থানে শনি থাকার ফলে এই টেবাকে আধা অঙ্ক টেবা বলা হয়।

এই প্রকার টেবা জাতকের ব্যবসায়িক, মানসিক অথবা পারিবারিক সুখ শান্তির জন্য অশুভ। সপ্তম স্থানে অবস্থিত শনি অত্যন্ত শক্তিশালী আকার ধারণ করে এবং জ্যোতিষ শাস্ত্রানুসারে সপ্তম স্থানে শনির দ্বিপ্ল প্রাপ্তি ঘটে। এই ভাব যুক্ত শনি নিজের দশম দৃষ্টির দ্বারা সব কিছুকে প্রভাবিত করে এবং শত্রু দৃষ্টির প্রভাবে সূর্যের শুভ ফল অশুভ ফলে পরিণত করে দেয়। চতুর্থ স্থানে সূর্যের সপ্তম দৃষ্টি কর্ম ভাবের উপর প্রতিফলিত হোয়ে কর্ম ফলকে অসফলতায় পরিণত করে এবং সর্ব প্রকার মনের শান্তি বিনষ্ট করে। জন্মকুণ্ডলীর উপর শনির অশুভ দৃষ্টি পরিলক্ষিত হবে। শনির অশুভ দৃষ্টি দূর করার জন্য শনির উপাসনা করা উচিত।

নিষ্কর্ষ

আপনার কুণ্ডলী রতাংধ গৃহ দ্বারা প্রভাবিত নয়।

ধর্ম টেবা

লাল কিতাব অনুসারে কিছু ধর্মীয় টে বা আছে এবং এই ধর্মীয় টেবা উপর অশুভ গৃহের প্রভাব অত্যন্ত কম। যে টেবাতে বৃহস্পতির সহিত শনি শুভ স্থানে বিদ্যমান থাকে সেইসব টেবা ধর্ম টেবা হিসাবে পরিচিত হয়। ধর্ম টেবার অন্তর্ভুক্ত জ্ঞানীকেহোশোমঘার সমস্ত পথ বন্ধ হোয়ে যায় তখন ঈশ্বর স্বয়ং তাদের জন্য সাহায্যের হাত বাঢ়িয়ে দেন। লাল কিতাব অনুসারে শনি গৃহ ভাগ্যবিপর্যয় এবং ভাগ্যোদয় উভয়ের জন্য দায়ী। টেবার মধ্যে বৃহস্পতির রাশিতে শনির অবস্থান হেতু শনির শুভ প্রভাব বৃদ্ধি পায়। বৃহস্পতি এবং শনির সংযুক্ত প্রভাবে অনেক দোষ দূর হোয়ে যায়। ষষ্ঠি, নবম, একাদশ এবং দ্বাদশ স্থানে বৃহস্পতি ও শনির সংযোগে সমস্যা এবং জীবনের সমস্ত উত্থান পতন নিয়ন্ত্রিত হয়ে যায়। এর প্রভাবে সর্ব প্রকার বিপদ ও বাধা বিশ্বের সমাপ্তি ঘটে।

নিষ্কর্ষ

আপনার ঠিকুজী ধর্মীয় টেবা অন্তর্গত অতঃপর মুস্কিল অথবা কষ্টের সময় সমস্ত পথ অবরুদ্ধ হোয়ে জায়। সেই সময় দৈবীয়সহায়তা বা ঈশ্বর স্বয়ং আপনার সহায়তা করেন।

নাবালিক টেবা

জ্ঞানারিচ্ছাৰ বয়সুন্মুসার্যৱক্তৃ শামৰঞ্জিক টেবা থাকে। এই দশায় জাতকের ১২বছর বয়স পর্যন্ত জন্মকুণ্ডলী পূর্বজন্মের ভাগ্যদ্বারা প্রভাবিত হয়। নাবালিক টেবা তখন বলা হয় যখন টেবার ১,৪,৭ অথবা ১০ স্থান অর্থাৎ কেন্দ্র স্থান খালি বা শুধু মাত্র পাপী গৃহ অর্থাৎ শনি, রাহু, কেতু অথবা একাকি বুধ অবস্থান করলে নাবালিক গৃহের টেবা হিসাবে পরিচিত হয়।

আগনার ভাগ্যের অবস্থা ১২ বছর পর্যন্ত সন্দেহপূর্ণ অবস্থায় থাকবে।

গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়। জীবনের উপর প্রতিফলিত দুর্ঘত্ব গৃহের প্রভাব দূর করার জন্য নিম্নলিখিত বিধি নিয়ম পালন করা উচিত।

১. আয়ুর প্রথম বছরে সপ্তম স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
২. আয়ুর দ্বিতীয় বছরে চতুর্থ স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
৩. আয়ুর তৃতীয় বছরে নবম স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
৪. আয়ুর চতুর্থ বছরে দশম স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
৫. আয়ুর পঞ্চম বছরে স্বেকাদশ স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
৬. আয়ুর ষষ্ঠ বছরে তৃতীয় স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
৭. আয়ুর সপ্তম বছরে দ্বিতীয় স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
৮. আয়ুর অষ্টম বছরে পঞ্চম স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
৯. আয়ুর নবম বছরে ষষ্ঠ স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
১১. আয়ুর একাদশ বছরে প্রথম স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
১২. আয়ুর দ্বাদশ বছরে অষ্টম স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।

নিষ্কর্ষ

আগনার ঠিকুজী নাবালিক গৃহের টেবা নয়।

লাল কিতাব গ্রহ ফল

রবি

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে সুর্য নবমশ্হানে অবস্থান হেতু আপনি অত্যন্ত ভাগ্যবান হবেন। আপনি যানবাহনের সুখ পাবেন এবং বড় পরিবারের সঙ্গে যুক্ত থাকবেন। আপনি দীর্ঘায় ও পরোপকারী হিসেবে স্বাস্থ্য ও শক্তির উন্নয়নে করবেন। এবং পিতা মাতার আশীর্বাদে রাজদরবারে সম্মান পাবেন। শত্রুরা আপনার দ্বারা পরাজিত হবে। তীর্থ্যাত্মা আপনার পক্ষে অত্যন্ত লাভদায়ক। আপনার পিতামাতা সুখ শান্তিতে বিরাজ করবেন। স্বভাবে অত্যন্ত উগ্র বা অত্যন্ত নম্র হলে আপনি সবকিছু হারাবেন। আপনি বাল্যকালে খুব বিলাসিতার মধ্যে জীবন কাটাবেন। আপনি পরোপকারী হবেন। আপনি আপনার নাতী নাতনীদের সুখী করবেন। আপনি পরিবারের জন্য সবকিছু ত্যাগ করবেন। আপনি অন্যকে সুস্থ হয়ে উঠতে সহায়তা করবেন। আপনার পিতা সরকারের পক্ষ থেকে সম্মানিত হবে।

উপায়বিধি :-

- তামার বাসনপত্র ব্যবহার করবেন।
- দুধ, চাল বা আটা ইত্যাদি দান সামগ্রী গ্রহণ করবেন না।
- অত্যন্ত রাগী বা অত্যন্ত সহনশীল হবেন।

চন্দ্ৰ

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে চন্দ্ৰ দ্বাদশশ্হানে অবস্থান হেতু আপনার মনের সব ইচছা পূরন নাও হতে পারে। মানসিক অশান্তির জন্য আপনার ভাল ঘুম হবে না। আপনি লেখা পড়া ভাল না হওয়া সন্ত্রেণ অত্যন্ত দায়িত্বশীল হবেন। মাতার স্নেহ থেকে বন্চিত হতে পারেন।

আর্থিক স্থিতি সুদৃঢ় থাকবে না। আপনার বর্তমান সময় ভাল যাবে। জল থেকে সাবধান হবেন, এতে আপনার ভয়ের কারণ আছে। শ্বশুরবাড়ীর সম্পত্তি আপনার দুঃখের কারণ হবে। নারীর প্রতি আপনার দুর্বলতা থাকবে এবং নারী আপনার জীবনে দুঃখের কারণ হতে পারে। আপনি অলস, ধনহীন ও কমজোর হবেন। আপনার প্রত্যেক আনন্দের পর কিছু না কিছু দুঃখ ভোগ করতে হবে। আপনি স্বপ্নে ভবিষ্যতের কথা দেখতে পাবেন। লোকে আপনার উপর বিশ্বাস করে তাদের গোপন কথা আপনাকে প্রকাশ করবে এবং আপনি তাদের গোপনীয়তা বজায় রাখবেন। আপনার কথায় লোকেরা স্বস্তি পাবে। আপনি পুর্বপুরুষদের কথা বাড়িয়ে বলবেন। আপনার সন্তান নিষ্কর্মা হতে পারে। আপনার গৈত্রীক সম্পত্তি নষ্ট হয়ে জেতেছায়ে। নিজের অর্জিত অর্থ আপনার জমা থাকবে। আপনার অনেক কষ্ট ভোগ আছে।

বয়সের পর আপনার সুখ আসবে। আপনি এবং আপনার স্ত্রী চক্ষুরোগে ভুগতে পারেন।

উপায়বিধি :-

- চুক্কাজগতাঙ্কৰায়ে অন্তর্ভুক্ত চ
- ঘরে বৃষ্টির জল ধরে রাখবেন।
- ঘরের ছাদে জলের কল বসান।
- ১৬ লিটার বৃষ্টির জলের মধ্যে চারটে চৌকা রাপোর টুকরো ফেলে তা বাড়ীতে রাখবেন।

মঙ্গল

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে মঙ্গল চতুর্থস্থানে অবস্থিত। আপনি মান্দলিক, আপনার মনের ভেতর প্রশ়িহিতসমাবলীন আমুদ্রকেও ঝালিয়ে দিতে পারেন। এমনিতে আপনি শান্ত স্বভাবের মানুষ।

আপনি অন্যের অনিষ্টকারী। আপনি নিজেই বাবা মা, শ্বাশুড়ী ও স্ত্রীর মৃত্যুর কারণ হবেন। সাধারণতও লোকেও আপনার সঙ্গে শত্রুতা করবেন। সন্তান প্রাপ্তিতে কিছু বাধার আশঙ্কা আছে। নিজের এবং শ্বশুরবাড়ীতে কিছু ক্ষয়ক্ষতির সম্ভাবনা আছে। অন্য কেউ আপনাকে অতিষ্ট করলে তার জবাব দিতে আপনি সাহসিকতা অবলম্বন করবেন। আপনি নিজের পরিবারের লোকেদের সাহায্য করবেন। কারো ক্ষতি করবেন না। দুর্ঘটনা থেকে সাবধানে থাকবেন। সুখ প্রাপ্ত করতেও আপনি উগ্র মেজাজে চলবেন। সুখ প্রাপ্তিতে বাধার যোগ আছে।

সুখের উপকরণ থাকা সত্ত্বেও আপনি সুখী হবেন না। নিজস্ব বাড়ী ও গাড়ী হবে। মনের মধ্যে সদা উত্তেজনা থাকবে। মায়ের ভালবাসা পাবেন। মায়ের স্বাস্থ্য সাধারণ থাকবে। পারিবারিক গৃহ ছেড়ে বাইরে অন্য ঘরে থাকা লাভদায়ক হবে।

উপায় বিধি :-

- মা, বানর এবং সাধু সন্ত্যামীর সেবা করুন।
- অঙ্গহীন ব্যক্তির কাছ থেকে দুরে থাকুন।
- চিনি, মিষ্টি বা মধুর কারবার করবেন না।
- রাবড়ী জলে ভাসিয়ে দিন।
- চন্দ্রের উপবাস করুন।
- হরিণের চামড়া ব্যবহার করুন।
- স্কোণান্তরামার আংটি ধারন করুন।
- ৪০০ গ্রাম চাল, দুধ দিয়ে ধূয়ে কম করে ৭ মঙ্গলবার বহমান জলে ভাসান।

বুধ

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে বুধ দশমস্থানে অবস্থিত। এর কারনে আপনি আপনার বিভাগীয় অধিকারীদের প্রিয় হবেন। আপনি সঠিকপথে জীবিকা নির্বাহ করবেন। আপনি সকলের সঙ্গে সু-ব্যবহার করবেন এবং নীতিশাস্ত্রে নিপুন হবেন। আপনি ঠিকাদারী কাজের দ্বারা ধন উপার্জন করবেন। আপনি মদ্যপান এবং অমিষ খাদ্য ব্যবহার থেকে দুরে থাকবেন। আপনি অন্যের খোশামোদ করতে কুশলতা প্রবন। আপনি নিজের সুস্মা, মোলায়েম কথা দিয়ে কাজ হাসিল করবেন। আপনি সামুদ্রিক যাত্রা এবং বিদেশ যাত্রা জ্ঞানশৃষ্টিরক্রয়কাম্পর্যগ্রন্থিতানহীন হতে পারেন। আপনি মতলববাজ হবেন। অন্যের সঙ্গে প্রবন্ধনা করার অভ্যাস থাকবে। কিন্তু অন্যের কথায় সায় দেওয়া বা খোশামুদি করায় আপনি কুশল। আপনি মিষ্টি মিষ্টি কথা বলে সবাইকে মোহিত করে রাখেন। ব্যবসাতে ঘরের লোকেরও শ্রীবৃদ্ধি হবে। জ্ঞানশৃষ্টির জ্ঞানের কাছে দোষী বলে মনে হতে পারে। আপনি অন্যের জন্য বুদ্ধিহীন সাথীর ন্যায়। বয়সের পর থেকে আপনার জীবন ভাল কাটবে এবং আর্থিক শ্রীবৃদ্ধি হবে।

উপায় বিধি :-

- চওড়া পাতাওয়ালা গাছ লাগাবেন না।
- ঘরে মানীপ্লাট এবং তুলসী গাছ লাগাবেন না।
- মাছ, মৎস এবং মদ্যপান বর্জন করুন।
- ৪৮ বছর বয়সের পর বাড়ি বানান।
- লক্ষ্মীর ইচ্ছিক্রান্তীচাৰ
- শনি দেবতার উপবাস করুন।

বৃহস্পতি

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে বৃহস্পতি নবমশ্হানে অবস্থিত। এর কারণে আপনি নয়া নিধি এবং বার সিদ্ধি জ্ঞানী অর্থাৎ খুব ভাগ্যশালী হবেন। আপনি নিজ ধর্মে অটল এবং কথায় খাঁটি থাকবেন। কিন্তু আলস্যের কারণে আপনার মহত্বপূর্ণ কাজ অসম্পূর্ণ থেকে যাবে। আপনার জীবনে কখনও অর্থের অভাব বোধ হবে না। আপনার জীবনে যতই দুসময় আসুক না কেন আপনি সমাজের জন্য কিছু করে যাবেন। আপনি কাজ করলে অনেক লাভ হবে। আপনার ঘরের প্রতিষ্ঠা ঠিকমত থাকবে। তীর্থশ্হান ভ্রমণ আপনার শখ হবে। আপনি ধর্মাত্মা, জ্যোতিষী, বৈদ্য, সিদ্ধপূরুষ হবেন। আপনি আপনার পুর্বজনদের মাধ্যমে প্রগতির পথে এগিয়ে যাবেন। আপনার উপর ভাগ্যের শ্রেষ্ঠ প্রভাব পড়বে অর্থাৎ আপনার ৩৬ বছর বয়সেই ধন প্রাপ্তি হবে। আপনি সম্মানিত এবং ধনী পরিবারে জন্মাবেন। আপনি নিজ পরিশ্রমের দ্বারাও অর্থ উপার্জন করবেন। আপনার অভ্যাস রাজাদের মতন হবে। আপনি আধ্যাত্মিক দিক থেকে যোগী স্বভাবের হবেন। আপনার শুক্ষ্মস্তুত্ররভজ্ঞ মাসক্ষেচ, অঙ্গনিষ্ঠন্ত্রিত্বের করবেন। আপনার জীবনে বয়সে বিশেষ ধন প্রাপ্তি যোগ আছে। আপনি সন্তানদের কাছ থেকে অনেকবার দুঃখ পাবেন। আপনার হাট্টের অসুখ হবার সম্ভাবনা আছে। সারা দুনিয়ার সঙ্গে লড়াই করে আপনি নিজের ভাগ্য তৈরী করবেন।

আপনি ভাগ্যবাদী, ভাগ্য নির্মাণকর্তা হবেন। আপনার গৃহে সুখ বাঢ়বে। এর শুভ প্রভাব পুরো পরিবারের উপর ভাল ফল দেবে। আপনার আর্থিক শ্রিতি শুভ করার জন্য ভাগ্য পুরো সহায় হবে।

উপায় বিধি :-

- প্রতিদিন মন্দিরে গিয়ে ভগবান দর্শন করুন।
- গঙ্গামন্ত্র এবং গঙ্গাজল পান করুন।
- তীর্থযাত্রা করুন।
- অন্যের সহযোগীতা করুন।
- সাধু সন্তকে দান করুন।
- ধার্মিক হোন, সত্য বলুন।

শুক্র

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে শুক্র সপ্তমশ্হানে অবস্থিত। এর প্রভাবে এটা পরিস্কার যে আপনার ঘরে শ্বাশুড়ী ও বধুর মধ্যে এবং মাও ও মেয়ের মধ্যে ভালবাসা থাকবে। বৈবাহিক সন্বন্ধ ও সন্তান উৎপন্নিতে অসুবিধা হতে পারে। আপনার ঘরে লক্ষ্মীর ভাল প্রভাব থাকবে। আপনার সাদা গাভী পোষা উচিত হবে না, এটা অশুভ। লক্ষ্মী-শ্রীন্দ্রিধুরখরক্ষণ ক্রমগতিতে আপনার কষ্ট থাকবে। এরপর থেকে জীবনভর সময় সুখময় থাকবে। আপনি দীর্ঘায় হবেন। চামড়ার মানিব্যাগে টাকা রাখবেন না। আপনার

উপার্জিত অর্থে স্ত্রী পক্ষের লাভ হবে। বিয়েতে ব্যবহার্য এবং উপযোগী বস্ত্র কারবার এবং বিউটি পার্লার চালালেও ভাল লাভ হবে। আপনি কৃষিযোগ্য জমি পাবেন। আপনার ভাল বাড়ী এবং গাড়ীর সুখভোগ হবে। পরস্তীর সঙ্গে প্রেম কু-প্রভাব বয়ে আনবে। কানা বা কালো নারীর সঙ্গে সম্পর্কে ভাল ফল হবে। আপনার কাজ কারবারে ভাই, বন্ধু-স্বামীর জন্মস্থানের সম্পত্তি ওড়াবে। এরাই আপনার কারবারে বাধা দেবে। বয়স পর্যন্ত খুব স্ত্রীসুখ পাবেন। ঘরের থেকে দুরে সমুদ্র যাত্রা দ্বারা উপার্জন হবে। আপনার নিজ জন্মস্থানে খুব ভাল হবে না। আপনার মৃত্যুর সময় কোন স্থান হতে খুব তাড়াতাড়ি ঘরে ফিরে আসবেন। শ্বশুরবাড়ীর লোককে কারবারে সাথে রাখবেন না।

উপায় বিধি :-

- লাল গাড়ীর সেবা করুন, তাকে খাবার খাওয়ান।
- মা-বাবার থেকে সদা আশীর্বাদ নেবেন।
- নোংরা নালায় নীল ফুল ফেলবেন।
- যৌতুকে পিতলের বাসন নেবেন।
- শুক্রবার কাঁসার বাসন দান করুন।

শনি

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে শনি নবমস্থানে অবস্থিত। যার প্রভাবে আপনি পরোপকারী হবেন এবং এতে আপনার ভাল লাভও হবে। আপনি বড় পরিবারের সদস্য হবেন। আপনি ভাই ও বন্ধুর সহযোগ পেয়ে ধনবান হবেন। আপনার জীবনে ঘর, বাড়ীর কোন অভাব হবে না। সন্তান পক্ষ ভাল থাকবে। আপনার বাড়ী বানানোর কাজে বা চলা ফেরার কাজে লাভ হবে। আপনার অনেক পুত্র ও কন্যা হবে। কিন্তু সন্তান প্রাপ্তিতে বিলম্ব হতে পারে। আপনার স্ত্রী ধনী পরিবারের হবে। আপনার কাছে প্রচুর পরিমাণে ধন থাকবে। আপনি ধনের বিষয়ে বেহিসাবী থাকবেন। যদিও ধন-সম্পত্তি থাকবে তবুও আপনি দুঃখী থাকবেন। আপনি উদার প্রকৃতির, জমিজমার মালিক, সদা সুখী এবং দীর্ঘায়ু হবেন। মা-বাবার উত্তম সুখ প্রাপ্তি হবে। আপনি পরোপকারী এবং সেবাপ্রায়ন হবেন। বাড়ীর ছাদে দরজা, কাঠ রাখা ভাগ্যহীনতার পরিচয়। আপনি বিদ্বান হবেন। আপনার উপর কোন ধারের বোৰা পড়বে না। আপনার ভাগ্য আপনার মা-বাবার ভাগ্যের থেকে ভাল হবে। আপনার পত্নী ভাগ্যবতী এবং ধনী পরিবারের হবেন। পয়সার প্রতি খুব মোহ করবেন না। আপনি সুদের কারবার করলে লোকসান হবে। আপনার মনে অন্যের প্রতি প্রতিশেধ নেবার স্পৃহা থাকবে। অগ্নিকান্দের আশঙ্কা আছে। আপনার শ্বাসকষ্টের রোগ হতে পারে। আপনি তীর্থযাত্রা করবেন। আপনি ধর্মীয় মানসিকতার হবেন। আপনার ভাগ্যেন্দ্রিয়তা হবে। অধিক শুভফল প্রাপ্ত হবে।

উপায় বিধি :-

- ঘরের শেষ ভাগে অন্ধকার কুঠুরী বানাবেন।
- ঘরের ছাদে ঘাস, কাঠ ইত্যাদি রাখবেন না।
- বৃহস্পতির দোষ কাটান।

রাহু

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে রাহু দশমস্থানে অবস্থিত। এর প্রভাবে আপনি সুশীল, সু-স্বভাব, সাহসী এবং প্রতাপশালী হবেন। আপনার প্রতিটি কাজ প্রশংসার যোগ্য হবে। আপনি উচ্চ চিন্তাধারার মানুষ।

সকলের কাছেই আপনি যথোচিত সম্মান পাবেন। আপনি বড় কারখানার মালিক হয়ে বা উচ্চ পদে থেকে বিশাল সম্পত্তি অর্জন করবেন। আপনি বড় ব্যবসায়ী এবং নিশ্চিত ধনবান হবেন। আপনার জীবনে রাজযোগের কারণে সুখ প্রাপ্তির আশা আছে। অথবা ব্যয় থেকে সাবধান হন। মাথার চুল তাড়াতাড়ি সাদা হবে, কিন্তু আপনি ডাঙ্গি করবেন না। আপনি উচ্চ চরিত্রের হবেন।

যদি আপনি মাথায় টুপি বা পাগড়ী না পরেন, উচ্চপদস্থদের আফিসরদের সাথে ঝগড়া-ঝাঁটি করেন অথবা অন্য কোনো কারণে রাহ দুর্বল হয়, তাহলে মা-বাবার কষ্টের আশঙ্কা আছে। অথবা ব্যয়ে সম্মুখিন হবেন। শরীরে কোন রোগ সৃষ্টি হতে পারে। ধন সম্পত্তির লোকসান হতে পারে। আপনার কোন না কোন ব্যয়সামেক্ষ শখ বিদ্যমান থাকতে পারে, সাবধান হোন। আপনি নিজের হাতে সম্পত্তি বিক্রি করেও দিতে পারেন। আপনার মেজাজী মনোভাব অন্যের সঙ্গে শত্রুতার সৃষ্টি করতে পারে। মায়ের জন্য কষ্টের সময় আসতে পারে। আপনার কৃপণতা শত্রুতার কারণ হতে পারে। চোখে খারাপ প্রভাব পড়তে পারে। মাথার যত্নগায় আপনার কষ্ট বাড়তে পারে। কোন কালো ব্যক্তি আপনার ধন সম্পত্তি নাশ করতে পারে। সরকারী আফিসরদের সাথে ঝগড়া-ঝাঁটিতে, উচু জায়গা থেকে পড়ে অথবা অসুস্থিতার কারণে অর্থব্যয় হোতে পারে।

উপায় বিধি :-

- মাথায় টুপি, পাগড়ী যেকোন কাপড় ঝাঁধুন।
- যব অংথকার স্থানে মাটিতে পুঁতে দিন।
- মিষ্টি বস্তু অংথকে ভোজন করান।

কেতু

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে কেতু চতুর্থস্থানে অবস্থিত। এর প্রভাবে আপনি পুর্ণত আশ্চিতক হবেন। সকল কাজ ধৈর্য্য সহকারে করবেন। সকলের সঙ্গে আপনার ব্যবহার সৌহার্দ্যপূর্ণ থাকবে। আপনি আশাবাদী, রু ও পিতৃসেবায় সংলগ্ন, চরিত্রবান এবং যা পাবেন তাতে খুশী থাকবেন। আপনার কন্যা ভাগ্যবত্তী হবে ও আপনার জন্য লক্ষ্মী স্বরূপা হবে।

কন্যা জন্মাবার পর আপনার ঘর ধনধান্যে পূর্ণ হয়ে উঠবে। পিতা এবং গুরুভক্তি বাড়িয়ে দেবে। আপনার জমি-জায়গা সংক্রান্ত আইনি সমস্যার উদ্ধৃত হতে পারে। মায়ের কেষ্টের আশঙ্কা আছে। দেরীতে সন্তান হওয়ায় সুখ কর হতে পারে। পুত্র সন্তানের চেয়ে কন্যা সন্তান অধিক হবে। আপনি নিজে এবং আপনার পুত্র দীর্ঘায়ু হবে। মধুমেহ রোগের আশঙ্কা আছে। কুলপুরোহিতকে হলুদ রঙের বস্তু দান করা উচিত। আপনার ভাল বাড়ী এবং গাড়ীর সুখ প্রাপ্ত হবে। আপনি অনেক দিন পর্যন্ত পিতৃসুখে সুস্থি হবেন।

উপায় বিধি :-

- গুড়, ছিঁড়লাঙ্গোভান্তলুদ রঙের কাপড়ে বেঁধে কুল পুরোহিতকে দান করে তাঁর আশীর্বাদ নিন।
- ছোলার ডাল স্নোতের জলে ভাসিয়ে দিন।
- ল্পো ধারণ ক রুন। বৃহস্পতির বন্দনা করুন।
- সুযোর বস্তু কুলপুরোহিতকে দান করুন।

লাল কিতাব অনুসার ঋণ ভার

জন্মকুণ্ডলীতে অঙ্গত গৃহের প্রভাবে জাতক নানাভাবে ঋণী হয়ে পড়ে অর্থাৎ জাতকের উপর নানা ধরনের ঋণভার এসে পড়ে, যার ফলে জাতক জীবনে উচ্চতির পথে বাধা প্রাপ্ত হয়। দোষ-যুক্ত গৃহের প্রভাবে শুভ গৃহও আশানুরূপ ফল দানে অক্ষম হয়ে পড়ে।

ঋণভার থেকে জাতকের মুক্ত হওয়া একান্ত জরুরী, তবেই জীবনের শেষপর্যায়ে গৃহের শুভ ফল লাভ করা সম্ভব হবে। নিম্নে বিভিন্ন প্রকার ঋণ কি কি পরিস্থিতিতে কিভাবে জাতকের উপর প্রভাব ফেলে তা বর্ণিত হোলো।

স্বৰূপ

গ্রহচলন :

যখন জন্মকুণ্ডলীর পঞ্চম স্থানে পাপী গ্রহ শুক্র, শনি ও রাহু অবস্থান করে তখন জাতকের উপর স্বৰূপভাব পড়ে।

লক্ষণ :

জ্ঞানার্থক সত্ত্বেও দণ্ডভোগ করার ভীতি থাকে। এই ধরনের জাতকেরা শারীরিক দুর্বলতা, হৃসফুসের অসুস্থতা, হাতে পায়ে ব্যথা, চোখের কষ্ট ইত্যাদি হতে পারে।

প্রভাব :

জাতক নাস্তিক হয় এবং ধর্মকে উপেক্ষা করে। পূর্বপুরুষের রীতি নীতি উপেক্ষা করে এবং তার স্বাস্থ্য প্রতিকূল থাকবে।

নিষ্কর্ষ

আগন্তুর জন্মকুণ্ডলী স্বৰূপন্মুক্ত।

মাতৃঋণ

গ্রহচলন :

যখন জন্মকুণ্ডলীর চতুর্থ স্থানে কেতু অবস্থান করে তখন জাতক অবশ্যই মাতৃঋণের দ্বারা ঋণী হয়।

লক্ষণ :

এই ধরনের জাতকেরা কারো সহযোগীতা পাবে না এবং তাদের সকল প্রকার প্রচেষ্টা নিষ্ফল হবে। সরকারী শাস্তি হবে অথবা জরিমানা ভোগ করতে হবে। জাতকের পারিবারিক জীবন অশান্তিময় হয়ে উঠবে। অপরের বদনাম করা, জুতা চুরি ও অশিক্ষিত হওয়ার ফলে জাতকের শান্তিভঙ্গের সন্তাননা থাকবে। আত্মীয় স্বজনের অসুস্থতায় জাতকের অর্থের অপব্যয় হবে।

প্রভাব :

মাতৃখন দ্বারা প্রভাবিত জাতক মায়ের প্রতি অত্যন্ত উদাসীন হবেন এবং মায়ের সুখ স্বাচ্ছন্দের ব্যাপারে নজর দেবেন না। এই ধরনের জাতক মায়ের থেকে দুরে থাকবে অথবা মাকে গৃহহীন করে দেবেন।

যে সব জাতক মাতৃখন দ্বারা খানী তাদের গৃহের পাশে কুয়া, পুকুর, নদী অথবা নালা অবশ্যই থাকবে এবং এই ধরনের জলাশয়ে সাধারণতঃ লোক এবং জাতক নিজেও নোংরা ফেলে।

নিষ্কর্ষ

ঙ্গ

উপায় :

আপনার জন্মকুণ্ডলী মাতৃখণ্যসূক্ষ্ম, সুতরাং মাতৃখণ মুক্ত হওয়ার জন্য পরিবারের, রক্তসম্পর্কীয় সদস্যদের (ঠাকুরদা-ঠাকুরমা, বাবা-মা, জ্যোঠি-কাকা, ভাই-বোন ইত্যাদি) প্রত্যেকের কাছ থেকে সম পরিমাণ রূপা সংগ্রহ করে ওই দিনেই বহমান জলে প্রবাহ করে দিন।

পারিবারিক ঋণ

কারণ :

জাতকের জন্মকুণ্ডলীর প্রথম অথবা অষ্টমস্থানে বুধ বা কেতু অথবা উভয়েই অবস্থান করলে জাতকের পারিবারিক ঋণ হয়।

লক্ষণ :

কারো গর্ভবতী মহিষের বাচচা দেওয়ার সময় মেরে ফেলা অথবা মারিয়ে দেওয়া, কারো বাড়ী তৈরী অথবা ভিত্তি-খননের সময় জাদু-টোটকা করা, আত্মীয় পরিজনের সাথে মেলামেশা করা লোকেদের প্রতি ঘৃণা বা হিংসা, জন্মদিন বা পারিবারিক উৎসব ও খুশীর সময় অনুপস্থিত থাকা ইত্যাদি।

প্রভাব :

জাতক বন্ধুর সাথে বিশ্বাসঘাতকতা করে। অন্যের তৈরী কাজ খারাপ করে দেয়, পাকা ফসলের ঝেঁজোঁকায়ে দেয়।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুণ্ডলী পারিবারিকঋণ মুক্ত হবে।

কন্যা/বোন এর ঋণ

গ্রহচলন :

জাতকের জন্মকুণ্ডলীর তৃতীয় অথবা ষষ্ঠ স্থানে চন্দ্ৰ অবস্থান করলে জাতকের উপর কন্যা বা ভগ্নি ঋণ হয়।

লক্ষণ/কারণ :

যৌবনে কাউকে ঠকানো, কোন মেয়ে বা বোনের প্রতি অত্যাচার, হত্যা অথবা নাবালিক কোন

শিশুকে লোভ দেখিয়ে অন্যায় কাজ করানো, বিক্রী বা অদল-বদল করা ইত্যাদি, কন্যা/ভগী খণ্ডের সুচক হিসাবে পরিচিত।

জাতকাণ্ডাঙ্কে তন্ত্রারের থেকেও বেশী ক্ষতি সৃষ্টি করে। জাতকের শ্বশুরবাড়ী বা মামারবাড়ীর জন্য অশুভ। পুত্র জন্মের পরে পিতার ধন-দৌলত ও আয়ুর নাশ করে এবং মাতার মনে সন্তান মৃত্যুর ভয় থাকে। সম্বৎসরের আয় বর্ষায় শেষ হয়ে যায়। শুভ কার্যের সাথে সাথে অশুভ ফলও প্রাপ্ত হয়।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুণ্ডলী কন্যা/ভগী খন মুক্ত।

পিতৃ খণ্ড

গ্রহচলন :

জাতকের জন্মকুণ্ডলীর ২/৫/৯ অথবা ১২ স্থানে শুক্র, বুধ অথবা রাহু যেকোনো দুটি গ্রহ অথবা তিনটি গ্রহই অবস্থান করলে জাতকের উপর পিতৃঝণের ভার পড়ে।

লক্ষণ/কারণ :

ক্ষুল স্তু বা পুরোহিত বদলানো অথবা কুল রু বা পুরোহিতের সঙ্গে সম্বন্ধবিচ্ছেদ করা, স্বর্ণকরণাদ্যাশমন্ত্বস্থ কাটা বা লাগানো ইত্যাদি জাতক পিতৃঝণে খণ্ণী হয়।

প্রভাব :

যতদিন না জাতকের বয়স্ক সদস্যের চুল পাকা, চুলের রঙ হলুদ হয়ে যাওয়া। ক্ষয় কাসির কষ্ট শুরু হয়। নিজের মাথায় সারা দুনিয়ার নোংরা কাজের কলক লাগে। জাতকের আর্থিক অবস্থার অবনতি ঘটবে অর্থাৎ আর্থিক ক্ষতি, দৈহিক ক্ষতি এবং আধ্যাত্মিক ক্ষতি হবে।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুণ্ডলী পিতৃঝণ মুক্ত হবে।

স্ত্রী খণ্ড

গ্রহচলন :

জাতকের জন্মকুণ্ডলীর সপ্তম স্থানে সূর্য, রাহু বা চন্দ্র দুই বা তিনটি গ্রহ একত্রে অবস্থান করলে জাতকের উপর স্ত্রীঝণের ভার পড়ে।

লক্ষণ/কারণ :

পত্নীকে অভুজ রাখা, লোভবশতঃ কোন গর্ভবতী নারীর হত্যা অথবা তাকে নির্যাতন করা। জীব হত্যা করা, কোনো দাঁত যুক্ত জন্তু পালন করা। কারো জমি বা বাড়ী ঠকিয়ে নিয়ে তাকে দরিদ্র করা, বাড়ীর

দরজা দক্ষিণ দিকে থাকলে স্ত্রী ঋণ হয়।

প্রভাব :

কুষ্ঠ রোগ, চর্ম রোগ, যৌন রোগ ইত্যাদি হয়। স্ত্রী থাকাকালীন অন্য স্ত্রীর সাথে সম্পর্ক করলে সারা জীবন অশেষ দুঃখ ভোগ করতে হয়।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুণ্ডলী স্ত্রীর ঋণ মুক্ত হবে।

নিদয়ী ঋণ

গ্রহচলন :

জাতকের জন্মকুণ্ডলীর ১০ অথবা ১১ স্থানে সূর্য, চন্দ্র অথবা মঙ্গল এই দুটি বা তিনটি গ্রহ অবস্থান করলে জাতকের উপর নিদয়ীর ঋণ হয়।

লক্ষণ/কারণ :

মেশীনারী বা বাড়ি কেনার আগ্রিম দেওয়ার পরে না কেনা, পরীক্ষা হল থেকে বিনা দোষে দ্রষ্টিস্তুত্বাবলোদ্ধারণাত্মকদের সাথে অকারণ ঝগড়া ব মোক

প্রভাব :

সন্তান, শ্বশুরবাড়ীর অসময় মৃত্যু। গৃহ-ক্রয়ের পরেও বসবাস করা অসম্ভব হয়। বাড়ি কেনার পরে সীড়ির মেরামত বা নতুন সীড়ি তৈরী করতে হয়। বিষপান অথবা বিষধর সাপের কামড়ে অথবা আগেয়াস্ত্রে মৃত্যু হয়।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুণ্ডলী নিদয়ী ঋণ মুক্ত।

আজন্মকৃত ঋণ

গ্রহচলন :

জন্মকুণ্ডলীর দ্বাদশস্থানে সূর্য বা শুক্র অথবা উভয়ে একত্রে অবস্থান করলে জাতক আজন্মকৃত ঋণের বশবর্তী হয়।

লক্ষণ/কারণ :

বৈদ্যুতিক তার লিক হওয়া, তীব্র জলপ্রবাহে, লক্ষ্ম-কোটিপতি নিম্নে দারিদ্র কবলিত হয়ে বিনষ্ট হয়। সোনা হারানো, চুরি যাওয়া, মস্তকে আঘাত প্রাপ্তি, সারাজীবন অসাফল্যের সম্মুখীন হওয়া ইত্যাদি। হাঁপানি, শ্বাসকষ্ট, যক্ষা, মগী রোগে অকালমৃত্যু যোগ। বুরোশূনে কাজ করার পরেও অসহায়তা ও দারিদ্র্যভোগ করা। বসতবাড়ির নীচ দিয়ে নোংরা জলপ্রবাহ বা বাড়ির আগেপিছে নোংরা জমা হলে এই

আজন্মকৃত ঋণভার পড়ে।

প্রভাব :

জ্ঞানারা ক্ষয়াক্ষলায় অহেতুক জরিমানা, শাস্তি বা জেল হবার সম্ভাবনা।
আত্মীয়স্বজনদের অশান্তির মধ্যে ফেলবেন। মামলা সংক্রান্ত ব্যাপারে পরাজয় হবে। নির্দেশ হওয়া সত্ত্বেও
দণ্ডভোগ করবেন। সন্তান সুন্দর কিন্তু রোগগুরুত হবে।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুণ্ডলী আজন্মকৃত ঋণমুক্ত।

ঈশ্বরীয় ঋণ

গ্রহচলন :

জাতকের জন্মকুণ্ডলীতে ষষ্ঠ স্থানে চন্দ্ৰ অবস্থান করায় ঈশ্বরীয় ঋণ হয়েছে।

লক্ষণ/কারণ :

কুকুরে কামড়ানো, ছাদ থেকে শিশুর পড়ে যাওয়া বা গাঢ়ী চাপা পড়া, পরিবারে কোন পুত্র
সন্তান জন্মায় না বা জন্মাবার পরে মৃত্যু হয়ে যায়। ডায়াবেটিস রোগগুরুত, শিরদাঁড়ায় কষ্ট, মামাৰবাড়ীৰ
সুখশান্তি বিন
অট হওয়া, যাত্রায় বাধা, ক্ষতি বা দুর্ঘটনার সম্মুখীন হতে হয়।

প্রভাব :

যার উপর বিশ্বাস করবেন সেই বিশ্বাসঘাতকতা করবে। কুকুর মারা বা মারিয়ে দেওয়া, গরীব
বা ফকিরের অভিশাপ পাওয়া, নোংরা চিন্তা বা লোভের বশবর্তী হয়ে কারোর ক্ষতি করা, অন্যের সন্তানকে
অসৎপথে চালানো, নিজেও চারিত্বান হয়ে যাওয়া ইত্যাদি ঘটনা ঘটিত হয়।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুণ্ডলী ঈশ্বরীয় ঋণমুক্ত।

দশা বিশ্লেষণ

মহাদশা :- কেতু
(29/05/2001 - 11/07/2004)

কেতুর মহাদশা ২৯/০৫/২০০১ আরভ ৭ বছর পরে ১১/০৭/২০০৪ সমাপ্ত হবে।

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে কেতু চতুর্থ ভাবে অবস্থিত। কেতুর দশম ভাবে দৃষ্টিপাত হেতু আপনার খ্যাতিয়ে উন্নয়নে সহায় করে আপনার যাত্রায় ব্যয়, অবাঞ্ছিত পরিবর্তন ও নিকট সম্বন্ধীদের থেকে লাভ ও সহায়তা পেয়েছেন।

স্বাস্থ্য :

এই দশায় আপনার উত্তম স্বাস্থ্য লাভ হবে। আপনি আত্মবিশ্বাসী, আশাবাদী ও সক্রিয় হবেন। খ্তু পরিবর্তনের কারনে সংক্রমণ জনিত রোগ, পিণ্ড দোষ, ঝর, ফোড়া, মাথা ও হৃদ্যন্ত্রণা, মুক্ত্রাশয়ে কষ্ট ইত্যাদি কিছু সাধারণ স্বাস্থ্য সমস্যা দেখা দিতে পারে। এই দশায় কিছু সাবধানতা অবলম্বন করলে এই সমস্ত অসুস্থ্যতার থেকে রক্ষা পেতে পারেন।

অর্থ ও ব্যবসায় :

আপনার আর্থিক স্থিতি উত্তম হবে। আপনার মাতা পিতার থেকে লাভ হবে। আপনি সম্পত্তি ও ব্যবসায় থেকে লাভ পাবেন। আপনি লক্ষ প্রাপ্তিতে সফল হবেন। প্রভুত লাভ যোগ দেখা যায়। জীবিকা ক্ষেত্রে আইন, শিক্ষকতা, শিল্প কলা, বিমান কম্পুটার ভাষা, ইত্যাদি বিষয় আপনার জন্য অনুকূল হবে। সূতী ব্যক্তি, সংবাদ পত্র, রসায়ন, চামড়া, রাবার, প্লাস্টিক, ফল, পশুপালন ইত্যাদির ব্যবসা আপনার জন্য লাভজনক হবে। চাকুরীরত লোকেদের যশ, খ্যাতি, আয় বৃদ্ধি ও লাভ হবে। ব্যবসায়ীরা সহকর্মী ও সহযোগীদের সহায়তা লাভ করবেন। আপনার কর্মচারীদের সঙ্গে আপনার শুভ সম্বন্ধ স্থাপিত হবে। দশার অগ্রগতির সাথে সাথে আপনার ব্যবসায়িক উন্নতি লাভ হবে।

বাহন, ভ্রমণ ও সম্পত্তি :

শুক্রের অন্তর্দশায় আপনার জীবনে সুখ লাভ হবে। আপনি সম্পত্তি ও সমৃদ্ধি লাভ করবেন। আপনি সুন্দর বাহন ও বাস্ত্রালয় লাভ করবেন। সূর্যের অন্তর্দশায় কিছু নিকট যাত্রা ও সাধারণ লোকসান হতে পারে। বুধের অন্তর্দশায় আপনার নিকট ও সুদূর ভ্রমন হবে।

শিক্ষা :

এই দশায় আপনার উত্তম শিক্ষা লাভ হবে। আপনি উচ্চ শিক্ষা লাভ করতে বিদ্যালয় পরিবর্তন করতে পারেন। আপনি সমস্ত প্রতিযোগিতা ও পরীক্ষায় সফল হবেন। ওষুধ, বিজ্ঞান, চিকিৎসা, বানিজ্য, হোটেল ইত্যাদি বিষয়ে আপনার আগ্রহ বাড়বে। আপনি একাধুচিত্ত, দৃঢ়সংকল্প চিন্ত ও আত্মবিশ্বাসী হওয়ার ফলে উচ্চশিক্ষা লাভে সমর্থ হবেন।

পরিবার :

আপনার পরিবারের সকলের সঙ্গে মধুর সম্পর্ক থাকবে। আপনার সন্তানদের আপনার উপদেশ ও পথ প্রদর্শনের প্রয়োজন হবে। ধনী, সুখী হওয়ায় আপনি তাদের থেকে সুখ ও লাভ পাবেন।

আপনার জীবনসংগীর যশ, খ্যাতি ও সমৃদ্ধি প্রাপ্তি হবে। আপনার মাতার যশ, খ্যাতি, সুখ ও মনস্কামনা পূর্ণ হবে। আপনার পিতার কিছু পরিবর্তন ও স্বাস্থ্য সমস্যা হতে পারে। আপনার ছেট ভাই বোনেদের লাভ, উন্নতি এবং সম্পত্তি লাভ হতে পারে। বড় ভাই বোনেরা মামারবাড়ী থেকে লাভ, প্রতিযোগীতা ও বিরোধীদের উপর বিজয় প্রাপ্তি হবে।

অন্তর্দশা :

কেতুর মহাদশায় কেতুর অন্তর্দশা চলাকালীন আপনার সবরকম সুখ, উত্তম শিক্ষা, যশ, সাফল্য ও সম্পত্তি লাভ হবে। শুক্রের অন্তর্দশায় আপনার আরাম, সম্পত্তি, সুখ লাভ ও ভ্রমণ হবে। সূর্যের অন্তর্দশায় নিকট ভ্রমণ, উত্তম স্বাস্থ্য, পরিবার ও আত্মায়দের সহযোগীতা লাভ করবেন। চন্দ্রের অন্তর্দশায় পারিবারিক সুখ, ধন ও আনন্দ লাভ করবেন। মঙ্গলের অন্তর্দশায় স্বাস্থ্য খারাপ, বিরোধীতার সম্মুখীন হ্রস্বত্বেরপ্রয়োগেরভাবে লাভ করবেন। রাহুর অন্তর্দশায় কিছু সমস্যা হবে।

শ্পন্দন ও সমৃদ্ধি প্রাপ্তি দেখা যায়। শনির অন্তর্দশায় কিছু পরিবর্তন, পিতার থেকে লাভ, ভ্রমণ ও অধ্যাত্মে আগ্রহ বৃদ্ধি হবে। বৃশ্দের অন্তর্দশায় যশ, খ্যাতি, উত্তম স্বাস্থ্য, সমৃদ্ধি লাভ করবেন।

মহাদশা :- শুক্র (11/07/2004 - 11/07/2024)

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে শুক্রের মহাদশা আগামী ২০ বছরের জন্য ১১/০৭/২০০৪ শুরু হবে
এবং ১১/০৭/২০২৪ সমাপ্ত হবে।

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে শুক্র সপ্তম ভাবে অবস্থিত। শুক্র একটি শুভ গ্রহ, ব্য ও তুলার অধিপতি। শুক্রের মূলত্বিকোণ রাশি তুলা এবং মীন রাশি উচ্চস্থান ও কল্যারাশি নিম্ন স্থান। শুক্র গ্রহ প্রেম, আনন্দ, ফ্যাশন, শিল্পকলা, বিবাহ ইত্যাদির দ্যোতক। আপনার জন্মকুণ্ডলীতে সপ্তম ভাবে স্থিত হয়ে প্রথম ভাবে দৃষ্টিপাতের দ্বারা নিজের শুভ প্রভাব প্রদান করছে।

সপ্তম ভাব ভূমি, আয়, জীবনসাথী ও অংশীদার, মোকদ্দমা এবং বিদেশে প্রভাব বা বিদেশে অর্জিত প্রতিষ্ঠার দ্যোতক।

স্বাস্থ্য :

দশাধিপতি শুক্র সপ্তম ভাব প্রবল করছে এবং দৃষ্টিপাতের দ্বারা প্রথম ভাবকে প্রভাবিত করছে। প্রথমভাব বা লগ্ন শারীরিক গঠন ও দেহের দ্যোতক, অতএব এই দশায় আপনার কোনো শারীরিক সমস্যা বা দুর্ঘটনার ভয় নেই।

অর্থ সম্পত্তি :

শুক্র সপ্তম ভাবে স্থিত হয়ে সপ্তম ভাব প্রবল করছে যা জীবনসংগ্রী বা অংশীদারের স্থান। এই দশায় আপনি অংশীদারী ব্যবসা শুরু করতে পারে এবং সফলতা লাভ করবেন। বিদেশ যাওয়ার সুযোগ পাবেন এবং বিদেশে লাভ জনক সম্পদ স্থাপন সমর্থ হবেন। আপনার চল-অচল সম্পত্তি বৃদ্ধি পাবে।

ব্যবসায় :

আপনার অংশীদারী ব্যবসা সাফল্য প্রদান করবে। বিশয়ে করে যদি বিপরীত লিঙ্গের সদস্য হন আপনার অংশীদার। আপনি মহিলাদের বস্ত্র, পোশাক, প্রসাধন সামগ্রী ইত্যাদি ব্যবসায় শুরু করতে পারেন এবং প্রচুর অর্থের পার্জনে সমর্থ হবেন।

পারিবারিক জীবন :

শুক্র বিবাহের কারণ গ্রহ। সপ্তম ভাব বিবাহের দ্যোতক। অতএব শুক্র সপ্তম স্থানে স্থিত হওয়ায় আপনার বিবাহের ক্ষেত্রে জীৱিতে। কিন্তু সম্মিলিত প্রক্রিয়া প্রয়োজন।

আপনি একজন সমর্পণ মনস্কা এবং আজ্ঞাকারী জীবনসংগ্রী লাভ করবেন। কিন্তু আপনি পরম্পরাগত প্রতি আগ্রহ দেখাতে পারেন। যা আপনার বৈবাহিক জীবনে প্রবল অশান্তি সৃষ্টি করবে। আপনি ভাবুক প্রকৃতির হওয়ার কারণেও মহিলাদের প্রতি দুর্বলতা দেখাবেন। এই কারণে আপনার কিছু স্বাস্থ্য সমস্যা উৎপন্ন হতে পারে।

মহাদশা ৪- রবি (11/07/2024 - 12/07/2030)

সূর্যের মহাদশা ১১/০৭/২০২৪ আরঙ্গ হবে ও ৬ বছর পরে ১২/০৭/২০৩০ সমাপ্ত হবে। আপনার জন্মকুণ্ডলীতে সূর্য নবম ভাবে অবস্থিত আছে। সূর্য পিতা, প্রতিষ্ঠা, সম্পত্তি, সাহস, স্বাস্থ্য, আনন্দ ও সাহিক স্বভাবের দ্যোতক। নবম ভাব পিতা, দূর যাত্রা, তীর্থ যাত্রা ও উচ্চশিক্ষার প্রতিভূ। অতএব এই দশায় আপনার সম্মান, শিক্ষা তথা পিতার থেকে লাভ প্রাপ্তি যোগ আছে।

স্বাস্থ্য :

এই দশায় আপনার স্বাস্থ্য উত্তম থাকবে। আপনি শক্তিশালী এবং জীবন শক্তিতে ভরপূর থাকবেন। আপনার মধ্যে স্বাস্থ্য লাভের অন্তর্ভুক্ত ক্ষমতা প্রাপ্ত হবে ও যে কোনো রোগ থেকে তাড়াতাড়ি মুক্ত হবেন। অতিশয়তা পরিত্যাগ করবেন। আপনার শারীরিক ও মানসিক বিশ্বামের আবশ্যিকতা আছে। আপনার চোখ ও হাদ সংক্রান্ত রোগের সম্ভাবনা মুক্ত হওয়ার জন্য সন্ত্তুলিত সুপার্চ ও সাহিক আহার গৃহণ করা উচিত। হঠাৎ আঘাত পাওয়া থেকে সাবধান থাকুন।

অর্থ :

এই দশায় আপনি অত্যন্ত সৌভাগ্যশালী প্রতিপন্থ হবেন। আপনি সম্পত্তি ও সম্মন্দির শিখরে থাকবেন। আপনার পিতৃপক্ষ থেকে সম্পত্তি ও লাভ প্রাপ্ত হবে। আপনি ব্যবসায় ও চাকুরী থেকে অর্থের্পার্জন করবেন। আপনি উদার স্বভাবের হওয়ার জন্য অর্থব্যয় সম্ভব। তথাকথিত বন্ধুদের থেকে ক্ষতির যোগ আছে। কিন্তু এই মহাদশায় আপনার সম্পত্তি ও সম্মন্দির প্রাপ্ত হবে।

ব্যবসায় :

এই দশায় আপনি সৌভাগ্যশালী হবেন। আপনি আপনার সব কাজে সফলতা অর্জন করবেন। আপনি জন্মজাত নেতা হওয়ার ক্ষমতা সম্পন্ন, অতএব যে কোনো সংগঠন, সংস্থা, সরকারী বিভাগের প্রধান হিসাবে অত্যন্ত প্রভাবশালী ভাবে কার্য সম্পাদনে সমর্থ হবেন। আপনি শক্তিশালী ও প্রভাবশালী পদ প্রাপ্ত করবেন। সৈন্য এবং রাজনীতি ক্ষেত্রে আপনার প্রভাব থাকবে। প্রশাসনিক কার্য, যান্ত্রিক ও বৈজ্ঞানিক সংস্থায় যুক্ত হওয়া আপনার জন্য অনুকূল। আপনার ছোটো ভাই-বোন অংশীদারী ব্যবসা, বিদেশ যাত্রা ইত্যাদি থেকে লাভ পাবেন। বড় ভাই-বোন সমস্ত প্রকার লাভ, প্রতিষ্ঠা, সম্পত্তি ও মিত্রতা প্রাপ্ত করবেন। তাদের সঙ্গে আপনার সম্মত অতি উত্তম থাকবে।

শিক্ষা :

আপনার শৈক্ষিক যোগ্যতা অতি উত্তম হবে। আপনি খেলা-ধূলায় শ্রেষ্ঠত্ব অর্জন করতে পারেন। আপনার শারীরিক শক্তি অনুকূল থাকবে।

গুপ্ত বিদ্যা এবং চিকিৎসা ক্ষেত্রে আপনার বিশেষ রঞ্চি ও সাফল্য লাভ সম্ভব।

পরামর্শ :

অতিরিক্ত লাভের জন্য ভগবান শিবের পূজা করুন।

মহাদশা ৪- চন্দ্ৰ (12/07/2030 - 11/07/2040)

চন্দ্ৰ মহাদশা ১২/০৭/২০৩০ আৱস্থা হবে। ১০ বছৰ পৰে ১১/০৭/২০৪০ শেষ হবে।

চন্দ্ৰ দ্বাদশভাবে অবস্থিত থাকায় আপনার জীবন এই দশ বছৰে মিশ্রিত প্রতিক্ৰিয়ায় ভৱপূর হবে। যার মধ্যে আপনি জীবনে প্রচুর উপর-নীচের সম্মুখীন হবেন। কাৰণ দ্বাদশ ভাৰ লোকসান, বাধা-বিঘ্ন, ক্ষতি, অপব্যয়, কঠিন পৰিশ্ৰম, গুপ্ত শত্ৰু, অপমান ইত্যাদিৰ সূচক।

স্বাস্থ্য :

কিছু শারীৰিক অসুবিধা থাকলেও আপনার জীবন সাধাৰণ ভাৱে ঠিক থাকবে। আপনার চক্ষু রোগ হওয়াৰ সন্তানো আছে। মস্তিষ্ক সংক্রান্ত কোনো রোগে আক্রান্ত হয়ে আপনি জীবনে হতাশাগ্রস্ত এবং একাকীভূত বোধ কৰবেন।

অর্থ ও সম্পত্তি :

আৰ্থিক দৃষ্টিতে এই দশা অত্যন্ত সাধাৰণ হবে। চন্দ্ৰের এই দশায় আপনার সম্পত্তি ও ব্যাঙ্ক ব্যালেন্স বৃদ্ধি পাবে এবং আপনার আৰ্থিক শিথি সুদৃঢ় হবে। যেখানে-সেখানে অথনিবেশ কৰাৰ ব্যাপারে সাবধানতা অবলম্বন কৰা জরুৰী, নতুবা আপনাকে আৰ্থিক লোকসানেৰ সম্মুখীন হতে হবে।

জীবিকা :

আপনি আপনার জীবিকাৰ্জনে সন্তুষ্ট থাকবেন এবং ব্যবসার উন্নতিৰ কাৰণে স্থান পৰিবৰ্তন কৰতে পারেন। আৰ্থিক উন্নতি ও নতুন ব্যবসা আৱস্থা কৰাৰ প্ৰয়োজনে আপনি দূৰে কোথাও তা শুৰু কৰতে পারেন। আপনার সমস্ত লেন-দেন অতি সাবধানতাৰ সঙ্গে কৰবেন, নতুবা এই নতুন ব্যবসায়ে লোকসান হওয়াৰ সন্তানো থাকবে।

পারিবারিক জীবন :

আপনার জীবনসাথী আপনার সহায়ক হবে। আপনার পারিবারিক জীবন আনন্দে ভৱপূর থাকবে। পৰিবারে শান্তি ও সুখ-স্বাচ্ছন্দ্য পূৰ্ণ বাতাবৰণ থাকবে। পত্নী এবং পুত্ৰ আপনার সহায়তা ও আজ্ঞাপালনকাৰী হবে। এই দশায় কোনো অসুস্থতাৰ কাৰণে অত্যধিক অর্থ ব্যয়ের সন্তানোও আছে। আপনি কোনো ধৰ্মিক অনুষ্ঠানেৰ জন্য অর্থ ব্যয় কৰতে পারেন।

মহাদশা ৪- মঙ্গল (11/07/2040 - 12/07/2047)

মঙ্গলের মহাদশা ১১/০৭/২০৪০ হবে এবং ৭ বছর পরে ১২/০৭/২০৪৭ শেষ হবে। আপনার জন্মকুণ্ডলীতে মঙ্গল চতুর্থ ভাবে অবস্থিত হয়ে দশম, একাদশ এবং সপ্তম ভাবে দ্রষ্টিপাত করছে। সপ্তমেষ চন্দ্রের ফলস্বরূপ আপনি ভূমণ এবং অংশীদারী ব্যবসায় সুখ প্রাপ্ত করবেন। এই দশায় আপনি অধিক পরিশ্রম না করেই প্রভুত সুখ ও ধন লাভ করবেন। আপনি মাতার থেকে লাভ প্রাপ্ত করবেন এবং জীবনে প্রগতির পথে এগিয়ে চলবেন।

স্বাস্থ্য :

এই দশায় আপনার স্বাস্থ্য খুব ভালো থাকবে। আপনার জীবনী শক্তি, উৎসাহ এবং শক্তি প্রাপ্ত হবে। আপনার উত্তাপ সম্বন্ধীয় অসুস্থতা যেমন ঝর, মাথা-কলাধূঁড়েক্ষমক রোগ এবং হ সামান্য সম্ভাবনা আছে। এই সব সাধারণ অসুবিধা ছাড়া আপনার স্বাস্থ্য ভালোই থাকবে।

অর্থ তথ্য ব্যবসায় :

আপনার আর্থিক শিক্ষিতি অতীব উত্তম। আপনি অধিক প্রচেষ্টা ছাড়াই লাভ প্রাপ্ত হবেন। ভূ-স স্বাস্থ্য এবং মাতার থেকে লাভ পাওয়ার সম্ভাবনা আছে। আপনার ব্যবসায়িক ধন লাভযোগ দেখা যায়। আপনার জীবিকা হিসাবে যান্ত্রিকী, সৈন্য সেবা, শল্যচিকিৎসা, দণ্ডচিকিৎসক এবং কোনো বৃহত ওদ্যোগিক প্রতিষ্ঠানে চাকুরী করা শুভ। লোহ-ইস্পাত, খেলা-ধূলার সামগ্ৰী, ঔষধ, ধাতু, জমি-জায়গা ও মেশীনীরী কাজ আপনার জন্য লাভজনক হবে। চাকুরীর জন্য এই সময় অতিউত্তম। আপনার যশ, খ্যাতি, শক্তি, অধিকার সবকিছুই প্রাপ্ত হবে। আপনার চতুর্মুখী প্রগতি সম্ভব। ব্যবসায় যুক্ত লোকেদের অংশীদারী ব্যবসায় লাভ ও আয় বৃদ্ধি হবে।

বাহন, যাত্রা, সম্পত্তি :

মঙ্গলের দশায় আপনার বাহনসুখ প্রাপ্তি হবে। একটি উচ্চস্তরীয়, সুন্দর বাহন প্রাপ্তির যোগ আছে। আপনি গণিত, বাণিজ্য, যান্ত্রিকী, ভূগর্ভ এবং সৈন্য শিক্ষার প্রতি উৎসুক হতে পারেন। আপনি আপনার সমস্ত কাজে সফল হবেন এবং সর্বোচ্চ স্তরে নিজেকে প্রতিষ্ঠিত করবেন। আপনি আপনার নেতৃত্ব গুণের প্রদর্শনে সমর্থ হবেন।

শিক্ষা :

আপনার শিক্ষা উত্তম হবে। এই দশায় আপনি অতি সহজেই উচ্চশিক্ষা লাভে সমর্থ হতে পারেন। আপনি বিশেষ বিষয়ে অতীব শুভফল লাভ করবেন। যেমন আপনি গণিত, বাণিজ্য, যান্ত্রিকী, ভূগর্ভ এবং সৈন্য শিক্ষার প্রতি উৎসুক হতে পারেন। আপনি আপনার শিক্ষা ক্ষেত্রে সমস্ত বিষয়ে সাফল্য পাবেন এবং সর্বোচ্চ স্তরে নিজেকে প্রতিষ্ঠিত করবেন। আপনি আপনার নেতৃত্ব প্রতিভার প্রদর্শনে সমর্থ হবেন।

পরিবার :

পরিবারের সকুলের সঙ্গে আপনার সম্বন্ধ ভালো থাকবে। আপনার সন্তানরা খুবই ভালো ফল

করবে এবং আপনি তাদের দ্বারা সুখ ও লাভ প্রাপ্ত করবেন। সপ্তম ভাবে মঙ্গলের দৃষ্টি থাকার কারণে দা
শ্পত্য জীবনে কিছু অসুবিধার সৃষ্টি হতে পারে। আপনার জীবনসংগ্রী যশ, খ্যাতি, শক্তি এবং অধিকার প্রাপ্ত
করবেন। আপনার মাতার কিছু স্বাস্থ্য সমস্যা হতে পারে। যার দ্বারা তিনি লাভজনক পরিবর্তন প্রাপ্ত
করবেন। আপনার পিতা অংশীদারী ব্যবসায়, উদ্যম ও আর্থিক লাভ দ্বারা সফলতা পাবেন। আপনার ছোট
ভাই-বোনদের সবাদিক থেকে লাভ বহুল সম্মতি এবং প্রচুর ধন প্রাপ্তি হবে। আপনার বড়ো ভাই-বোনেরা
তাদের শত্রুদের উপর বিজয়, উত্তম স্বাস্থ্য, মামারবাড়ী দিক থেকে লাভ পাবেন। তাদের সাথে আপনার সম
বন্ধ খুবই ভালো। আপনার বন্ধুরা আপনাকে প্রচুর সহায়তা দান করবে। এই দশায় আপনি অধিক প্রয়াস
ছাড়াই সফলতা পাবেন।

অন্তর্দশ্বা :

মঙ্গলের দশায় মঙ্গলের অন্তর্দশ্বা থাকায় আপনি সফলতা, যশ, খ্যাতি এবং সবরকমের সুখ
লাভ প্রাপ্ত করবেন। রাহুর অন্তর্দশ্বায় কিছু সমস্যা হতে পারে। গুরুর অন্তর্দশ্বায় আপনার যাত্রা যোগ দেখা
যায়। লগ্নেশ শনির অন্তর্দশ্বার ফলস্বরূপ আপনি প্রভুত যশ, খ্যাতি, শক্তি ও অধিকার প্রাপ্ত করবেন।
বুধের অন্তর্দশ্বায় স্বাস্থ্য সম্বন্ধীয় কিছু অসুবিধা দেখা দিলেও সম্মতি প্রাপ্ত করবেন। কেতুর অন্তর্দশ্বা
জ্ঞাপক্ষীরঞ্জেন্টগ্রিন্ডুরমাণ্ডসিক্তক্ষেত্রের কারণ হবে। শুক্রের অন্তর্দশ্বার ফলস্বর
সুখ প্রাপ্ত করবেন। সূর্য অন্তর্দশ্বায় আপনার জীবনে পরিবর্তন হবে এবং আপনি ধার্মিক ও আধ্যাত্মিক গ্রন্থ
অধ্যয়নে মন দিতে পারেন। চন্দ্রের অন্তর্দশ্বায় অংশীদারী থেকে লাভ পাবেন।

মহাদশা ৪- রাহু (12/07/2047 - 11/07/2065)

রাহুর অন্তর্দশা ১২/০৭/২০৪৭ আরম্ভ ও ১১/০৭/২০৬৫ সমাপ্ত হবে। এই দশা ভোগকাল ১৮ বছরের।

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে রাহু-দশম ভাবে শিহত। রাহুর দৃষ্টি-চতুর্থ ভাবের উপর আছে। এর পূর্বে আপনার সাত বছরের মঙ্গল দশা চলছিল। মঙ্গলের কারণে আপনার অচল সম্পত্তি প্রাপ্তি, লাভ এবং উচ্চাকাঙ্ক্ষা পূর্তি হয়েছে। রাহুর এই দশায় আপনার প্রগতি, জীবিকায় উন্নতি, যশ ও খ্যাতি প্রাপ্তি এবং তীর্থযাত্রা হবে।

স্বাস্থ্য :

এই দশায় আপনার স্বাস্থ্য উন্নত থাকবে। আপনি শক্তিশালী এবং সক্রিয় হবেন। ঋতু পরিবর্তনের কারণে জ্বর, সংক্রামক রোগ, রক্ত সন্দার সমস্যা, বাতরোগ, চর্মরোগ ইত্যাদি হতে পারে। কিছু সাবধানতা অধিকাংশ রোগ থেকে রক্ষা করবে।

অর্থ ও জীবিকা :

এই দশায় আপনার আর্থিক শিহতি মজবূত হবে। ব্যবসায়ে উপার্জন ভালোই হবে। ফাটকায় ভালো লাভ পাবেন। পিতার থেকে কিছু লাভ হবে। আপনার ব্যাক্স ব্যালেন্স সংগ্রহে সহায় হবে। জীবিকা ও ব্যবসায়ের জন্য বৈমানিকী, কলা, অন্তরিক্ষ অনুসন্ধান, কম্প্যুটার, খাদ্যসামগ্ৰী সম্বন্ধিত কাজ ইত্যাদি শুভফলদায়ক হবে। কাপড়, রত্ন, ওষুধ, চামড়া, এন্টিবায়োটিক, প্লাস্টিক, রাবার এবং ভোজন সম্বন্ধিত ব্যবসা লাভদায়ক হবে। চাকুরিরতনের লাভ, পদোন্নতি, সহকর্ম ও অধিকারিদের সদ্ব্যবহার ও কর্মসূহানের শিহতি অনুকূল হবে। ব্যবসায়ীরা ভালো আয় ও লাভের বৃদ্ধি হবে। এই দশায় আপনার জীবন ও জীবিকায় উন্নতি হবে। আপনি যশ ও খ্যাতি প্রাপ্তি করবেন ও আপনি মানবিকতার কার্যে যুক্ত হবেন।

বাহন, ভ্রমণ, সম্পত্তি :

এই দশায় আপনি সুখ ও আরাম পাবেন। মঙ্গলের অন্তর্দশায় আপনি অচল সম্পত্তি, জমি-জৱাহাত্ত্বার্থাম্য সুস্থানাত্ত্ব সুন্দরকোষ্ঠা হবে।

শিক্ষা :

আপনার শিক্ষা উন্নত হবে। আপনি সব পরীক্ষা ও প্রতিযোগিতায় ভালো করবেন। বিজ্ঞান, কলা, কম্প্যুটার বিজ্ঞান, বাণিজ্য-ব্যাপার, ভোজন, প্রাদ্যোগিকী ইত্যাদি ক্ষেত্রে আপনার রুচি বৃদ্ধি হতে পারে। আপনার ইচছাশক্তি মজবূত ও আপনি স্বত্বাবে স্বতন্ত্র। মৌলিকতা ও মানসিকতার সকল বিষয়েই আপনি ভালো করবেন।

পরিবার :

পরিবারের সাথে আপনার সম্বন্ধ মধুর থাকবে। আপনার সন্তানরা ভালো করবে ও আপনি আনন্দিত হবেন। আপনার জীবনসাথীর অচল সম্পত্তি প্রাপ্তি, জীবিকোপার্জনে প্রগতি, সম্পত্তি ও সুখ প্রাপ্তি হবে। আপনার মাতা যাত্রা ও অংশীদারের থেকে লাভ পাবেন, কিন্তু স্বাস্থ্যের প্রতি সাবধান হতে হবে।

আপনার পিতার লাভ, সচয় ও সুখ প্রাপ্তি হবে। আপনার ছোটো ভাই-বোনেদের অক্ষমাং লাভ ও পরিবর্তন হবে। আপনার বড় ভাই-বোনেদের যাত্রা, ব্যয় ও মামুলী স্বাস্থ্য-সমস্যা হতে পারে।

অন্তর্দশাঃ

স্নাতকোন্নাতোন্নামার্জনেন্দ্রিয়স্ত্রিলয়ক্ষণ ও সুখ

প্রাপ্ত হবে। গুরুর অন্তর্দশার কারণে যাত্রা, ব্যয় ও ধার্মিক কার্যের প্রতি আগ্রহ বাড়বে। শনির অন্তর্দশায় আপনার যশ, খ্যাতি, কার্যে সফলতা এবং সম্পত্তি প্রাপ্তি হবে। বুধের অন্তর্দশায় সম্পত্তি, সমৃদ্ধি প্রাপ্তি, প্রতিদ্বন্দ্বীদের উপর বিজয় ও ভ্রমণ হবে। কেতুর অন্তর্দশায় কিছু সমস্যা উৎপন্ন হতে পারে। শুক্রের অন্তর্দশায় আপনার যশ, খ্যাতি, সফলতা, সুখ তথা জীবনে প্রগতি হবে। সূর্যের কারণে কিছু পরিবর্তন হতে পারে। চন্দ্রের অন্তর্দশায় অংশীদারদের থেকে লাভ হবে ও বিবাহ এবং যাত্রা হবে। মঙ্গলের অন্তর্দশায় সম্পত্তি, সর্ব প্রকার লাভ ও সম্পত্তি বৃদ্ধি হবে।



মহাদশা ৪- বৃহস্পতি (11/07/2065 - 11/07/2081)

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে গুরুর মহাদশা ১১/০৭/২০৬৫ আরম্ভ হবে এবং ১৬ বছর পরে ১১/০৭/২০৮১ সমাপ্ত হবে।

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে গুরু নবম ভাবে অবস্থিত। নবম ভাব বিশ্বাস, ভাগ্য, অন্তর্জ্ঞান, ত্যাগ ও দান, পিতা, গুরু, সুদূরযাত্রা, উচ্চশিক্ষা এবং বিদেশযাত্রার দ্যোতক। গুরু স্বভাবতঃ এক শুভ গ্রহ এবং জন্ম কুণ্ডলীতে নবম ভাবে স্থিত হোয়ে প্রথম, তৃতীয় এবং পঞ্চম ভাবকে দেখছে। এই সমস্ত ভাবের উপর তার চিন্তজরছরাস্তগ্রাহকার প্রদান করে এই সমস্ত ভাবকে শক্তিশালী করছে। অতএব আগামী দশাভোগ চলাকালীন আপনার জীবনে সর্ব প্রকার সুখ, শান্তি ও সমৃদ্ধি প্রাপ্ত হবে।

স্বাস্থ্য :

স্বাস্থ্য এবং কার্য প্রক্রিয়া সম্পর্কে আপনার জীবন ব্যতীত করবেন। দৈনিক কার্য ও শুভ-অনুষ্ঠান, উৎসবের ভরপূর আনন্দ লাভ করবেন। এই দশায় আপনার সাথে কোনো বড় ঘটনা বা দুর্ঘটনা হবে না।

জীবিকা :

আপনার চাকুরীতে পদোন্নতির সুঅবসর প্রাপ্ত হবে। আপনার আর্থিক এবং কর্মসূচনের স্তর উন্নত ও বৃদ্ধি প্রাপ্ত হবে। ব্যবসায়ের ব্যাপারে আপনার মাথায় কিছু নতুন চিন্তা-ভঙ্গিমা আসবে যে কার্যান্বিত করতে আপনি সক্ষম হবেন। আপনি বিদেশ-ভ্রমনের সুযোগ পাবেন এবং আপনি সেখানে প্রচুর ধনোপার্জন করতে সক্ষম হবেন।

পারিবারিক জীবন :

গুরু পঞ্চম ভাবকে দেখছে এবং নবম ভাবে স্থিত। এ কারনে আপনার পারিবারিক জীবন উৎসাহপূর্ণ ও আনন্দময় হবে। আপনার জীবনসগীং আপনাকে পূর্ণ সহযোগীতা করবে ও সন্তানরা আজ্ঞাকারী হবে, যে কারনে আপনি জীবনে শান্তি ও আনন্দ লাভ করবেন।

শিক্ষা/প্রশিক্ষণ :

ধার্মিক স্বভাব হওয়ার কারণে আপনি সাহিত্য ও আনুসংগিক বিষয়ে অধ্যয়নে রত থাকবেন। এই দশায় আপনার আগ্রহ পুরান পাঠ এবং ধার্মিক পুস্তক অধ্যয়নের প্রতি বৃদ্ধি প্রাপ্ত হবে। আপনি নিজের বেশীর ভাগ সময় এই সমস্ত বিষয় অধ্যয়নে নিযুক্ত থাকবেন।

মহাদশা ৪- শনি
(11/07/2081 - 12/07/2100)

শনির মহাদশা ১৯ বর্ষ অবধি হয়। আপনার কুণ্ডলীতে এই দশা ১১/০৭/২০৮১ আরম্ভ ও ১২/০৭/২১০০ সমাপ্ত হবে।

শনি আপনার কুণ্ডলীতে পন্থমভাবে অবস্থিত। শনি এক অশুভ গৃহ এবং ফল প্রাপ্তিতে বিলম্ব ও বাধা প্রদান করে। ফল প্রাপ্তির জন্য এই গৃহ জাতককে কঠিন পরিশ্রম করায় প্রেরিত করে জাতকের ধৈর্য পরীক্ষা নেওয়ার পরে জাতককে লক্ষ্য প্রাপ্তি করায়। অতএব শনি এক ‘কার্মিক’ গৃহ। আপনার জন্মকুণ্ডলীতে নবমভাবে স্থিত এই গৃহের দৃষ্টি ১১, ৩ ও ৬ষ্ঠ ভাবের উপর থেকে এই ভাবের কার্যকে প্রভাবিত করছে। নবমভাব, বিশ্বাস, ভাগ্য, ধ্যান-সাধনা, আত্মত্যাগ, দানশীলতা, অধ্যাপনা, ধর্ম, সুদুর যাত্রা, উচ্চ শিক্ষা এবং বিদেশ যাত্রার দ্যোতক।

স্বাস্থ্য :

নবমভাবে স্থিত মহাদশা স্বামী শনির দৃষ্টি তৃতীয় ও ষষ্ঠিভাবের উপর থাকায় আপনার স্বাস্থ্য উন্নত ও জীবন আনন্দময় হবে। এই দশায় আপনার কোনো বড় অসুখ বা স্বাস্থ্য সমস্যা হবে না।

ধন-সম্পত্তি :

শনি নবমভাবে স্থিত হয়ে ভাবকে শক্তি প্রদান করায় আপনি ধার্মিক এবং দান-পুণ্যের কার্যে আগ্রহী হবেন। আপনার বিদেশ যাত্রা হবে এবং আপনি ধন অর্জন করবেন। চল-অচল সম্পত্তি বৃদ্ধির জন্য এই দশা অত্যন্ত অনুকূল।

জীবিকা :

শনি নবম ভাবে স্থিত হওয়ার কারণে আপনি নিজের পারিবারিক ব্যবসায় অথবা উপদেশক, শিক্ষক বা চিকিৎসকের জীবিকা যাপন করবেন। আপনার জীবনে আপনার পিতার পূর্ণ প্রভাব থাকবে। আপনি একজন দান-পুণ্য কার্য পালক ও কর্তব্যনিষ্ঠ পুত্র হবেন।

পারিবারিক জীবন :

আপনার জীবনসংগী আপনাকে সহযোগিতা করবে। আপনার সন্তানরা আপনার সম্মান ও আজ্ঞাপালন করবে। এই কারণে আপনার পারিবারিক জীবন অত্যন্ত সুখ ও শান্তিপূর্ণ হবে। আপনার সমকক্ষ সংগী-সাথীরা আপনার পারিবারিক জীবনে অত্যন্ত মহসুস ভূমিকা পালন করবেন।

শিক্ষা/প্রশিক্ষণ :

আপনি বিদ্যার্জনে অত্যন্ত আগ্রহান্বিত হবেন এবং শিক্ষা পূর্ণ করায় সফলতা লাভ করবেন। আপনার উচ্চশিক্ষা লাভ ও বিশেষ জ্ঞানার্জনের ইচছা আপনাকে শিক্ষাক্ষেত্রে সফল হতে সাহায্য করবে।

মহাদশা :- বুধ (12/07/2100 - 12/07/2117)

বুধের মহাদশা ১২/০৭/২১০০ আরম্ভ হবে ও ১৭ বছর পরে ১২/০৭/২১১৭ সমাপ্ত হবে। আপনার জন্মকুণ্ডলীতে বুধ দশম ভাবে অবস্থিত। বুধের দৃষ্টি চতুর্থ ভাবের উপর আছে। এর পূর্বে আপনার ১৯ বর্ষ শনির দশা চলছিল। শনিরে কারণে সন্তানসুখ ও শত্রু বিজয় ও কার্য স্থানের স্থিতি অনুকূল ছিল। বুধের দশায় আপনার যশ, খ্যাতি, জীবনে প্রগতি, সম্মান ও উন্নত শিক্ষা লাভ হবে।

স্বাস্থ্য :

বুধের এই দশায় আপনার সুস্বাস্থের লাভে সম্ভাবনা প্রবল। আপনি অত্যন্ত উৎসাহী, কর্মঠ এবং শক্তিশালী হবেন। ঋতু পরিবর্তনের কারণে কিছু সাধারণ অসুস্থতা ভোগ করতে পারেন। যেমন ঝর, বিজানু জনিত সংক্রামক রোগ, চর্ম রোগ এবং স্নায়বিক দুর্বলতা ইত্যাদি। আপনাকে অধিক মানসিক ও শারীরিক পরিশ্রম করতে হবে।

অর্থ ও জীবিকা :

এই দশায় আপনার আর্থিক স্থিতি অত্যন্ত সুড়ত হবে। আপনি আপনার কর্মক্ষেত্রে এবং ব্যবসায়ে অর্থলাভ করবেন। আপনার জমি-জায়গা থেকেও অর্থলাভ হবে। আপনি মাতা-পিতার থেকেও লাভ পাবেন। ফাটকা ব্যবসায়, অর্থ-নিবেশ লাভদায়ক হবে। জীবিকার জন্য সাংবাদিকতা, শিক্ষকতা, অন্তরিক্ষ অনুসন্ধান এবং অন্যান্য বৌদ্ধিক কার্য গৃহণ করতে পারেন। সূতী বস্ত্র, রত্ন ব্যবসা, পুস্তক ও প্রকাশনা ইত্যাদি জীবিকা হিসাবে আপনার জন্য অতি উন্নত। চাকুরীর ব্যক্তিরা সম্মান ও আয় বৃদ্ধি নিজের সহকর্মী ও উচ্চাধিকারীদের সহযোগিতা ও অনুগ্রহ প্রাপ্ত করবেন। ব্যবসায়ে যুক্ত ব্যক্তিরা নিজের ব্যবসা বিস্তার কার্য ক্ষেত্রে উন্নতি আর্থিক এবং ব্যবসায়িক সমৃদ্ধি লাভ করবেন।

বাহন, যাত্রা, জমি-জায়গা :

গুরুর অন্তর্দশায় আপনি জীবনের সমস্ত সুখ লাভ করবেন। জমি-জায়গা সংক্রান্ত লেন-দেন লাভপ্রদ হবে। চল-আচল সম্পত্তি থেকেও লাভযোগ দেখা যায়। আপনি বাহন সুখ প্রাপ্ত করবেন। মঙ্গলের অন্তর্দশায় কিছু নিকট ভ্রমণ এবং সূর্যে অন্তর্দশায় সুদূর ভ্রমণ যোগ ছাড়া কার্যের প্রয়োজনেও যাত্রা সম্ভব।

শিক্ষা :

এই দশায় আপনার শিক্ষা অতি উন্নত হবে। আপনার শৈক্ষিক যোগ্যতা জীবিকার্জনের সম্ভাবনা বৃদ্ধি করবে। বিজ্ঞান, বাণিজ্য, সাহিত্য, ব্যবসায় ইত্যাদি বিষয়ে আপনার আগ্রহ হতে পারে। আপনি প্রতিভাশালী হওয়ায় বিভিন্ন বৌদ্ধিক, শৈক্ষিক এবং বিশেল্ঘণাত্মক কার্যে অত্যন্ত শুভ ফল লাভ করতে পারবেন। বিভিন্ন বিষয়ে আপনি নিজের শ্রেষ্ঠত্ব প্রমাণে সক্ষম হতে পারেন।

পরিবার :

আপনার সন্তানদের সঙ্গে সম্বন্ধ খুবই মধুর হবে। আপনি সন্তানদের জন্য সুরী ও গর্বিত বোধ করবেন। আপনার জীবনসাথী অচল সম্পত্তি বৃদ্ধি পাবে। তিনি অনেক মিত্র লাভ করবেন এবং সুখ-সমৃদ্ধি প্রাপ্ত করবেন। আপনার সঙ্গে তার সম্বন্ধ ভালো থাকবে। আপনার মাতা বিদেশ যাত্রা অংশীদারী থেকে লাভ

এবং অধ্যাত্মিক কার্যে আগ্রহ প্রকাশ করবেন। আপনার পিতা অর্থ সংগৃহ ও সুখ প্রাপ্ত করবেন। আপনার ছোট ভাই বোনেরা তাদের কর্মক্ষেত্রে শুভ পরিবর্তনের দ্বারা হঠাতে লাভ পাবেন। বড় ভাই-বোনেরা কোনো শুভ উদ্দেশ্যে অর্থ ব্যয় করবেন। এদের সকুলের সঙ্গেই আপনার সম্পর্ক খুবই ভালো থাকবে। বুধের এই দশায় আপনি যশ, সম্মান, সমৃদ্ধি ও সফলতা লাভ করবেন।

অন্তর্দশা :

বুধের মহাদশায় বুধের অন্তর্দশার ফলস্বরূপ আপনি জীবিকা ক্ষেত্রে সাফল্য যশ ও খ্যাতি লাভ করবেন। কেতুর অন্তর্দশা কিছু অসুবিধা সৃদ্ধি করতে পারে। শুক্রের অন্তর্দশায় আপনি ধন-সম্পত্তি ও সমৃদ্ধি প্রাপ্ত হবে। সূর্যের অন্তর্দশায় ব্যয় ও ভ্রমণ যোগ দেখা যায়। চন্দ্রের অন্তর্দশায় আপনি সর্বপ্রকার লাভ পাবেন। মঙ্গল অন্তর্দশায় আপনাকে কিছু বাধার সম্মুখীন করাবে এবং আপনি নিকট ভ্রমণ যেতে পারেন।

স্তুতি অন্তর্দশা অসমব্রজনীক্ষিণীস্তুতুখাধার সৃষ্টি করতে পারে।

শান্তি এবং অংশীদারের থেকে লাভ পাবেন। শনির অন্তর্দশায় আপনি সন্তানসুখ প্রাপ্ত করবেন।

ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2022-2023

ବର୍ତ୍ତମାନ ସର୍ବସ - 22

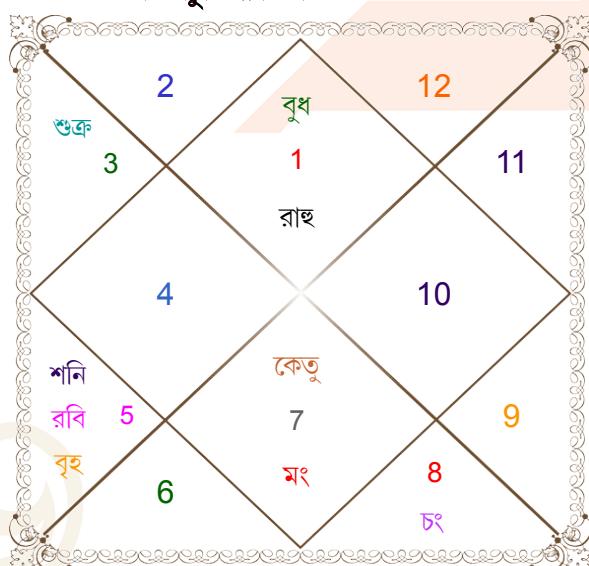
ବର୍ତ୍ତମାନ ଦଶା - ରାବି

ପ୍ରତିଶୀଳ	ଅଞ୍ଚ	ଶୋଯା	ଧର୍ମୀ	ନେକ/ମନ୍ଦା
ରାବି	--	ହାଁ	--	ନେକ
ଚଂ	--	ହାଁ	--	ମନ୍ଦା
ମଂ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ବୁଧ	--	--	--	ନେକ
ବୃଦ୍ଧ	--	--	--	ନେକ
ଶୁକ୍ର	--	ହାଁ	--	ମନ୍ଦା
ଶନି	--	ହାଁ	ହାଁ	ମନ୍ଦା
ରାହୁ	--	--	--	ନେକ
କେତୁ	--	--	--	ମନ୍ଦା

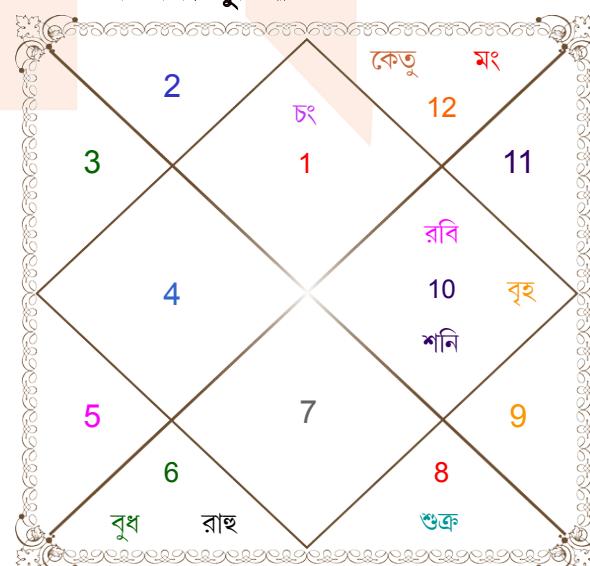
ଭାବ ଅବଶ୍ୟକ

ଖାଲା	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
ଶୋଯା	--	--	--	ହାଁ	--	ହାଁ	--	--	--	ହାଁ	--	--

ବର୍ଷ କୁଣ୍ଡଲୀ 2023



ବର୍ଷ ଚତୁର୍ଦ୍ର-କୁଣ୍ଡଲୀ 10



ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2022-2023

ରାବି

ଜନନୀୟବେବ୍ରକୁତ୍ତମ୍ଭୁତ୍ତମୀତେ ଏହି କାରଣେ ବର୍ତ୍ତମାନ ବହରେ ଆପନାର ପରିବାରେ ଭାଗ୍ୟୋନ୍ତି ହବେ, ଯଦି ରାଜା ଆପନାର ଭାଲୋ ନା କରେ, ତାହଲେ ଫକିର ଆପନାର ଭାଲୋ କରବେ, ସରକାରୀ ଅଧିକାରୀଦେର ସଙ୍ଗେ ମଧୁର ସମ୍ବନ୍ଧ ତୈରୀ ହବେ, ପରିବାରେ ଉନ୍ନତି ହବେ। ଗୁପ୍ତବିଦ୍ୟା ବା ଜ୍ୟୋତିଷଚର୍ଚ୍ୟ ର ଏହି ଥାକବେ, ହଠାତ୍ ଧନପ୍ରାପ୍ତି ଯୋଗ ଆଛେ ବା ସରକାରୀ ବିଭାଗ ଥେକେ ଲାଭ ପାବେନ।

ମୂର୍ମିଶ୍ଵାଶୁଭ୍ରତ୍ୱ ବୃକ୍ଷିତ୍ୱ କିରଣ ।

ବର୍ଜିତ କାର୍ଯ୍ୟ :

- ଈର୍ଯ୍ୟର ମନୋବୃତ୍ତି ରାଖବେନ ନା ।
- ମିଥ୍ୟା ବଲବେନ ନା, ଏହିଟେ ଖାଓଯାବେନ ନା ।

ଚନ୍ଦ୍ର

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁନ୍ତଲୀତେ ଚନ୍ଦ୍ର ୮ମେ ଅବସ୍ଥିତ, ଏହି କାରଣେ ଏହି ବହରେ ଆପନି ମାତା-ପିତାର ସୁଖ କମ ପାବେନ। ଜହାରୀ-ଜୁଯାର ବ୍ୟାପାରେ କ୍ଷତି ହବେ। ମାମାରବାଡ଼ୀର ଥେକେ କଟ୍ଟ ବା ତାଦେର ସାଥେ ବାଗଡ଼ା ହବେ। ମନେର ଶରୀରକ୍ଷଣ ହତ୍ୟା, ବିଦ୍ୟା ବା ମାତାର ସୁଖ ହାନି ଯୋଗ, ଆପନାକେ ସର ଥେକେ ଦୂରେ ଥାକତେ ହତେ ପାରେ। ସର୍ଦି-କାନ୍ଦିସିରେ କ୍ଷେତ୍ରଜ୍ଞାନାକ୍ଷରୀରିବାକରନ୍ତିରୁ ହାଁପାନି ଓ ଫୁସଫୁମେର ରୋଗେର ଆଶଙ୍କା ଆଛେ ।

ଚନ୍ଦ୍ରେର ଅଶୁଭ ଫଳ କମ କରତେ ନିମ୍ନଲିଖିତ ଉପାୟ କରନ୍ତି ।

ଉପାୟ :

- ମିଟଟାନ ଡୋଜନ ବା କେସର-ଗ୍ରାଙ୍ଟ୍, ଛୋଲା ବା -ଗମ ଧର୍ମ ସ୍ଥାନେ ଦିନ ।
- ଅମାବସ୍ୟାର ଦିନ ଦୂଧ-ଚାଲ ଧର୍ମସ୍ଥାନେ ଦାନ କରନ୍ତି ।
- ସ୍ଵର୍ଗବାସୀ ପିତୃପୁରୁଷଦେର ନାମେ ଶାନ୍ତି କରନ୍ତି ।

ମଙ୍ଗଳ

ଆଶ୍ଵେନାଧକର୍ମ କ୍ରୁତକ୍ଷେତ୍ରର ଅନ୍ତର୍ମାର ଖାରାପ ଚାଲ ଚଲନ ଓ ସମସ୍ତ ଆପନାର ଜୀବନକେ ନଷ୍ଟ କରେ ଦିତେ ପାରେ। ବୋନ-ମେଯେ, ପିସି, ଶାଲୀ ସମ୍ପର୍କିତ ମହିଳାଦେର ଆପନାର ପରିବାରେ ଯାତାଯାତ, ଆପନାର ଓ ତାଦେର ପରିବାରେ ଜନ୍ୟ ଅଶୁଭ, ଯା ତାଦେର ଓ ଆପନାର, ଗୃହରେ ସୁଖେର ହାନି କରବେ। ବାଗଡ଼ା/ଅଶାନ୍ତି ଥେକେ ଦୂରେ ଥାକୁନ, ନତୁବା ଆପନାର ସମସ୍ୟା ବାଢ଼ିତେ ପାରେ ।

ମଦ୍ଦାନ୍ତିକ ଉତ୍ସୁକ୍ୟକରନ୍ତମ କରତେ ନି

ଉପାୟ :

- ବୋନ/ମେଯେ/ପିସି/ଶାଲୀ ଘରେ ଥାକଲେ ବା ବିବାହେର ପରେ ଘରେ ଏଲେ, ତାଦେର ପ୍ରତିଦିନ ସକାଳେ ଚିନି ବା ମିସରି ଖାଓଯାନ । ସଥଳ ବିବାହିତା ଆଜ୍ଞାଯାରା ଆପନାର ବାଡ଼ୀ ଥେକେ ଶବ୍ଦରବାଡ଼ୀ ଫେର୍‌ବାୟ ତଥା ଅବଶ୍ୟକ ତାଦେର ସାଥେ ମିଣ୍ଟି ପାଠାନ ।

২. ভাইপো-ভাইবির সেবা করুন।

বৃথ

আমেনশুভ বর্ষ একুন্দকীয়তা শুল্ক বছর আপনার বিদেশ যাত্রায় বা বিদেশ-সম্বন্ধিত কাজে লাভ হবে। আপনার বলা কথায় জোর থাকবে। আপনি অন্যের পরোয়া করবেন না। মধুর ভাষা ব্যবহার করুন, কল্পনাশীল বিচার রাখুন। আপনার উপর অন্য লোকের প্রভাব থাকবে। আপনি পারিবারিক ঘণ্টায় মধ্যম্থতা করবেন।

মুঁজেরি শুভ বৃক্ষের জ্ঞান করুন।

বর্জিত কার্যঃ

- ডিম-প্যাস্টী ইত্যাদি ডিমের তৈরী খাবার খাবেন না।
- মদ্যপান এবং আমিষ ভোজন বর্জন করুন।

বৃহস্পতি

আরম্ভন কর্তৃকুন্দলীকৃত্ব শুভ, অতএব এ বছর আপনার উন্নতি ও মান-সম্মান বৃদ্ধি পাবে। এ বছর যদি আপনাদের পরিবারে পুত্র সন্তান জন্ম নেয়, তাহলে পরিবারের অগাধ উন্নতি শুরু হয়ে যাবে। পিতা-ঠাকুরের দাঙ্গাপ্রাপ্ত্যটুক্কিশুরুদ হবে। বর্ষ শুরু হয়ে যাবে। বৎস বৃদ্ধি/সন্তান সুখ প্রাপ্তি সুনিশ্চিত হবে। লেখনীর দ্বারা আপনি লাভ পাবেন।

গুরুগুহের শুভত্ব বাঢ়াতে নিম্নলিখিত কার্য ত্যাগ করুন।

পরহেজঃ

- নাবিকের কাজের সঙ্গে সম্বন্ধ রাখবেন না।
- নাস্তিকতা ত্যাগ করুন।

শুক্র

আঙ্গোনজ্ঞবিদ্বৰ্তকুন্তভীষণে শুল্ক বছর রঞ্জ আপনার জন্য ক্ষতিকারক হবে। আপনার পত্নীর ক্ষেত্রে বৃদ্ধি হতে পারে। খারাপ চাল-চলনে অর্থ-হানি ও মান-সম্মান নষ্ট হওয়ার সম্ভাবনা আছে। সন্তানের চিন্তা বা সন্তানের শারীরিক কষ্ট ভোগ হতে পারে। আপনাকে অন্যের ঘরে বসবাস করতে হতে পারে।

মুঁজেরি তাঙ্গুন্দয় করুন করতে নি

উপায়ঃ

- পত্নী বা মহিলাদের সেবা করুন।
- মঙ্গলকারী বস্ত্র উপযোগ করুন।

শনি

আমেনশুভ বিহু কুন্তভীষণে কারিণে আপনি আপনার আঢ়ায়

-বন্ধুদের

সাথে লড়াই-ঝগড়া বা ধোকা করতে পারেন। মদ্যপান করা বা আমিষ ভোজন করা আপনার পরাজয় ও ক্ষতির কারণ হবে। পরিবারে সমস্যা বৃদ্ধি হতে পারে। নিজের স্বাস্থ্য সম্বন্ধে সচেতন থাকুন বিশেষ করে পেট/গলস্টেন ইত্যাদি। নিজের নামে বাড়ী তৈরি করলে পুত্র সুখে বাধা আসতে পারে।

মনিখিঅশুভাঙ্গকরণতে নি

উপায় :

১. বিশুদ্ধ সোনা বা কেসের নিজের কাছে রাখুন।
২. সাপের সম্বন্ধে সাবধান থাকুন।

রাত্তি

আশ্চেনভাৰোক্তুজ্ঞানীজ্ঞে রাত্তিৱাণে এই বছৰ আপনার সৱকাৰ বা সৱকাৰী বিভাগ থেকে লাভ হবে, মামাৱাড়ীৰ লোকেদেৱ সময় অত্যন্ত শুভ, আপনি কোনো নতুন ব্যবসায় শুৱ কৰতে পারেন। এ বছৰ ঘুষ নেওয়াৰ ইচছা বা বেইমানিৰ ভাবনা আপনার মাথায় আসতে পারে। আপনার সব সময়ে কথা বলে যাওয়াৰ অভ্যাস বা রোগ হতে পারে, এই ব্যাপারে সাবধান থাকুন।

মনিখিঅশুভকৰ্ম বাঞ্ছাকেৰিনি।

বজ্জিত কাৰ্য :

১. ঘৰেৱ উঠানে ধোঁয়া কৰবেন না।
২. ভুঁড়ি না বাঢ়ে তাৰ বিশেষ খেয়াল রাখুন।

কেতু

আশ্চেনমূলকসৰ্ব ক্ষুক্লোচ্ছিথকেকুথা বলা বা অনৈতিক সম্বন্ধ আপনার রোগ ও ক্ষতিৰ কাৱণ হবে। আপনার সন্তান আপনাকে সমাজে অপমানিত কৰাতে পারে। মিথ্যা প্ৰৰোধ আপনার অবনতিৰ কাৱণ হবে। আপনার মিথ্যাভিমান না কৱা উচিত। মিথ্যা আশ্বাসন ও মিথ্যা বলা আপনার উন্নতিতে বাধা হবে।

মনিখুৱিঅশুভাঙ্গ কৰকৰণতে নি

উপায় :

১. ৪টি কলা ৪ দিন জলে প্ৰবাহিত কৱল।
২. ৪টি লেবু (হলুদ) ৪ দিন জল প্ৰবাহ কৱল।

বৰ্ষ কো শুভ বনানে হেতু বৰ্ষারস্ত মেং উপায়বিধি

* বিশুদ্ধ সোনা পৱন বা কেসেৱেৱ তিলক কৱল।

(উপৰোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনেৱ ভিতৰ কৱল/শুৱ কৱল।)

ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2023-2024

ବର୍ତ୍ତମାନ ସହୃଦୟ - 23

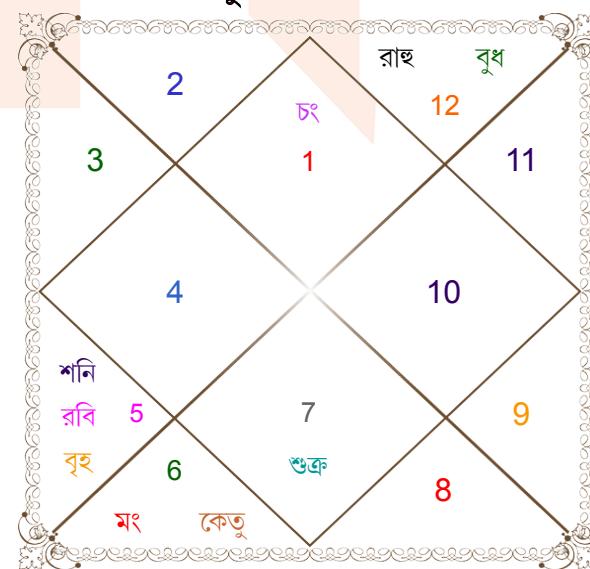
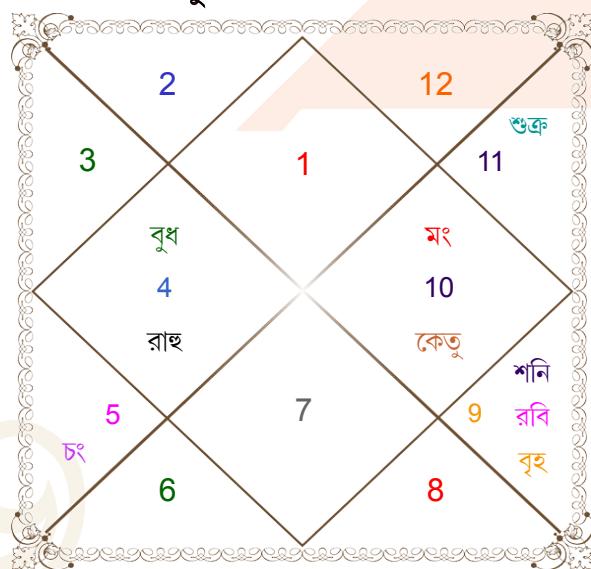
ବର୍ତ୍ତମାନ ଦଶା - ରାବି

ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି	ଅଞ୍ଚଳ	ଶୋଯା	ଧର୍ମୀ	ନେକ/ମନ୍ଦା
ରାବି	--	--	--	ନେକ
ଚଂ	--	--	--	ନେକ
ମଂ	ହାଁ	--	--	ମନ୍ଦା
ବୁଧ	--	--	--	ନେକ
ବୃଦ୍ଧ	--	--	--	ନେକ
ଶୁକ୍ର	--	--	--	ମନ୍ଦା
ଶନି	--	--	ହାଁ	ମନ୍ଦା
ରାହୁ	--	--	ହାଁ	ନେକ
କେତୁ	ହାଁ	--	--	ମନ୍ଦା

ଭାବ ଅବଶ୍ୱାନ

ଖାଲା	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
ଶୋଯା	ହାଁ	ହାଁ	ହାଁ	--	--	ହାଁ	ହାଁ	ହାଁ	--	--	--	ହାଁ

ବର୍ଷ କୁଣ୍ଡଲୀ 2024



ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2023-2024

ରାବି

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁଣ୍ଡଲୀତେ ସୂର୍ଯ୍ୟ ୯ମ ଶ୍ଥାନେ ଶୁଭ, ଏହି ବହୁର ଆପନାର ଉତ୍ତମ ବାହନ ସୁଖ ପ୍ରାପ୍ତ ହବେ, ତୀର୍ଥ୍ୟାତ୍ମାର ଲାଭ ଓ ଶୁଭ ଫଳ ପାବେନ। ସମାଜ ଓ ପରିବାରେର ଜନ୍ୟ ଆପନାର ମନେ ତ୍ୟାଗ ଓ ପରୋପକାରେର ଭାବନା ଥାକବେ। ପରିବାରେର ପାଲନ ପୋଷଣେର ଅତିରିକ୍ତ ଭାର ଆପନାର ଉପର ପଡ଼ିବେ। ସ୍ଵପରାକ୍ରମ ଓ ସୌଭାଗ୍ୟ ବର୍ଧିତ ହବେ।

ମୂଳ୍ୟାତ୍ମକ ଭାବରେ କିମ୍ବାନ୍ କିମ୍ବାନ୍ ।

ବର୍ଜିତ କାର୍ଯ୍ୟ :

- ବିନା ପରିଶ୍ରମେର ବସ୍ତ୍ର, ଦାନ/ଉପହାର ଇତ୍ୟାଦି ନେବେନ ନା ।
- ଅଧିକ ନମ୍ବ୍ର ବା ଅଧିକ ଉତ୍ସୁକ ସମ୍ବନ୍ଧରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବିଲୁବ୍ଦିର ଜନ୍ୟ ନିମ୍ନଲିଖିତ କାର୍ଯ୍ୟ ପରିତ୍ୟାଗ କରନ୍ତି ।

ଚନ୍ଦ୍ର

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁଣ୍ଡଲୀତେ ଚନ୍ଦ୍ର ୫ମ ଶ୍ଥାନେ ଶୁଭ ଭାବେ ଥିଥାଏ ଏହି କାରଣେ ଏହି ବହୁର ଆପନାର ପରିବାରେର ଲୋକେଦେର ସୋନା-ରୂପୋର ଲାଭ ହବେ, ବିଦ୍ୟା ଲାଭଓ ହବେ, ଆପନି ଅନ୍ୟେର କଷ୍ଟ ନିଜେର ଉପର ନେବେନ, ପରୋପକାର କରିବେନ। ଲଡ଼ାଇ-ବାଗଡାଯ ଆପନି ଯାର ସାଥ ଦେବେନ ସେଇ ବ୍ୟକ୍ତିର ଜିତ ହବେ। ଆପନାର ପ୍ରଭୁତ ପ୍ରତିପଦ୍ଧି ହବେ ଓ ସମାଜେ ଆପନାର ମାନ-ସମ୍ମାନ ବାଢ଼ିବେ ।

ଚନ୍ଦ୍ରର ଶୁଭତ୍ୱ ବୃଦ୍ଧିର ଜନ୍ୟ ନିମ୍ନଲିଖିତ କାର୍ଯ୍ୟ ପରିତ୍ୟାଗ କରନ୍ତି ।

ବର୍ଜିତ କାର୍ଯ୍ୟ :

- ସବ କାଜେ କାରୋ ନା କାରୋ ପରାମର୍ଶ ଅବଶ୍ୟକ ନେବେନ ।
- ପାପ କାଜେ କୋନୋ ହୃଦୟକେପ କରିବେନ ନା ।

ମଞ୍ଜଳ

ଅନ୍ତର୍ଗୀତାବର୍କିର୍ତ୍ତକୁଣ୍ଡଲୀତ୍ତି କଷ୍ଟକଣ୍ଠ ଏହି ବହୁର ଆପନି ଅନ୍ୟାଯ କାର୍ଯ୍ୟ କରିଲେ ଅଥବା ସରକାରୀ ବା ସୋନା ବିଭାଗେର ବିରଳିତ୍ତି କାର୍ଯ୍ୟ କରିଲେ ଆପନାର ଜୀବନ ନଷ୍ଟ ହତେ ପାରେ । ସୋନା ବେଚିଲେ ବା ବନ୍ଧକ ରାଖିଲେ ସ୍ତ୍ରୀ/ମନ୍ତନୀର ଚିନ୍ତା, ମାନ-ସମ୍ମାନରେ ହାନି ହବେ । ବେଶୀ ନୁନ ଖାଓୟା ବା ନୋନତା ଖାବାରେର ପ୍ରତି ଅଧିକ ଶଥ ଥାକିଲେ ଆପନାର ରଙ୍ଗଚାପ ବୃଦ୍ଧି ବା ଉତ୍ସୁକ ସମ୍ବନ୍ଧରେ ହବେ ।

ମଞ୍ଜଳର ଉତ୍ସୁକ କରିବା କାର୍ଯ୍ୟ କରନ୍ତେ ନି

ଉପାୟ :

- ହରିଗେର ସେବା ବା ପାଲନ କରନ୍ତି ।
- କାଳା-କାନା, ନେଡ଼ା, ବ୍ୟକ୍ତିଦେର ସେବା କରନ୍ତି ।

বুধ

জ্যোতিষ কুণ্ডলীতে অপারার ধন লাভ, পরিবারের সকলে সুখী থাকবে ও সুখ সামগ্রী পাবে। সবমিলিয়ে রাজযোগের সময় চলছে, বিদেশ যাত্রা বা বিদেশ থেকে লাভ প্রাপ্ত হবে। বোন-মেয়ে, পিসি-শালীদের থেকে লাভ হতে পাবে। মায়ের ধন-সম্পদের থেকে লাভ হবে কিন্তু মাতৃ সুখের হানির আংশিক আছে।

মুঝের শুভ্যজ্ঞপ্রিণ্ডুণি করুন।

পরহেজ :

১. মেয়ে-বোন, পিসি-শালী দের সঙ্গে বাগড়া করবেন না।
২. বিধবা স্ত্রীদের সঙ্গে সম্মত রাখবেন না।

বৃহস্পতি

আংশিক রমবর্ষুজুড়জীতের এই বছর আপনি পূর্ব পুরুষের দ্বারা লাভ প্রাপ্ত করবেন, জ্যোতিষ ও গুপ্ত বিদ্যায় রুচি থাকবে। আপনার পরিবারের লোকদের মান-সম্মান বাঢ়বে। আপনি দুনিয়ায় নিজের পরিবারের নাম উজ্জবল করবেন। জহরী/স্বর্ণকারের কাজে লাভ হতে পাবে। আক্ষয়ের অভ্যাস রাজকীয় হবে। নিজের প্রতিজ্ঞায় অটল থাকা আপনার ধর্ম স্বর গুরুর শুভত্ব বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত কর্ম পরিহার করুন।

বর্জিত কার্য :

১. প্রতিজ্ঞা রক্ষা করুন।
২. সোনা বন্ধক রাখবেন না।

শুক্র

আংশিক রমবর্ষুজুড়জীতের শুক্ররণে এই বছর আপনি অপ্রাকৃতিক যৌনসম্বন্ধের শিকার হতে পারেন। কামুক স্বভাবের সাথে সাথে পাপ কার্যেও জড়িত হতে পারেন। আপনার কাম শক্তি দুর্বল হয়ে যেতে পারে। কন্যা সন্তানের জন্য চিন্তা থাকবে। আপনি কোনো মুখ্যতাপূর্ণ কাজ করতে পারেন এবং তার পরে অহেতুক হতাশাগুস্ত হবেন। কোনো মহিলার কারণে আপনার অর্থ, সময় ও ব্যবসা নষ্ট হতে পারে।

মুঝের অন্তুন্দয় কর্মন্করতে নি

উপায় :

১. মাতা বা পত্নীর হাত দিয়ে সরসের তেল দান করান।
২. গোদান করুন।
৩. নপুংসকতা-বোধ প্রাকৃতিক চিকিৎসার দ্বারা নিরাময় হতে পারে।

শনি

জ্যোতিশাক্তির কুঁড়িগোট্টে শাহীর যদি আপনি জুয়া

-স্ট্রো ইতাদি

খেলেন তাহলে আপনার ক্ষতি হতে পারে। লোহা, মেশিনারীর কাজ ভালো করে ভেবে চিন্তা করে না করলে লাভ কম হবে। বড়লোকেদের ধন লুট করে গরীবদের মধ্যে বিলি করার ভাবনা আপনার মাথায় আসতে পারে। নাস্তিকতা আপনার হার ও ক্ষতির কারণ হতে পার। সবসময়ে ধার্মিক বিচার রাখুন।

মনিয়িতান্ত্রিকারণকরণকরতে নি

উপায় :

১. কপালে কেসরের তিলক করুন।
২. বাড়ির শেষ প্রান্তে একটি অঙ্ককার ঘর তৈরি করান।

রাত্রি

জ্যোতিশাক্তির কুঁড়িগোট্টে শাহীত্বের রাত্রিকায় এ বছর আপনি বয়স্ক ব্যক্তিদের

থেকে প্রচুর লাভ পাবেন। বিগত সময়/বছর আপনার আর্থিক অন্টন থাকলে এই বছর আপনার ধন লাভ হবে। মাতা/শ্বাশুড়ির থেকেও আপনি লাভ পাবেন। বাস্মহান, বাহন সুখ ছাড়াও অন্যান্য সমস্ত প্রকারের সুখ-সামগ্ৰী উপভোগ করবেন। সরকারী বিভাগে অথবা কোনো সংগঠনে আপনি উচ্চ পদ প্রাপ্ত করতে পারেন।

মনিয়িতান্ত্রিকারণ কুঁড়িগোট্টে কেতুনি

বর্জিত কার্য :

১. নিজের বয়সের থেকে বড় কোনো মহিলার সঙ্গে কানো প্রকারের অবৈধ সম্বন্ধ রাখবেন না।
২. গঙ্গা নদীতে স্নান করবেন না।

কেতু

জ্যোতিশাক্তির কুঁড়িগোট্টে বৃক্ষের রাত্রি আপনার পরস্তীর সঙ্গে সম্বন্ধ

রাখা সন্তান কষ্টের বা সন্তান সম্বন্ধীয় দুশ্চিন্তার কারণ হবে। ভাইয়ের সাথে ঝগড়া/মতবিরোধ আপনার অবনতির কারণ হবে। ভাই কোনো ত্রুটি করলেও তাকে ক্ষমা করা আপনার জন্য লাভদায়ক হবে। আপনার প্রভৃত উন্নতি হবে কিন্তু মাতা বা শ্বাশুড়ি স্বাস্থ্য সম্বন্ধে দুশ্চিন্তা থাকবে।

মনিয়িতান্ত্রিকারণকরণকরতে নি

উপায় :

১. বাড়ির ভিতরে নীচে রাপোর পাত্রে মধু ভরে রেখে দিন।
২. ঘরে রাপোর পাত্রে মধু ভরে রাখা শুভ ফলদায়ক।

বর্ষ কো শুভ বনানে হেতু বর্ষারস্ত মেং উপায়বিধি

* ৪৩ দিন হলুদ/কেসরের তিলক করুন।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিতর করুন/শুরু করুন।)

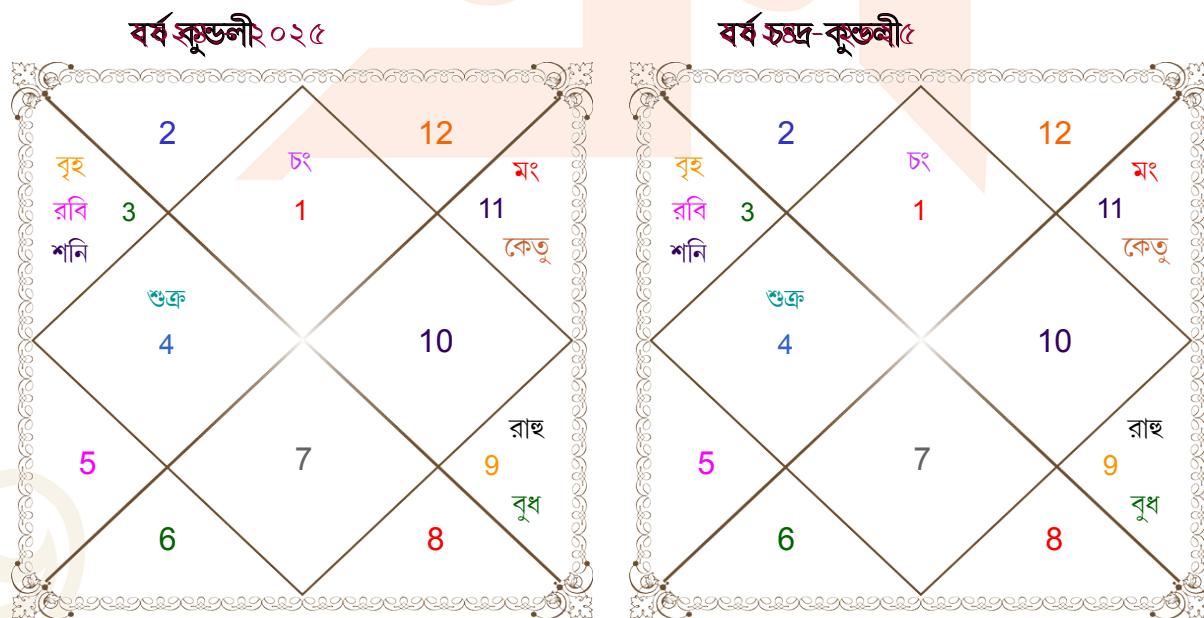


X-35, Okhla Phase II, New Delhi - 110020 Ph. 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2024-2025

ବର୍ତ୍ତମାନ ବୟସ - 24
ବର୍ତ୍ତମାନ ଦଶା - ରାବି

ପ୍ରତିଶୀଳ	ଅଞ୍ଚ	ଶୋଯା	ଧର୍ମୀ	ନେକ/ମନ୍ଦା
ରାବି	--	--	--	ନେକ
ଚଂ	--	ହାଁ	--	ନେକ
ମଂ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ବୁଧ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ବୃଦ୍ଧ	--	--	--	ନେକ
ଶୁକ୍ର	--	ହାଁ	--	ମନ୍ଦା
ଶନି	--	--	ହାଁ	ମନ୍ଦା
ରାହୁ	--	--	--	ମନ୍ଦା
କେତୁ	--	--	--	ମନ୍ଦା



ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2024-2025

ରାବି

ଅଧିକାରୀଙ୍କ କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ବେଟ୍‌ଆଫ୍‌ରାଈ ଲଡ଼ାଇ
ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ କୋଣିକରଙ୍ଗୀ ଜ୍ଞାନଶିଖିତିକୁ ପାବେନ, ମାମଲା ମୋକଦ୍ଦମାୟ ବିଜରୀ
ହବେନ, ଭାଇ-ବନ୍ଧୁଦେର ସାଥେ ପ୍ରେମ ଭାଲବାସା ବାଢ଼ିବେ। ଆପନି ଭଗ୍ନୀ-କଳ୍ପନାର ଦ୍ୱାରା ଲାଭବାନ ହତେ ପାରେନ।

-ବାଗଡା ଥିଲେ ଦୂରେ ଥାକା

ମୂର୍ମିଳି ଶୁଭତ୍ୱରେ ସାମ୍ଭାବ୍ୟରେଣ୍ଟଗତକର୍ମନୀ

ବର୍ଜିତ କର୍ମ :

- ଅନ୍ୟାଯ କାଜ ଥିଲେ ଦୂରେ ଥାକୁନ।
- ଚୁରି କରିବାର ନା, ଚୁରି କରା ବନ୍ତ ଥିଲେ ନିଜେକେ ଦୂରେ ରାଖୁନ।

ଚନ୍ଦ୍ର

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁନ୍ତଲୀତେ ଚନ୍ଦ୍ର ୧ମ ସ୍ଥାନେ ଶୁଭଭାବେ ଆଛେ। ଏହି କାରଣେ ଏହି ବହୁ ଆପନାର ସୁମର
ଓ ସାଦା କାପଡ଼ ପରାର ଶଖ ଥାକବେ, ବିଦ୍ୟା ଲାଭ, କାରୋ ଗଚ୍ଛିତ ଧନ ଆପନାର କାହେ ଥାକତେ ପାରେ। ମାତା-ପିତାର
ଆର୍ଥିକ ସ୍ଥିତି ସୁଦୃଢ଼ ହବେ, କଥନୋ କୋଥାଓ ଯାତ୍ରା କରିବାକୁ ପରିଚାରିତ କରିବାକୁ ପରିଚାରିତ କରିବାକୁ
ଲାଭ ହବେ। ପରିବାରେ ଅନେକ ଅପେକ୍ଷାର ପରେ ପୁତ୍ର ସନ୍ତାନ ହବେ।

ଚନ୍ଦ୍ରର ଶୁଭତ୍ୱ ବୃଦ୍ଧିର ଜନ୍ୟ ନିମ୍ନଲିଖିତ କାର୍ଯ୍ୟ ପରିତ୍ୟାଗ କରନ୍ତି।

ବର୍ଜିତ କାର୍ଯ୍ୟ :

- ଚାଲ-ଚଳନ ଠିକ ରାଖୁନ ଓ ଅନେତିକ ସମସ୍ତ ରାଖିବାର ନା।
- ମାତା ବା ମାତ୍ସମା ମହିଳାଦେର ସଙ୍ଗେ ବାଗଡା କରିବାର ନା।

ମଞ୍ଜଳ

ଆପନୀରାତବର୍ଷିହଞ୍ଚଲିତ୍ତି ଉଚ୍ଚକ ଆପନାର ମାତା
ବନ୍ଧୁଦେର ସଙ୍ଗେ ଅକାରଣ ବାଗଡା ହତେ ପାରେ। ଜମି-ଜାୟଗାର ସୁଖ ପାବାର ଜନ୍ୟ ଆପନାକେ ଦୌଡ଼-ବାଁପ କରିବାକୁ
ପାରେ। ଜମି-ଜାୟଗାର ବ୍ୟାପାରେ ବାଗଡାଓ ହୋଇବାକୁ ପାରେ। ଯଦି ଆପନି ଚାଲ-ଚଳନ ଖାରାପ କରିବାକୁ ତାହାରେ ଆମଦାନୀ
ହେତୁ ସନ୍ତୋଷ ଆପନି ଦେନଦାର ହୋଇବାକୁ ପାରେନ।

ମଞ୍ଜଳିର ଉଚ୍ଚଭୁବନରେ କରିବାକୁ ନି

ଉପାୟ :

- ଜାମାଇ ବାବୁ, ଶ୍ୟାଲକ ଓ ଦୌହିତ୍ରେର ସେବା କରନ୍ତି।
- ମାଟିର ବାସନେ ମଧୁ ବା ସିଂଦୁର ଭରେ ରାଖୁନ।

বুধ

জ্ঞানেন্দ্রিয়কর্ম ক্ষুণ্ণলোক্তেইবৃক্ষের আপনার পিতার জন্য চিন্তা বা পিতার থেকে দুরত্ব বাড়বে, পিতার ধন নাশ হতে পারে। আপনার জিভ ব মুখের রোগ হতে পারে। গৃহস্থ ও সন্তানের সম্বন্ধেও কিছু খারাপ হওয়ার সম্ভাবনা আছে। সমস্ত কাজে প্রতি পদে-গদে বিচার করে আপনার কাজ করা উচিত। যাত্রায় ক্ষতির ভয় আছে, সর্তক থাকুন।

মুঁয়েরিতান্তুভাস্য কর্মন্করতে নি

উপায় :

১. গরুকে খাওয়ান।
২. লোহার গুলিকে লাল রং করে নিজের কাছে রাখুন।

বৃহস্পতি

আর্থনৈতিক বৰ্ষুভূক্তদ্বীপের কারণে এই বছর আপনি আপনার ভাই-বন্ধুদের সুখ প্রাপ্ত করবেন, আপনি যাদের প্রতি সহায়ক হবেন তারা অনেক লাভবান হবেন। বয়োবৃদ্ধদের সেবায় আপনি নিজের সর্বশ্ব উজাড় করে দেবেন। আপনার ব্যবসায়ে উন্নতি হবে। আপনার বুদ্ধি দ্বারা অন্যের ভালো-মন্দ ব্যবহার আগেই জেনে যাবেন। আপনি ধার্মিক কাজে প্রধান ভূমিকা পালন করবেন।

গুরুর শুভত্ব বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত অভ্যাস বর্জন করুন।

পরহেজ :

১. শুকনো বা কাটা অস্থ গাছ ঘরে রাখবেন না।
২. ঘরে মন্দির থাকলে সেখানে দুবেলা পূজা অর্চনা করুন।

শুক্র

জ্ঞানেন্দ্রিয়কর্ম জ্ঞানলীংগতঐশুক্রের পত্নী ছাড়াও অন্য কোনো মহিলার সঙ্গে সম্বন্ধ হতে পারে, যা আপনার জন্য ক্ষতিকারক হবে ও সন্তানের জন্যেও চিন্তাজনক হবে। আপনার জীবন ও সুনাম কালিমা-লিপত হতে পারে, অতএব চাল-চলন ঠিক রাখুন। মাতা ও পত্নীর মধ্যে ঝগড়া হতে পারেড়কেপারো। ক্ষতিজাত্তি কষ্টাপিক্ষয়ের সম্ভাবনা আছে।

মুঁয়েরিতান্তুভাস্য কর্মন্করতে নি

উপায় :

১. কেসের কুপের জগে ঢালুন।
২. চার আড়ুফলের আঁটির মধ্যে সুরমা ভরে নির্জন স্থানে মাটির নীচে পুঁতে দিন।
৩. (পুত্রসুখ প্রাপ্তির জন্য) নিজের পত্নীর সঙ্গে দুবার বিবাহ (অনুষ্ঠান) সম্পন্ন করুন।

শনি

জ্ঞানেন্দ্রিয়কর্ম শুক্রলীংগের আপনার দ্বারা লোকের ক্ষতি হতে পারে।

ছোট ভাইয়ের সঙ্গে বিচেছেদ, বাড়ী তৈরীর ব্যাপারে বাধা-বিঘ্ন হতে পারে। চোখের নজর কমে যাওয়া বা

কুকুরে কামড়ানোর ভয় আছে, সর্তক থাকুন। অন্যায়ভাবে বা চুরি ও ঠকবাজী করে অর্থ আয় করলে আপনার পরাজয় ও ক্ষতির কারণ হবে। চাকুরী-ব্যবসায়ের জন্য প্রচুর সংঘর্ষ করতে হবে। এই বছর অর্থ কষ্ট থাকতে পারে।

মনিখিঅশ্বুত্তুষ্ঠাবক্ষরক্ষরতে নি

উপায় :

১. তটে কুকুরকে নিজের খাদ্যের ভাগ খাওয়ান বা জামাই/শ্যালক/দোহিত্রের সেবা করুন।
২. বাড়ীর শেষ অংশে ১টি অঙ্ককার ঘর রাখুন।

রাহ

আপনার বর্ষ কুণ্ডলীতে রাহ ৯মে থাকার কারণে এই বছর আপনার উপর পুলিস/কোর্ট কেসের ভয় থাকবে। চুরির বস্তু কিনলে অপরাধী সাব্যস্ত হবেন। পিতা ও শ্বশুরের কষ্ট বা তাঁদের দ্বারা আপনার ক্ষতি হওয়ার ভয় আছে। সাধু-ফকিরদের সংগ অপব্যয়ের কারণ হবে। তীর্থযাত্রায় বাধা আসতে পারে। মিটরিন্ডিকেজনার জন্য ঠিক নয়।

মনিখিঅশ্বুত্তুষ্ঠাবক্ষরক্ষরতে নি

উপায় :

১. শরীরে বিশুদ্ধ সোনার অলঙ্কার ধারণ করুন।
২. ধর্মস্থানে/মন্দিরে রোজ মাথা ঢেকান।

কেতু

ঝঁঝঁশারতাবর্ষঁঁঁক্ষুত্তুষ্ঠাবক্ষরক্ষরতে নি এই বছর আপনি কোনো শুভ কাজে যাওয়ার সময়ে যদি কেউ আপনাকে পিছন থেকে ডাক দেয়, তাহলে কিছু সময় অপেক্ষা করে তারপরে রওনা হন, তা না করলে আপনার কাজে অনর্থক বাধা হতে পারে। মাতা/শ্বাশুড়ির বিরোধিতা করা আপনার জন্য শুভ নয়। সন্তানের সঙ্গে ঝগড়া না করে তাকে সাহায্য করলে আপনার ভাগ্যেদয় হবে। অতীত সময়ের সুখ-দুঃখের গল্প লোকেদের শুনিয়ে নিজের সময় নষ্ট করবেন না।

মনিখিঅশ্বুত্তুষ্ঠাবক্ষরক্ষরতে নি

উপায় :

১. কালো কুকুর পালুন বা কালো কুকুরের সেবা করুন।
২. কালো-সাদা পাথরের চাকীর উপরে রুটি বেলুন।

বর্ষ কো শুভ বনানে হেতু বর্ষারস্ত মেং উপায়বিধি

* তটে কুকুরকে ভোজনের ভাগ দিন। ভাগনা/ভাইপো, জামাই ও শালাকে উপহার দিন।

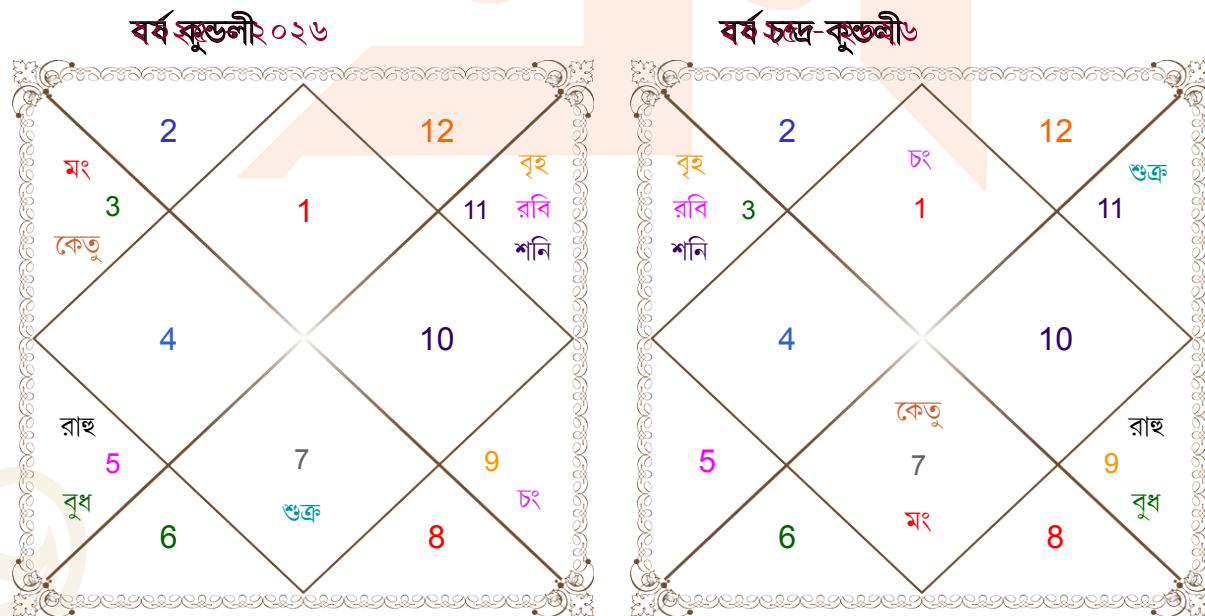
(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিত্তির করুন/শুরু করুন।)

ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2025-2026

ବର୍ତ୍ତମାନ ସର୍ବସ - 25
ବର୍ତ୍ତମାନ ଦଶା - ରାବି

ପ୍ରତିଶୀଳ	ଅଞ୍ଚ	ଶୋଯା	ଧର୍ମୀ	ନେକ/ମନ୍ଦା
ରାବି	--	--	--	ମନ୍ଦା
ଚଂ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ମଂ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ବୁଧ	--	--	--	ନେକ
ବୃହ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ଶୁକ୍ର	--	--	--	ମନ୍ଦା
ଶନି	--	--	ହାଁ	ମନ୍ଦା
ରାହୁ	--	--	--	ମନ୍ଦା
କେତୁ	--	--	--	ମନ୍ଦା

ଖାଲା	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
ଶୋଯା	ହାଁ	ହାଁ	-	ହାଁ								



ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2025-2026

ରାବି

ଜୟଶମାକାରିକୁଣ୍ଡଲୀଏଟ୍ କୁର୍ମଗେ ଏହି ବଚର ଅଲସତା ଓ ଅସାବଧାନତାର କାରଣେ ଜୀବନେ ଉନ୍ନତିର ଅନେକ ସୁଯୋଗ ହାରାବେନ। ମଦ୍ୟପାନ ଓ ଆମିଷ ଖାଦ୍ୟ ଗ୍ରହଣ କରିଲେ ସନ୍ତାନେର କଷ୍ଟ ହବେ ବା ସନ୍ତାନ ସୁଖେର ହାନି ହବେ। କାଉକେ ଗାଲି ଦେଓୟା, ଲଡ଼ାଇ ବଗଡ଼ା କରା, ମିଥ୍ୟା ସାକ୍ଷୀ ଦେଓୟା ଆପନାର ଜନ୍ୟ କ୍ଷତି କାରକ, ସୁତରାଂ ଏହି ସବ ଥେକେ ଦୂରେ ଥାକୁନ। ସରକାରୀ ବିଭାଗେର ଦ୍ୱାରା ଶାସ୍ତି/ଜରିମାନାର ଭୟ ଆଛେ।

ମୂଳ୍ୟାଙ୍କନ୍ତୁ ପରିପ୍ରକାଶକାରୀ କରନ୍ତୁ ନି

ଉପାୟ :

- ମିଥ୍ୟା ବଲବେନ ନା, ଉଚିତ୍‌ତ ଭୋଜନ କରବେନ ନା ବା କାଉକେ ଖାଓୟାବେନ ନା।
- ମାଛ-ମାଂସ ଖାବେନ ନା, ମଦ୍ୟପାନ ବା ମାଦକ ଦ୍ରୁବ୍ୟ ଦେବେନ କରବେନ ନା।

ଚନ୍ଦ୍ର

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁଣ୍ଡଲୀତେ ଚନ୍ଦ୍ର ହରେ ଶୁଭ, ଏ କାରଣେ ଏ ବଚର ସମାଜେର ଲୋକେଦେର ପ୍ରତି ଆପନାର ସହାନୁଭୂତି ଥାକବେ। ଆପନି ପୈତ୍ରି/ମୁଖ୍ୟରବାତ୍ରୀର ସମ୍ପନ୍ତି ଲାଭ କରବେନ। ଆପନି ତୀର୍ଥ୍ୟାତ୍ମାଯ ଶୁଭ ଫଳ ପ୍ରାପ୍ତ କରବେନ। ଆପନାର ସଂଗୀତ ବିଦ୍ୟା, ଧାର୍ମିକ ବିଚାର ବା ଧର୍ମ-କର୍ମେ ରୁଚିର ଆଧିକ୍ୟ ହବେ। ଆପନାର ପକ୍ଷେ ବିନମ୍ର ସ୍ଵଭାବ ରାଖା ଶୁଭ, ଏଇ ଦ୍ୱାରା ଆପନି ଉନ୍ନତିର ଚରମ ଶିଖରେ ପୌଛେ ଯାବେନ, ଧନ-ଦୌଲତେ ବୃଦ୍ଧି ହବେ।

ଚନ୍ଦ୍ରେର ଶୁଭଫଳ ବୃଦ୍ଧି ହେତୁ ନିମ୍ନଲିଖିତ ଅଭ୍ୟାସ ବର୍ଜନ କରନ୍ତୁ।

ବର୍ଜିତ କାର୍ଯ୍ୟ :

- ଚାଲଚଳନ ଠିକ ରାଖୁନ ଓ ଅନୈତିକ ସମସ୍ତ ରାଖବେନ ନା।
- ମିଥ୍ୟା ବଲବେନ ନା, ଏହିଟେ ଖାବାର ନିଜେ ଖାବେନ ନା ବା କାଉକେ ଖାଓୟାବେନ ନା।

ମଙ୍ଗଳ

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁଣ୍ଡଲୀତେ ମଙ୍ଗଳ ତୟେ ଥାକାଯ ଏହି ବଚର ଉଗ୍ର ସ୍ଵଭାବ ଆପନାର କ୍ଷତିର କାରଣ ହତେ ପାରେ। ଧୋକାବାଜୀ କରେ ଲୋକେର ଥେକେ ନିଜେର କାଜ କରାତେ ପାରେନ, ମିଥ୍ୟା ଆଶା ଓ ଉଶ୍ରତ୍ତିଲତା କରା ଆପନାର ଜୀବନକେ ନଷ୍ଟ କରେ ଦେବେ। ଛୋଟୋ ଭାଇୟେର ଜନ୍ୟ ସମୟ ଖାରାପ ଥାକତେ ପାରେ। ଲେଖ-ପଡ଼ା ନା କରେ କୋନୋ ବ୍ୟବସାୟ ଶୁରୁ କରିଲେ ଦେନା ଓ କ୍ଷତିର ସମ୍ଭାବନା ଆଛେ। ରକ୍ତ ସମସ୍ତିତ ରୋଗ ହୋତେ ପାରେ। ବିବାହେ ବାଧା/ଗୃହସ୍ଥ ଜୀବନେ ଅଶାନ୍ତି ପରିଲକ୍ଷିତ ହୟ।

ମନ୍ଦିରୀକ୍ରି ଉତ୍ସାହକରନ୍ତୁ କରନ୍ତୁ ନି

ଉପାୟ :

- ବିଶୁଦ୍ଧ ରନ୍ଧୋର ବେଜୋଡ଼ ଆଂଟି ବାଁ ହାତେର ଅନାମିକାଯ ଧାରଣ କରନ୍ତୁ।
- ବିଶୁଦ୍ଧ ରନ୍ଧୋର ବେଜୋଡ଼ ବାଲାତେ ତାମାର ପେରେକ ଲାଗିଯେ ଡାନ ହାତେ ପରନ୍ତୁ।

বুধ

জ্যোতিষ্মূল বর্ষপঞ্জীয়তে বুই বছর আপনার হঠাত ধন লাভ হবে ও সুখ সামগ্ৰী প্ৰাপ্ত কৰণেন, জ্যোতিষ বিদ্যা ও ধৰ্ম-অধ্যাত্মের প্ৰতি রঞ্চি থাকবে। আপনি মুখ দিয়ে বা বলবেন তা সত্য হবে অৰ্থাৎ আপনার মুখের কথা বৃদ্ধাবাক্য মানা হবে। হঠাত ধন লাভ হবে ও খুবই ভালো দিন দেখতে পাবেন।

মুঝেরি শুভ অৰ্পণা কৰণ।

বৰ্জিত কাৰ্য :

১. গৌমুখ ঘৰে বসবাস কৰণেন না।
২. চাল-চলন ঠিক রাখুন ও অনৈতিক সম্বন্ধ রাখবেন না।

বৃহস্পতি

জ্যোতিষ্মূল শৰ্ষে অসুস্থিতে থাকার কাৰণে এই বছর আপনার চাল-চলন খাৱাপ হতে পাৰে। চাল-চলন সামলানো আপনার জন্য অত্যন্ত আবশ্যক। ঠাকুৱদাদা-পিতাৰ কষ্ট, সোনার গহনার ক্ষতি, চোখের নজৰ দুৰ্বল হতে পাৰে। ভাগ্যেৰ ফল কিছু মধ্যম হবে। পৰিবারেৰ লোকেদেৱ রক্ষা কৰা আপনার জন্য একটি বিশেষ প্ৰয়োজনীয় কাৰ্য হবে।

গুৰুৰ অশুভত্ব কম কৰতে নিম্নলিখিত উপায় কৰণ।

উপায় :

১. হলুদ রূমাল নিজেৰ কাছে রাখুন।
২. বেওয়ারিস লাশেৰ শেষকৃত্য সম্পন্ন কৰণ।

শুক্র

জ্যোতিষ্মূল বিশ্বাসীকৰণ কৰুক্কণে এই বছর আপনার ফৰ্সা রংএৰ মহিলাদেৱ থেকে ক্ষতি হবে, আপনার চাল-চলনও খাৱাপ হতে পাৰে। ব্যবসায়ে আপনার আত্মীয়-স্বজনৱাই আপনার ক্ষতি ও অৰ্থ নষ্টেৰ কাৰণ হবে। বৈবাহিক সম্বন্ধে কটুতা আসতে পাৰে। সৱকাৰ বা সৱকাৱী বিভাগ থেকে অসুবিধা ও কোর্ট কেস হওয়াৰ ভয় থাকবে। আপনার পত্নী ও মাতাৰ মধ্যে বিৱোধিতা হতে পাৰে।

মুঝেৰি অনুভৱ কৰণৰ বাবে নি

উপায় :

১. শব্দুৱৰাড়ী থেকে কাঁসাৰ বাসন উপহারস্বৰূপ নিতে পাৰেন।

শনি

জ্যোতিৱাকৰ্য বৃত্তিৰ ক্ষেত্ৰে আপনি নিজেৰ পৰিবারেৰ লোকেদেৱ ক্ষতি কৰেন, ভাইএৰ সঙ্গে বাগড়া বা তাদেৱ বিৱোধিতা কৰেন অথবা লোক ঠকিয়ে ধন উপা তাহলে আপনার গৃহস্থালীৰ/সৱকাৰ পক্ষে/ ব্যবসায়ে ক্ষতি হতে পাৰে। নিজেৰ রাগেৰ উপৰ নিয়ন্ত্ৰণ রাখুন। আপনার দ্বাৰা কাৰোৱ আঘাত লাগতে পাৰে। মদ্যপান ও মাছ-মাংস খাওয়া আপনার হার ও ক্ষতিৰ

কারন হবে।

মনিকি অশুঙ্গায়ক্ষরকরণতে নি

উপায় :

১. শুভ কাজে যাওয়ার সময় বা নতুন কাজ শুরু করার সময়ে জলাভর্তি ঘড়া স্থাপন করুন।
২. ঘরে শুন্দি রূপোর ইট রাখুন।
৩. সরকারী/গৃহস্থালী/ব্যবসায়ে অসুবিধা/বাধার স্থিত হলে সূর্যোদয়ের পূর্বে ঘরের মুখ্য দরজার চৌকাঠে স্পিরিট/সরসের তেল ঢালুন।

রাত্রি

তাঙ্গেনঞ্জাকঞ্জর ক্লুক্লুভো রাত্রির আপনার বিদ্যা সম্বন্ধিত কাজে

অসুবিধা, পত্নীর সঙ্গে বাগড়া-বিবাদ বা বিবাহ বিচেছদের সম্ভাবনা আছে যা ভবিষ্যতে আপনার জন্য কষ্টদায়ক হবে। দ্বিতীয় বিবাহের দ্বারাও আপনি সন্তান সুখ পাবেন না সুতরাং প্রথম পত্নীর সঙ্গে সম্বন্ধ বিচেছদ করবেন না। প্রথম সন্তান পুত্র জন্মানোর সম্ভাবনা অনিশ্চিত। আপনার ভাই ধনী হবেন ও নিঃসন্তান হতে পারেন বা তারও সন্তান সম্বন্ধে চিন্তা থাকতে পারে।

মনিকি অশুঙ্গায়ক্ষরকরণতে নি

উপায় :

১. বিশুন্দি রূপোর তৈরি নিরেট হাতি রূপোর পেলটে দাঁড় করিয়ে ঘরে রাখুন।
২. পৈত্রিক বাসম্হানের চৌকাঠের নীচে রূপোর পাত লাগান।
৩. পুত্র সুখের জন্য নিজের পত্নীর সঙ্গে দুবার বিবাহ করুন (মালা বদল)।

ক্ষেত্র

তাঙ্গেনঞ্জরবিহু ক্ষেত্রতুণ এই বছর আপনার অন্যের উপদেশ

ক্ষেত্রবিহুর ক্ষেত্রতুণের মাঝাইয়ের সঙ্গে দূরত্ব রাখা ঠিক নয়। শরীরে ফোড়া

-চর্মরোগ হতে

পারে। নোংরা ও অপরিস্কার প্রশ্নাবধান ব্যবহার আপনার শরীরে রোগ শ্রাণ্ট করতে পারে বা সন্তান সুখেও হানি হতে পারে।

মনিকি অশুঙ্গায়ক্ষরকরণতে নি

উপায় :

১. কানে বিশুন্দি সোনার দূল পরুন।
২. শরীরে বিশুন্দি সোনার অলংকার মঙ্গলজনক।

বর্ষ কো শুভ বনানে হেতু বর্ষারস্ত মেং উপায়বিধি

* ঘরে বিশুন্দি রূপোর ইট রাখুন।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিত্তির করুন/শুরু করুন।)

ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2026-2027

ବର୍ତ୍ତମାନ ସଙ୍ଗ - 26

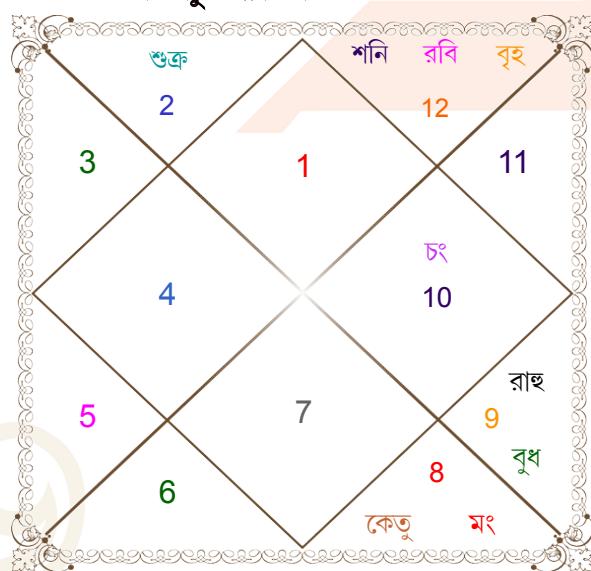
ବର୍ତ୍ତମାନ ଦଶା - ରାବି

ପ୍ରତିଶୀଳ	ଅଞ୍ଚ	ଶୋଯା	ଧର୍ମୀ	ନେକ/ମନ୍ଦା
ରାବି	--	--	--	ନେକ
ଚଂ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ମୁଖ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ବୁଧ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ଶୁଭ	--	--	--	ନେକ
ଶୁକ୍ର	--	ହାଁ	--	ମନ୍ଦା
ଶନି	--	--	ହାଁ	ମନ୍ଦା
ରାହୁ	--	--	--	ମନ୍ଦା
କେତୁ	--	--	--	ମନ୍ଦା

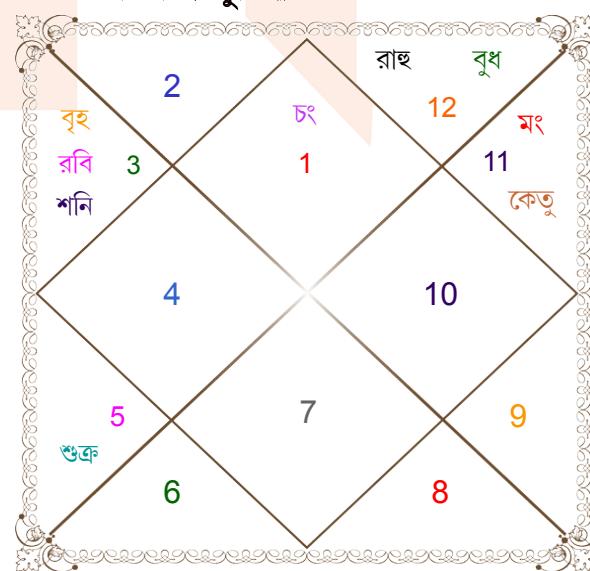
ଭାବ ଅବଶ୍ୟକ

ଖାଲା	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
ଶୋଯା	ହାଁ	--	ହାଁ	ହାଁ	ହାଁ	--	ହାଁ	--	--	--	ହାଁ	--

ବର୍ଷ ହୃଦୟଲୀ 2027



ବର୍ଷ ଚନ୍ଦ୍ର-କୁଣ୍ଡଳୀୟ



ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2026-2027

ରାବି

ଜୀବନଶାରଣୁଭାବକୁଟିଲମୈତିଶ୍ୱର୍ତ୍ତ ଥାକାଯ ଏ ବହୁ ଆପନି ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ
ଜୀବନଗାୟ ଜମିଦାର ହବେନ, ବଡ଼-ବଡ଼ କାଜ ଥେକେ ଧନ ଲାଭ ହବେ, ଗୁପ୍ତ ବିଦ୍ୟା, ଅଧ୍ୟାତ୍ମେ ରୁଚି ଥାକବେ । ବିଦେଶ ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ କାର୍ଯ୍ୟ ଲାଭପ୍ରାପ୍ତି ବା ବିଦେଶ ଯାତ୍ରା ହତେ ପାରେ । ସୁଖ ବୃଦ୍ଧିର ସମ୍ଭାବନା, ବୟଙ୍ଗକ ବ୍ୟକ୍ତିଦେର ଆଶୀର୍ବାଦ ଆପନାର
ଉପର ଥାକବେ । ଆପନାର ପରିବାରେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଗତିବିଧି ବୃଦ୍ଧି ପାରେ ।

ମୂଳ୍ୟାତ୍ମକ ପ୍ରକାରଙ୍ଗରେ ପ୍ରକାରଙ୍ଗରେ ପ୍ରକାରଙ୍ଗରେ

ବର୍ଜିତ କାର୍ଯ୍ୟ :

- ବୈଦ୍ୟୁତିକ ସାମଗ୍ରୀ ବିନାମୂଲ୍ୟେ ନେବେନ ନା ।
- ଆପନାର କାହେ ଅନ୍ୟେର ରାଖା କୋନୋ ବସ୍ତ୍ର ପ୍ରତି ଲୋଭ କରବେନ ନା ।

ଚନ୍ଦ୍ର

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁନ୍ଡଲୀତେ ଚନ୍ଦ୍ର ୧୦ମେ ଥାକାଯ ଏ ବହୁ ଆପନାର ଅସୁମ୍ଭତାର ସମୟ ବା ରାତ୍ରେ ତରଳ
ଓସୁଥ ପ୍ରଯୋଗ ଆପନାର ଜନ୍ୟ କ୍ଷତିକାରକ ହବେ । ବିଦ୍ୟା ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ କାଜେ ଅସୁବିଧା ହତେ ପାରେ । ଚୋର-ଜୁଯାଡ଼ୀ, ମଦ୍ୟପ
ଲୋକେର ଦ୍ୱାରା ଆପନାର ଲୋକସାନ ହବେ । କୋନୋ ଶ୍ରୀ ବା ପ୍ରେମିକାର ଦେଉୟା ଅସଂ ପରାମର୍ଶେ ଆପନାର ଧନ-ସ
ମାନ ନଷ୍ଟ ହତେ ପାରେ, ସତର୍କ ଥାକୁନ ।

ଚନ୍ଦ୍ରେର ଅଶୁଭତ୍ୱ କମ କରତେ ନିମ୍ନଲିଖିତ ଉପାୟ କରନ୍ତି ।

ଉପାୟ :

- ଛାନାର ଜଳ ପାନ କରନ୍ତି (ଅସୁମ୍ଭତାର ସମୟ)
- ୧୦ ଦିନ ସକାଳେ ପ୍ରାତଃରାଶେ ଶୁଦ୍ଧମାତ୍ର ଛାନା ଥାନ ।
- ରାତିର ସମୟେ (ସୂର୍ଯ୍ୟର ଥେକେ ସୂର୍ଯ୍ୟଦୟ ଅବଧି) ଛୁଟ୍ ପାନ କରବେନ ନା ।

ମଞ୍ଜଳ

ଜ୍ଞାନେନ୍ଦ୍ରିକମର୍ଯ୍ୟ ଏହୁଦିଲୀତ୍ତର ଅନ୍ତରିକ୍ଷନି କୋନୋ ବିଧିବା ମହିଳାର ସଙ୍ଗେ
ବାଗଡ଼ା କରବେନ ନା । ବୈବାହିକ ସମସ୍ୟା ବା ପରିବାରେର କୋନୋ ମହିଳା ବିଧିବା ହତେ ପାରେନ । ଛୋଟୋ ଭାଙ୍ଗ ଥାକଲେ
ଜ୍ଞାନେନ୍ଦ୍ରିକମର୍ଯ୍ୟ ଠିକ ନାହିଁ । ଆପନାର ବଲା ଅପରାଧ-ବାଗଡ଼ାର କାରଣ ହତେ ପାରେ । ଆପନାର କ୍ରୋଧ କ୍ଷତିକାରକ
ହବେ । ଏହି ସମୟଟା ଧୈର୍ୟର ସଙ୍ଗେ ପାର କରନ୍ତି ।

ମଞ୍ଜଳର ଉତ୍ସାହକରନ୍ତା କରତେ ନି

ଉପାୟ :

- ବିଧିବା ମହିଳାଦେର ଉପହାର ଦିଯେ ଚରଣ ସ୍ପର୍ଶ କରେ ଆଶୀର୍ବାଦ ନିନ ।
- କୁକୁରଦେର ମିଣ୍ଟ ରୁଟି ଖାଓଯାନ ।

বুধ

ঞানেন্দ্রিয়কর্ম ক্ষুঙ্গলোত্তেইবুদ্ধির আপনার পিতার জন্য চিন্তা বা পিতার থেকে দুরত্ব বাড়বে, পিতার ধন নাশ হতে পারে। আপনার জিভ ব মুখের রোগ হতে পারে। গৃহস্থ ও সন্তানের সম্বন্ধেও কিছু খারাপ হওয়ার সম্ভাবনা আছে। সমস্ত কাজে প্রতি পদে-গদে বিচার করে আপনার কাজ করা উচিত। যাত্রায় ক্ষতির ভয় আছে, সর্তক থাকুন।

মুঝেরিতান্তুগায় করণকরাতে নি

উপায় :

১. গরুকে খাওয়ান।
২. লোহার গুলিকে লাল রং করে নিজের কাছে রাখুন।

বৃহস্পতি

আপনার শ্রেষ্ঠশুঙ্গজীতে অবস্থিত, এ বছর আপনার অর্থের প্রতি কোনো লোভ থাকবে না। ধ্যান-সমাধি লাগালে আপনার জীবনে ধন বর্ষা হবে। আপনার আশীর্বাদ প্রাপ্ত লোকেরা লাভ পাবে, কিন্তু আপনাকে অসম্মান করলে তারা বরবাদ হয়ে যাবে। পরিবারের শুভ কাজের জন্য আপনার খরচ বৃদ্ধি পেতে পারে। তাগের ভাবনাও আপনার মনে আসতে থাকবে। কারো অভিশাপ আপনার উপর লাগবে না।

গুরুর শুভত্ব বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত কার্য করবেন না।

বর্জিত কার্য :

১. এ রকম কাজ করবেন না যাতে আপনার বিরোধিতা হতে পারে।
২. কারো সাথে ধোকা-বেইমানি করবেন না।

শুক্র

আঙ্গোন্ধুরস্ফৰ্ম এন্টিগ্রাইটে আঙ্গনি আনন্দ ঘৃণা প্রকাশ করবেন। শুক্রাণু দোষের কারণে আপনার সন্তানের চিন্তাও থাকতে পারে। আপনাকে অন্যের ঘরে বসবাস করতে হতে পারে। পশু-পাখী ও প্রকৃতির প্রতি আপনার বিরুদ্ধ মনোভাব তৈরী হতে পারে, যা ঠিক নয়। স্ত্রী, অর্থ ও জমি-জমাগথস্যুক্তীর বাধাক্ষুমা মোক

-স্ফুর্তি উপভোগ করা সম্বন্ধে

মুঝেরিতান্তুগায় করণকরাতে নি

উপায় :

১. আলু, দেশি ঘি, দই দান করুন।
২. গুরুর সেবা বা পালন করুন।

শনি

ঞানেন্দ্রিয়কর্ম ক্ষুঙ্গলোত্তে আপনার বাড়ীর শেষপ্রান্তের অঙ্ককার ঘরে কোনো আলোর ব্যবস্থা করলে আপনার ক্ষতি হবে। মিথ্যাকে নিজের জীবনে অত্যধিক স্থান দিলে,

অন্যের জিনিষের প্রতি লোভ করলে আপনার সর্বপ্রকার সুখের হানি হবে। মাদক বস্তু থেকে দূরে থাকলে আপনার প্রভৃত উন্নতি হবে।

মনিখি অশুভাঙ্গ ক্ষমতার তে নি

উপায় :

১. তামার বাসন ব্যবহার করুন।
২. তঙ্গাপোশের উপর শয়ন করুন।

রাত্ৰি

আপনার বৰ্ষ কুণ্ডলীতে রাত্ৰি ৯মে থাকার কারণে এই বছৰ আপনার উপর পুলিস/কোর্ট কেসের ভয় থাকবে। চুরির বস্তু কিনলে অপৱাধী সাব্যস্ত হবেন। পিতা ও শ্বশুরের কষ্ট বা তাঁদের দ্বারা আপনার ক্ষতি হওয়ার ভয় আছে। সাধু-ফকিরদের সংগ অপব্যয়ের কারণ হবে। তীর্থ্যাত্মায় বাধা আসতে পারে। মৃচ্ছিকামজোন্নার জন্য ঠিক নয়।

মনিখি অশুভাঙ্গ ক্ষমতার তে নি

উপায় :

১. শরীরে বিশুদ্ধ সোনার অলংকার ধারণ করুন।
২. ধর্মস্থানে/মন্দিরে রোজ মাথা ঠেকান।

কেতু

জ্ঞেন্যক্ষমতা ক্রুশুলিতাকে কেতু চালচলন বা অনৈতিক সম্বন্ধ গুপ্তরোগ হওয়ার কারণ হবে। সন্তানসুখ চাইলে চালচলন ঠিক রাখুন নতুন সন্তান সম্বন্ধে চিন্তা থাকবে। এ ছাড়া ব্যবসায়ে ক্ষতি ও যাত্রায় অসুবিধা বা অপব্যয় হবে। কারুকে নিজের দুর্বলতা জানাবেন না, কারণ আপনার বিশ্বাসভাজন ব্যক্তি আপনার অবনতির কারণ হবে।

মনিখি অশুভাঙ্গ ক্ষমতার তে নি

উপায় :

১. কালো-সাদা কম্বল ধর্মস্থানে দান করুন (সন্তানের আয়ু বৃদ্ধির জন্য)।
২. কালো-সাদা কম্বলের টুকড়োতে কেতুর সাথে অবস্থিত গৃহের বস্তু বেঁধে শ্মশানের মাটিতে পুঁতে দিন (নবজাতক/শিশু জীবিত না থাকলে)।
(১) সূর্য-গম, (২) চন্দ্র-চাল, (৩) মঙ্গল-ডাল মুসুর, (৪) বুধ-মুগ ডাল, (৫) গুরু-ছোলার ডাল, (৬) শুক্র-ভূঁঘী, (৭) শনি-কালো বিউলী, (৮) রাত্ৰি-ব্যব, (৯) কেতু-কালো-সাদা তিল।
৩. কুকুরকে ভোজনের ভাগ দিন।

বৰ্ষ কো শুভ বনানে হেতু বৰ্ষারণ মেং উপায়বিধি

* ৪৩ দিন মিষ্টি তন্দুরী রুটি কুকুরদের খাওয়ান।

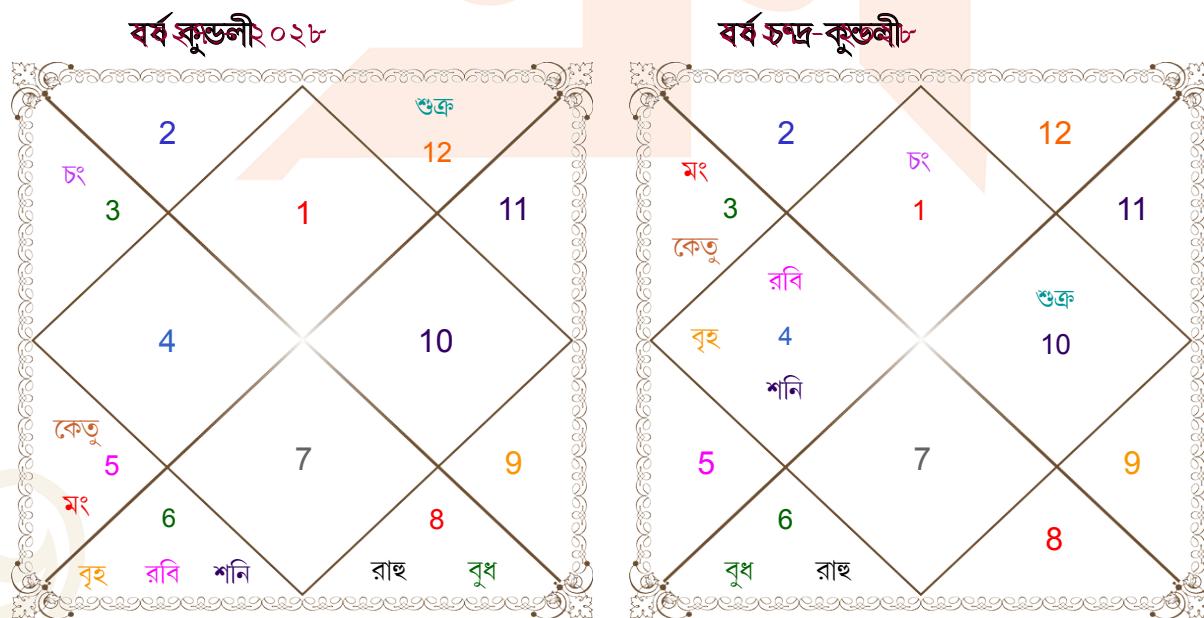
(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিত্তি করুন/গুরু করুন।)

ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2027-2028

ବର୍ତ୍ତମାନ ସଙ୍ଗ - 27
ବର୍ତ୍ତମାନ ଦଶା - ରାବି

ପ୍ରତିକାଳ	ଅଞ୍ଚ	ଶୋଯା	ଧର୍ମୀ	ନେକ/ମନ୍ଦା
ରାବି	--	ହାଁ	--	ନେକ
ଚଂ	--	ହାଁ	--	ନେକ
ମଂ	--	ହାଁ	--	ମନ୍ଦା
ବୁଧ	--	-	--	ମନ୍ଦା
ବୃଦ୍ଧ	--	ହାଁ	--	ନେକ
ଶୁକ୍ର	--	--	--	ମନ୍ଦା
ଶନି	--	ହାଁ	ହାଁ	ମନ୍ଦା
ରାହୁ	--	-	--	ମନ୍ଦା
କେତୁ	--	ହାଁ	--	ମନ୍ଦା

ଖାଲା	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
ଶୋଯା	ହାଁ	-	-	ହାଁ	--	-	ହାଁ	--	--	ହାଁ	--	--



ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2027-2028

ରାବି

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁଣ୍ଡଲୀତେ ସୂର୍ଯ୍ୟ ଉଠିବାରେ ଶୁଭଭାବେ ଶିଥିତ। ଏହି ବହୁର ଆପନି ଭାଗ୍ୟେର ଉପର ଭରୋସା କରବେନ, ଶତ୍ରୁ ପରାଜିତ ହବେ। ମୋକଦ୍ଦମାୟ ବିଜୟୀ ହବେନ, ସନ୍ତାନେର ଜମ ହଲେ ଭାଗ୍ୟୋଦୟ ହବେ। ମାମାରବାଡୀ ଥିକେ ଲାଭ ହବେ, ପିତା ପ୍ରଭାବେ କିଛୁ ଉଥାଳ-ପାତାଲେର ଭୟ ଥାକବେ। ପରମ୍ପରାର ସଙ୍ଗେ ଆପନାର ସମ୍ବନ୍ଧ ହତେ ପାରେ ସୁତରାଂ ଚାଲ-ଚଳନ ଠିକ ରାଖୁନ। ସରକାରୀ ବିଭାଗେ ଥିକେ ଲାଭ ହବେ।

ମୂଲ୍ୟାଙ୍କନାର ଅନୁର୍ଦ୍ଧରଣିତମାନଙ୍କରେଣନି।

ବର୍ଜିତ କାର୍ଯ୍ୟ :

- କନ୍ୟା-ଭଗ୍ନୀ, ଶାଲି-ପିସିର ସାଥେ ଝାଗଡ଼ା କରବେନ ନା।
- ଧାର ଓ ଦାନ ଅଥବା ବିନା ମୂଲ୍ୟେ କୋନୋ କିଛୁ ନେବେନ ନା।

ଚନ୍ଦ୍ର

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁଣ୍ଡଲୀତେ ଚନ୍ଦ୍ର ଉଠିବାରେ ଶୁଭ। ଏହି ବହୁର ଆପନାର ଚରିତ୍ର ବଦଳ ଓ ପରାକ୍ରମ ବୃଦ୍ଧି ପାରେ, ଚୁରିର ଥିକେ ରକ୍ଷା ପାବେନ। ଶିକ୍ଷା-କ୍ଲାସ୍, ଅଳୋଚନା ହତ୍ତରୀମାନ ମାତ୍ରା ଅଧିକ ଲାଭଦୟକ ହବେ, ଈମ୍ବର ନିଜେ ଆପନାର ଭାଗ୍ୟେର ସହାୟକ ହବେ, ଦରିଦ୍ରଦେର ପ୍ରତି ଆପନାର ସହାନୁଭୂତି ଥାକବେ। କୋନ ଅନ୍ତର୍ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ଖେଳାଯ ଆପନାର ରୂପିତ ବାଡ଼ିବେ ବା ଆପନି ନିଜେତି ସେଇ ଖେଳାଯ ଅଂଶ ଗ୍ରହଣ କରତେ ପାରେନ।

ଚନ୍ଦ୍ରର ଶୁଭତ୍ୱ ବୃଦ୍ଧିର ଜନ୍ୟ ନିମ୍ନଲିଖିତ କାର୍ଯ୍ୟ ପରିତ୍ୟାଗ କରନ୍ତି।

ବର୍ଜିତ କାର୍ଯ୍ୟ :

- ବୋନ-ଭାଇୟେର ସଙ୍ଗେ ଝାଗଡ଼ା କରବେନ ନା।
- ଅନାଥଦେର ଜନ୍ୟ ପାଓଯା ବନ୍ଦ ଠିକିଯେ ନେବେନ ନା।

ମଞ୍ଜଳ

କ୍ଷାର୍ଯ୍ୟକରନ୍ତିର କ୍ରୁଅନ୍ତିରମ୍ବର କଷକନ୍ଦାର ସ୍ତ୍ରୀ ଓ ସନ୍ତାନେର ବ୍ୟାପାରେ ଚିନ୍ତା ଥାକବେ। ସୁଦେର କାରବାର କରା ବା ସୁଦେ ଟାକା ଧାର ଦେଉୟା ଠିକ ନାହିଁ। ଉପରାନ୍ତ ଆପନାର ଉପର ଧାରେର ବୋବା ବାଢ଼ିତେ ପାରେ। ବିନା ଲେଖାପଡ଼ା କରେ କୋନ କାଜ କରବେନ ନା। ସ୍ଵାସ୍ଥ୍ୟର ଖେଳାଲ ରାଖୁନ, ବିଶେଷକରେ ପେଟେର ପ୍ରତିକର୍ଷାଗୋଲେର। ଜୁଯା ଇତ୍ୟାଦିତେ କ୍ଷତିର ଯୋଗ ଆଛେ, ସୁତରାଂ ସା-ଶେଯାର ମାର୍କେଟେର କାଜ ଇତ୍ୟାଦି ଏହିଯେ ଚଲୁନ।

ମଞ୍ଜଳର ଉତ୍ସାହକରନ୍ତି କରତେ ନି

ଉପାୟ :

- ବାଡ଼ୀତେ ଗାମଲାତେ ନିମଗାଛ ଲାଗାନ।
- ଖାଟେର ମାଥାର କାହେ ରାତ୍ରେ ଘଟିତେ ଜଳ ରେଖେ ସେଇ ଜଳ କୋନୋ କାଟାଓଯାଲା ଗାହେ ଢାଲୁନ।

বুধ

-টোটকা

জ্যোতিষবিশ্বাস্যুদ্ধীতক্ষেত্রে এই বছর আপনার জাদু ইত্যাদি বিদ্যায় রঞ্চি বা এই সবের প্রভাব আপনার উপর থাকায়, আপনার কোন লাভ হবে না। ভিতরে-ভিতরে গুপ্ত রূপে আপনি শারীরিক কষ্ট বা ধন হানির সম্মুখীন হবেন। গৃহস্থালীতে কিছু সমস্যা আসতে পারে। আলস্য আপনার পতনের কারণ হবে। খারাপ চাল-চলন ও অনৈতিক সম্বন্ধে আপনার হারের ও ক্ষতির কারণ হবে।

মুঞ্চিতান্ত্রিক ক্ষমতার ক্ষেত্রে নি

উপায় :

১. বর্ষার জল ছাতের উপর রাখুন।
২. এই বছরে বিবাহ হলে তামার বাসনে (ঘড়া) গোটা মুগ ভরে সংকল্প করে পতি/পত্নী উভয়েই জল প্রবাহ করুন। যদি বিবাহ হয়ে গিয়ে থাকে, তাহলেও এই উপায় করা লাভদায়ক হবে।
৩. সুরমা ব্যবহার করুন।

বৃহস্পতি

আপনার বর্ষ কুশলীতে গুরু দৃষ্টে শুভ। অতএব এই বছর আপনার নগদ অর্থের অভাব হবে না। সব কিছু চাইবার আগেই আপনি পেয়ে যাবেন। কম পরিশ্রমে অধিক লাভ যোগ। আপনার শত্রু নিজে নিজেই নষ্ট হয়ে যাবে বা শত্রুর উপর আপনি বিজয় প্রাপ্ত করবেন। বয়স্কদের নামে দান করবেন বা ধর্মের প্রয়োজনে খরচ করবেন। সব সময়ে আপনাকে নিজের কাজ করার জন্য সচেষ্ট থাকতে হবে।

গুরুর শুভত্ব বৃদ্ধির জন্য নিম্নলিখিত কার্য পরিত্যাগ করুন।

বর্জিত কার্য :

১. দেনা করবেন না/দান বা উপহার নেবেন না।
২. অনাবশ্যক ঘোরাঘুরি করবেন না।

শুক্র

জ্যোতির্ক্ষয়াক্ষয়কুষ্ঠলীতে শুক্র তাহলে এর খারাপ প্রভাব আপনার পত্নী উপর পড়বে। পত্নীর স্বাস্থ খারাপ হব বা পত্নীর সঙ্গে সম্বন্ধ তালো থাকবেন। পত্নীর সঙ্গে ভালো সম্বন্ধ রাখার চেষ্টা করুন নতুনা সন্তানের জন্য চিন্তা ও ধন হানি হতে পৌর। ধর্ম-কর্মেও মন লাগবে না, রাতের ঘুমও খারাপ হবে।

মুঞ্চিতান্ত্রিক ক্ষমতার ক্ষেত্রে নি

উপায় :

১. বাচুর-সহ গরু দান করুন।
২. দেশী ঘিএর প্রদীপ আলান।

শনি

আপনার বর্ষ কুণ্ডলীতে শনি ৬ষ্ঠে অশুভ থাকার কারণে এই বছর আপনি পূর্ণিমার দিন কোনো মন্তুরকেজনশুর কারণ, এই দিন শুরু করা নতুন কাজ লাভদায়ক হবে না। চামড়ার তৈরী জিনিষ বিনামূল্যে/উপহার হিসাবে নিলে আপনার মান-সম্মান কম হবে বা অকারণে অপমানিত হতে পারেন। পরিবারে কারো কিডনী/গলস্টেন হওয়ার ভয় আছে।

মন্ত্রিধারণ্তুষ্ট্যবক্ষরকরতে নি

উপায় :

১. কালো কুকুরের সেবা/পালন করুন।
২. নতুন জুতা কারুকে পরিয়ে বা কেনার ৬ দিন পরে পরুন।
৩. বাদাম নোংরা নর্দমাতে ঢালুন।

রাত্রি

জ্যোতিষ্কর্ম কুণ্ডলীতে রাত্রির আপনি অঙ্গইন, নিঃসন্তান, কানা, ইত্যাদি ব্যক্তিদের থেকে দূরে থাকুন। জ্যম দিনের পরে অষ্টম মাস থেকে আপনার সংশয় বাড়তে পারে। আপনার ভাগ্য দোলনার মতো উপরে-নীচে হতে থাকবে। বৈদ্যুতিক বিভাগ, জপ্ত বিভাগ, পুলিস বিভাগ সম্বন্ধিত কাজে অসুবিধা বা অর্থ ও সময় নষ্ট হতে পারে। আপনাকে কোনো বন্ধন বা কয়েদখানায় থাকতে হবে না।

মন্ত্রিধারণ্তুষ্ট্যবক্ষরকরতে নি

উপায় :

১. রঞ্জার চৌকো টুকড়ো নিজের কাছে রাখুন।
২. ৮টি চৌকো মুদ্রা (ওফদপ) জল প্রবাহ করুন।
৩. ৮ম মাস শুরুর প্রথম দিনে ৪৩-৪৩ বাদাম মন্দিরে রাখুন, রাখার পরে তার থেকে ৪৩ বাদাম উঠিয়ে ঘরে এনে সাদা থলিতে ভরে রেখে দিন।

কেতু

জ্যোতির্বিষ্ফোক্তুষ্মাকে বক্রভূগ এই বছর আপনার চাল খারাপ হলে সন্তানের কষ্ট হবে, কিডনীর রোগ হতে পারে, শ্বাস কষ্ট বা হাঁপানি হতে পারে। চালচলন ঠিক রাখুন ও দুশ্চরিত্র লোকেদের থেকে দূরে থাকুন, কারণ আপনার মান-সম্মান নষ্ট হতে পারে। গুরু/পিতার সঙ্গে ঝগড়া করলে সব ব্যাপারেই হার ও ক্ষতি হবে।

মন্ত্রিধারণ্তুষ্ট্যবক্ষরকরতে নি

উপায় :

১. দাদা-গ্রিঙ্গল সেবা করুন।
২. জলে চিনি মিশিয়ে সূর্য কে অর্ধ্য দান করুন।

বৰ্ষ কো শুভ বনানে হেতু বৰ্ষারঞ্জ মেং উপায়বিধি

* সাপকে দৃধ খাওয়ান।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিতর করুন/শুরু করুন।)

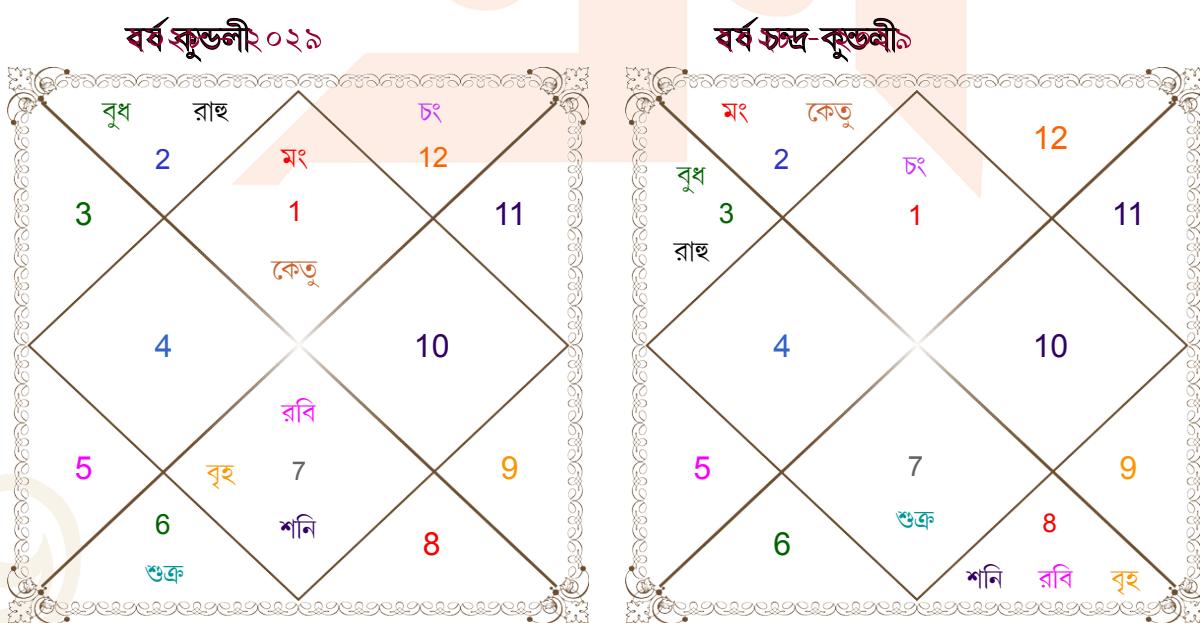


ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2028-2029

ବର୍ତ୍ତମାନ ସଙ୍ଗ - 28
ବର୍ତ୍ତମାନ ଦଶା - ରାବି

ପ୍ରତିକାଳ	ଅଞ୍ଚ	ଶୋଯା	ଧର୍ମୀ	ନେକ/ମନ୍ଦା
ରାବି	--	--	--	ନେକ
ଚଂ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ମୁହଁ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ବୁଧ	--	--	--	ନେକ
ବୃଦ୍ଧ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ଶୁକ୍ର	--	ହାଁ	--	ମନ୍ଦା
ଶନି	--	--	ହାଁ	ମନ୍ଦା
ରାହୁ	--	--	--	ନେକ
କେତୁ	--	--	--	ମନ୍ଦା

ଖାଲା	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
ଶୋଯା	-	--	ହାଁ	ହାଁ	ହାଁ	-	--	ହାଁ	ହାଁ	ହାଁ	ହାଁ	-



ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2028-2029

ରାବି

ଆମେନଶୁଭ ବର୍ଷାକୁ ଜ୍ଞାନପତ୍ର ଅତ୍ୟନ୍ତିଥିଷ୍ଠ୍ୟ ଅତ୍ୟନ୍ତ ଏହି ବଚର ଆପନାର ମାତା
ପିତାର ରିଅବଶିଷ୍ଟାର ଦ୍ୱୀପରେ ଉପରେ ଆପନାର ମାନିତ ବ୍ୟକ୍ତି ର
ଟିଚିନ୍ତିକର୍ତ୍ତବ୍ୟେବ, କଷ୍ଟୀରୀ କର୍ତ୍ତାଙ୍ଗାନ୍ତି ହବେ। ଜ୍ୟୋତିଯ ବା କର୍ମକାଣ୍ଡେ ଅଭିର
ନିଜେର ପରିବାରେର ସଙ୍ଗେ ଥାକବେନ, ତାତେ ଆପନାର କଟେର ନିବାରଣ ହବେ।

ମୂଳ୍ୟାତ୍ମକ ପରିବାର ମନିକରଣ ।

ବର୍ଜିତ କାର୍ଯ୍ୟ :

- ସଦି ଦୋକାନଦାରୀ ବା ପ୍ରାଇଭେଟ ଚାକୁରୀ କରେନ ତାହଲେ ମେଜାଜ ଗରମ ରାଖବେନ ନା ।
- ସରକାରୀ ଅଧିକାରୀ ହଲେ ଗରମ ମେଜାଜ ରାଖତେ ପାରେନ ।

ଚନ୍ଦ୍ର

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁଣ୍ଡଲୀତେ ଚନ୍ଦ୍ର ୧୨ଶେ ଥାକାଯ ଏ ବଚର ଆପନାର ସମ୍ପତ୍ତ କାଜ ଧୀରେ-ଧୀରେ ହବେ,
ବିଦ୍ୟା ସମସ୍ତୀର୍ଣ୍ଣ କାଜେ ବାଧା ଆସତେ ପାରେ । ଆପନାର କଥା ବଦଳାନୋର ବଦ୍ତଭ୍ୟାସ ତୈରୀ ହବେ, ଅତୀତ ସମୟେର
କଥା ଲୋକେଦେର ଶୁନିଯେ ନିଜେର ‘ବଡ଼ାଇ’ କରାର ଚେଷ୍ଟା କରବେନ । ‘ନିଜେର ପାଯେ କୁଡ଼ିଲ ମାରା’ ଏହି ପ୍ରବାଦ ବାକ୍ୟ
ଆପନାର ଉପର ଚାରିତାର୍ଥ ହବେ । ମାମଳା-ଦ୍ୱାରା ହାରେର ଭୟ ଥାକବେ ।

ଚନ୍ଦ୍ରେର ଅଶୁଭତ୍ୱ କମ କରତେ ନିମ୍ନଲିଖିତ ଉପାୟ କରନ୍ତି ।

ଉପାୟ :

- ନୀମ ଗାଛେର ଜଳ ଘରେ ରାଖୁନ ବା ଆକାଶେର ବରଫ (ଶିଲାବୃତ୍ତିର ବରଫ) କାଚେର ବାସନେ ଘରେ ରେଖେ ଦିନ ।
- ୧୬ ଲିଟାର ବର୍ଷାର ଜଳ କାନେସ୍ତରେ ଭରେ ୪ଟି ବିଶୁଦ୍ଧ ରମ୍ପାର ଚୌକୋ ଟୁକଡ଼ୋ ଏର ମଧ୍ୟେ ଢିଲେ ଘରେ ରାଖୁନ ।

ମଞ୍ଜଳ

ଆମେନାନ୍ଦବିଷ୍ଣ୍ଵାଜ୍ଞାନୁଭବିତକର୍ମକ୍ଷମ୍ଭେ ଏହି ବଚର ଆପନାର ମୁଖ ଦିଯେ
ଅନ୍ତକ୍ଷାନ୍ତରିତତହେ, ଯା ଆପନାର ଜନ୍ୟ କ୍ଷତିକାରକ ହବେ । ଭାଇୟେଦେର ମଧ୍ୟେ ସଦି ଆପନି ବଡ଼ ହନ
ତେ ଆପନାକେ ସଂଘର୍ଷ ଓ ତାଗ କରତେ ହବେ । କୋନୋ କାଜ ଅର୍ଧେକ ଛାଡ଼ିବେନ ନା, କାରଣ ତାହଲେ ସେହି କାଜ ପୂର୍ଣ୍ଣ
ହୁବେହୋତେ ଶିରମ୍ମାଲ୍ୟେ ପାଓୟା ବସ୍ତ ବା ଦାନ ଆପନାର ଫଳବେ ନା । ମାନସିକ ଉତ୍ୱକ

ମଞ୍ଜଳିକା ଉତ୍ୱାଭ୍ୟକ୍ରମକ୍ରମ କରତେ ନି

ଉପାୟ :

- ବଡ଼ ଭାଇ ଜୀବିତ ଥାକଲେ ଲାଲ ରାମାଲ କାଚେ ରାଖୁନ ।
- ଭାଇ ବା ଶ୍ୟାଲକେର ସେବା କରନ୍ତି ।

বুধ

আঝোন্নাস্ত বৰ্ষকুস্তকীলেগেবুশ্ট বছর আপনার পিতা
ধন লাভ হবে, আপনার জ্ঞানের বিষয়ে বেশি রচি থাকবে। কথা বলতে-বলতে সেই কথা বদলে দেওয়া
আপনার অভ্যাস হয়ে যেতে পারে। নিজের ভাগ্য পরিবর্তনের জন্যে আপনাকে অনেক পরিশ্রম করতে হবে।
এ বছর হাজির-জ্ঞানাপনার মধ্যে বিদ্যমান থাকবে।

-পিতামহের থেকে

মুঁয়েরিশুভ্রভৃদ্ধি বৰ্জন্তু ক্রিবন।

বর্জিত কার্য :

১. সবুজ রং নিয়ন্ত্রণ।
২. সুতো-তাবিজ, জল, বিভূতি ইত্যাদি থেকে দূরে থাকুন।
৩. তোতা, ভেড়া-ছাগল পালবেন না।

বৃহস্পতি

আঝোন্নাস্ত বৰ্ষকুস্তকীলেগেবুশ্ট এই বছর আপনার ঘরে মন্দির স্থাপনা
করে পূজা করা অর্থ ও পরিবারের জন্য অশুভকারক হবে। ঘরে মন্দির রাখা ক্ষতিকারক হলেও দেওয়ালে
ধার্মিক চিত্র লাগিয়ে পূজা-পাঠ করতে পারেন। ভবঘুরে সাধুদের সংগ আপনার ভাগ্য খারাপ করবে ও জীবনে
অহেতুক ওঠা-পড়ার সম্মুখীন হবেন। মামা ও সন্তানদের চিন্তা থাকবে। অসৎ লোকের সংগ ত্যাগ করুন।

গুরুর অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. বিশুদ্ধ সোনা ও 'রতি বীজ' হলুদ কাপড়ে বেঁধে ঘরে রাখুন।
২. আপনি বিবাহিত হলে আপনার স্ত্রী নিজের মায়ের কাছ থেকে কিছু না কিছু জিনিয় নিয়ে আসা আপনার
উভয়ের জন্যই শুভ।

শুক্র

আপনার বৰ্ষ কুস্তলীতে শুক্র দৃষ্টে থাকায় এ বছর আপনার বুদ্ধি বিভ্রম হতে পারে। পত্নীর
পায়ে বা গোড়ালিতে ব্যথা হতে পারে, পত্নীর সাথে ঝাগড়া করবেন না। কাম শক্তির দুর্বলতা বা আপনার
স্ত্রীর অঙ্গে কোনো রোগ হতে পারে, পুত্র সন্তানের জন্য দুশ্চিন্তা থাকবে। অর্থ চুরি হতে পারে বা হারিয়ে
যেতে পারে, যার পিছনে কোনো মহিলার হাত থাকবে। সমাজে আপনার প্রতিষ্ঠা নষ্ট হতে পারে।

মুঁয়েরিশুভ্রভৃদ্ধি করতে নি

উপায় :

১. পত্নী লাল অযুধ ব্যবহারে নিজেকে সুস্থ রাখতে পারেন।
২. নিটোল বিশুদ্ধ রংপো ঘরে রাখবেন না।

শনি

আঝেনাম্বাৰবির্ষ্টকুস্তমীৰ কাৰণে এই বছৰ আপনাৰ ডাক্তাৰ/কেমিস্টেৱ সম্বন্ধীয় কাজে ক্ষতি হবে। কোনো অস্ত্ৰ-শস্ত্ৰ নিজেৰ কাছে রাখবেন না, রাগেৱ মাথায় আপনি অন্যকে আঘাত কৰতে পাৰেন। চোৱ-ডাকাতেৱ সংগ ত্যাগ কৰল। অন্য লোকেদেৱ সাথে বাগড়া কৰা আপনাৰ জন্য শুভ হবে না। বাড়ী/সম্পত্তি বিক্ৰী হয়ে যেতে পাৰে, তবে কিছু সময় পৱে আপনি সবকিছু আবাৱ ফেৰত পাৰেন।

মনিয়িঅষ্টুক্ষাৰক্ষণকৰণতে নি

উপায় :

১. কালো গৱৰ সেবা কৰল।
২. মাটিৰ বাসনে মধু ভৱে একাম্বে রেখে দিন।

বৃহৎ

আঝেনাম্বুভ বৰ্ষাকেন্দ্ৰীয়স্থানথাকাৰ কাৰণে এই বছৰ আপনি মামাৰবাড়ী বা শবশুৰবাড়ী থেকে লাভ প্ৰাপ্ত কৰবেন। ভাগ্যেৰ অবস্থা দেলনাৰ মত উপৱনীচে হতে থাকবে যা কখনও শুভ কখনও অশুভ ফল দেবে। চুৱিৰ জিনিয় নিজেৰ কাছে রাখা থেকে সাবধান হন, অপবাদ লাগাব ভয় আছে। দান ও বিনা মূল্যে উপহাৱ নেওয়া থেকে বিৱত থাকুন। আপনাৰ ধন কোষ বৃদ্ধি প্ৰাপ্ত হবে।

মনিয়িক্ষুভৰ্ত্তাৰ্থমিহেচুনিকৰণ।

বৰ্জিত কাৰ্য :

১. সাট্ৰা, জুয়া, লটারী ইত্যাদি খেলবেন না।
২. ধৰ্ম স্থান বা মন্দিৱে বসবাস কৰবেন না বা যাবেন না।

কেতু

আঝেনকৰবির্ষ্টকুস্তমীৰ কাৰণে এই বছৰ আপনাৰ পৱিবাৱে কাৱো। সন্তান যোগ থাকলে পুত্ৰেৱ পৱিবৰ্তে কল্যাণ সন্তান জন্মানোৱ যোগ প্ৰবল। যাত্ৰায় ক্ষতিৰ সম্ভাবনা আছে। স্থায়ী কাজ/চাকুৱী অধিক লাভজনক। কৰ্মস্থলেৱ পৱিবৰ্তন বা বিদেশ যোগ থাকলেও আপনাকে ১০০ দিনেৱ মধ্যে ফেৰত আসতে হবে। ট্ৰান্সফাৱ হলেও তা নিৱস্ত হবে।

মনিয়িঅষ্টুক্ষাৰক্ষণকৰণতে নি

উপায় :

১. লাল রঞ্জাল নিজেৰ কাছে রাখুন।
২. কালো-সাদা কুকুৱেৱ সেবা বা পালন কৰল।

বৰ্ষ কো শুভ বনানে হেতু বৰ্ষাৰস্ত মেং উপায়বিধি

* বাঁশিৰ মধ্যে চিনি ভৱে নিৰ্জন স্থানে পুঁতে দিন বা কালো গৱৰ সেবা কৰল।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিতর করুন/শুরু করুন।)



X-35, Okhla Phase II, New Delhi - 110020 Ph. 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2029-2030

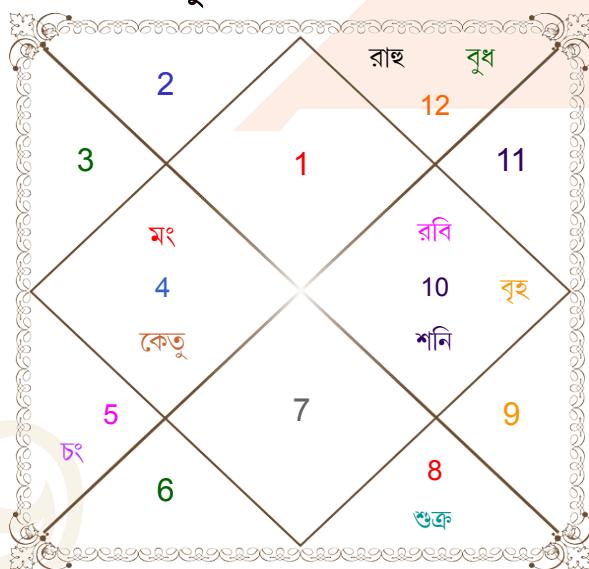
ବର୍ତ୍ତମାନ ସଙ୍ଗ - 29
ବର୍ତ୍ତମାନ ଦଶା - ରାବି

ପ୍ରତିକାଳ	ଅଞ୍ଚଳ	ଶୋଯା	ଧର୍ମୀ	ନେକ/ମନ୍ଦା
ରାବି	ହାଁ	—	—	ମନ୍ଦା
ଚଂ	—	ହାଁ	—	ନେକ
ମଂ	—	—	—	ମନ୍ଦା
ବୁଧ	—	—	—	ମନ୍ଦା
ବୃଦ୍ଧ	ହାଁ	—	—	ମନ୍ଦା
ଶୁକ୍ର	—	—	—	ମନ୍ଦା
ଶନି	ହାଁ	—	ହାଁ	ମନ୍ଦା
ରାହୁ	—	—	—	ନେକ
କେତୁ	—	—	ହାଁ	ମନ୍ଦା

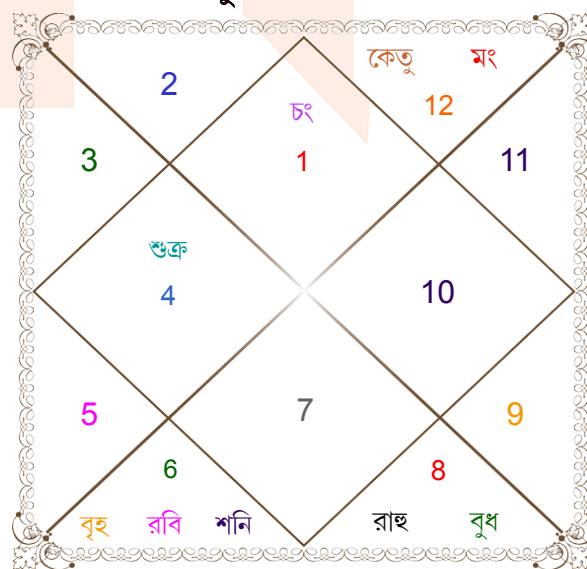
ଭାବ ଅବଶ୍ୟକ

ଖାଲା	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
ଶୋଯା	ହାଁ	—	ହାଁ	—	—	ହାଁ	ହାଁ	—	—	—	ହାଁ	—

ବର୍ଷ କୁଣ୍ଡଳୀ 2030



ବର୍ଷ ଚମ୍ପା-କୁଣ୍ଡଳୀ 10



ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2029-2030

ରବି

ଜନ୍ମମାର୍ଗାବଳୀରେ କୁର୍ରନେ, ଏ ବହୁ ଆପନି ଆପନାର ଦୁର୍ବଲତା ଓ ସ୍ଵଭାଗତ ବିଷୟ କାଟିକେ ପ୍ରକାଶ କରିଲେ, ସେଇ ସ୍ଵଭାବ ଆପନାର କଥା ସବାଇକେ ରଢିଯେ ଆପନାର ସର୍ବନାଶ କରାର ଚେଷ୍ଟା କରତେ ପାରେ । ମେଶିନାରି ଓ କାଠେର କାଜ କରିଲେ କ୍ଷତି ହତେ ପାରେ । କ୍ୟାଲା-ବିଦ୍ୟୁତେର କାଜେ ଅଧିକ ଲାଭ ହବେ ନା । ଏ ବହୁ ପିତାର ସୁଖ କମ ହେଁଯା ବା ପିତାର ଥେକେ ଲାଭ ନାହିଁ ହତେ ପାରେ । ଢାଖେ କେଷ୍ଟର ଭୟ ଆଛେ ।

ମୂଲ୍ୟାଙ୍କନ କରନ୍ତୁ ନି

ଉପାୟ :

- ପୈତୃକ ବାସନ୍ତରେ ହ୍ୟାନ୍ ପାମ୍‌ପ ଲାଗାନ ।
- ମାଥାଯ ସାଦା ଟୁପି ପରଳ ବା ପାଗଡ଼ୀ/ସ୍କାର୍ଫ ବାଁଧୁନ ।

ଚନ୍ଦ୍ର

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁନ୍ଡଲୀତେ ଚନ୍ଦ୍ର ୫ମେ ସ୍ଥାନେ ଶୁଭ ଭାବେ ଥିଲା । ଏହି କାରଣେ ଏହି ବହୁ ଆପନାର ପରିବାରେର ଲୋକେଦେର ସୋନା-ରୂପୀର ଲାଭ ହବେ, ବିଦ୍ୟା ଲାଭଓ ହବେ, ଆପନି ଅନ୍ୟେର କଷ୍ଟ ନିଜେର ଉପର ନେବେନ, ପରୋପକାର କରବେନ । ଲଡ଼ାଇ-ବାଗଡାଇ ଆପନି ଯାର ସାଥ ଦେବେନ ସେଇ ସ୍ଵଭାବର ଜିତ ହବେ । ଆପନାର ପ୍ରଭୁତ ପ୍ରତିପନ୍ତି ହବେ ଓ ସମାଜେ ଆପନାର ମାନ-ସମ୍ମାନ ବାଢ଼ିବେ ।

ଚନ୍ଦ୍ରର ଶୁଭତ୍ୱ ବୃଦ୍ଧିର ଜନ୍ୟ ନିମ୍ନଲିଖିତ କାର୍ଯ୍ୟ ପରିତ୍ୟାଗ କରନ୍ତ ।

ବର୍ଜିତ କାର୍ଯ୍ୟ :

- ସବ କାଜେ କାରୋ ନା କାରୋ ପରାମର୍ଶ ଅବଶ୍ୟକ ନେବେନ ।
- ପାପ କାଜେ କୋନୋ ହୃଦୟକ୍ଷେପ କରବେନ ନା ।

ମଞ୍ଜଳ

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁନ୍ଡଲୀତେ ମଞ୍ଜଳ ୪ରେ ଅବସ୍ଥିତ । ଏହି ବହୁ ଆପନାର ନାନୀ/ମାତା/ସାସ ଯା ପତ୍ନୀ କା ସ୍ଵାସ୍ଥ୍ୟ ଖରାବ, ବିବାହ/ଗୃହମୁଖ ଜୀବନେ ଦୁର୍ଭାଗେର ସନ୍ତ୍ଵାନା ଆଛେ । ଚାଲ-ଚଳନ ଖାରାପ ବା ଅନୈତିକ ସମସ୍ତ୍ର, କାରବାରେ ଅସୁବିଧାର ମୃଣିତ କରତେ ପାରେ । ପୁତ୍ର-କନ୍ୟାର ସୁଖ ପାବେନ ନା, ସୁଖେର କ୍ଷେତ୍ରେ ବାଧାର ସକ୍ଷେତ୍ର ଆଛେ । ବାହନ ଚାଲାବାର ସମୟ ସାବଧାନ ଥାକବେନ । ପରିବାରେର ମଧ୍ୟେ କୋନୋ ମା-ଠାକୁମା-ଦିଦିମା-ଶାଶୁଦ୍ଧୀ, ପତ୍ନୀ ଇତ୍ୟାଦି କାରୋର ବଡ଼ ଅପାରେଶନ ହୋତେ ପାରେ ।

ମନ୍ଦିରିକ ଉତ୍ସାହକରନ୍ତ ନି

ଉପାୟ :

- ହାତିର ଦାଁତ ସଙ୍ଗେ ରାଖୁନ ।
- ମାକାଳେ ଉଠେ ଦାଁତ ଜଳ ଦିଯେ ସାଫ କରନ୍ତ ।
- ମା ବା ମାତୃସ୍ଥାନୀୟା ମହିଳା ବା ବାଁଦିର ଅଥବା ସାଧୁର ସେବା କରନ୍ତ ।

বুধ

আপনার বর্ষ কুণ্ডলীতে বুধ ১২ শে থাকার কারণে এ বছর মাদক দ্রব্যের ব্যবহারের ফলে অপশন্দ উচ্চারণ করে বিপদে পড়বেন। সাটো/জুআ, লটারী, শেয়ার ইত্যাদি ব্যবসায় আপনার অনুকূল হবে না। অম বা অঙ্গনতার কারণে আপনার লোকসান হতে পারে।

মুঁয়েরি অনুভূতিক্ষয় কর্মকরণে নি

উপায় :

- স্টীলের বেজোড় আংটি বাঁ হাতের কনিষ্ঠা বা মধ্যমা আঙ্গুলে পরুন।
- খালি ঘড়িয়ে ঢাকনা লাগিয়ে জল প্রবাহ করুন।

বৃহস্পতি

আর্থন্য রেখে কুণ্ডলীতে বছর আপনার বিদ্যা সম্বন্ধীয় কাজে অধিক লাভ হবে না। দিবাস্বপ্ন দেখা আপনার স্বভাব হয়ে যাবে, দিবাস্বপ্ন দেখা বন্ধ করে আপনি সময়ের সন্দুপযোগ করুন। সাধু-শ্বন্তাছর কষ্টে লিঙ্গে ক্ষতি দিলে আপনার ক্ষতি হবে। সন্তানের চিন্তা, পিতা-ঠাকুরদাদার স্বাস্থ্য খারাপ থাকতে পারে।

গুরুর অশুভত্ব কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

- গুর/সাধুদের সেবা করুন বা অশুখ গাছে জল ঢালুন (রবিবার দিন ছাড়া)।
- প্রতিদিন তামার পয়সা ৪৩ দিন অবধি বহমান জলে ঢালুন।

শুক্র

আপনার বর্ষ কুণ্ডলী শুক্র ৮মে অবস্থিত। এই কারণে এই বছর আপনার গুপ্ত রোগ হওয়ার ভয় আছে। চাল-চলন ঠিক রাখুন নতুনা পত্নীর স্বভাবে কটুতা বাঢ়তে পারে। পত্নীর সঙ্গে বাগড়া করবেন না আপনার জন্য হার ও ক্ষতির কারণ হবে। পত্নীর সমস্ত কথা বিনা প্রতিবাদে মেনে নিন কিন্তু নিজের মতামতের প্রাথান্য রাখবেন। আপনার দ্বারা দেওয়া কারো জমানত আপনাকে ভরতে হবে।

মুঁয়েরি অনুভূতিক্ষয় কর্মকরণে নি

উপায় :

- নোংরা নর্দমায় তামার পয়সা বা ফুল ফেলুন।
- ধর্মস্থানে নিয়মিত মাথা টেকান।

শনি

অঞ্চলিক কর্মসূলীতে আপিনি মদ্যপান বা মাংস

-মাছ গৃহণ করলে

অবনতি হবে বা উচ্চপদ-হীনত হতে পারেন। দোড়াদোড়ির কাজে আপনার ক্ষতি হবে। আগ্নেয়াস্ত্র বা হাতিয়ার থেকে দুরে থাকুন। কোনো অস্ত্র-শস্ত্র নিজের কাছে রাখবেন না। গৃহ-কর্মচারী ও শ্বশুরবাড়ীর লোকদের থেকে সতর্ক থাকুন। বাস্থান-সম্পত্তি সম্বন্ধে চিন্তা থাকবে।

মনিকি অশ্বত্থাকরণকরতে নি

উপায় :

১. আগেয় অস্ত্র বা হাতিয়ার নিজের কাছে রাখবেন না।
২. মাথায় টিকি/শিখা রাখুন বা কপালে কেশেরের তিলক করুন।

রাষ্ট্র

অংশোরু অর্ঘ্যাকুলীকরণশৈলী এই বছর আপনার অর্থ শুভ কাজে বা বিবাহাদি কারণে খরচ হতে পারে। যদি আপনার উপর খণ্ডের বোঝা থাকে তাহলে তা মিটে যাবে। আপনার শত্রু দুর্বল হবে। আধ্যাত্মিক বিচার আপনাকে কোনো লাভ দেবে না। নিজের ক্ষমতায় আপনি নিজের সম্পত্তি কাজ উদ্ধার করবেন। রাত্রে সুখে নিদ্রা যাবেন ও সুখ সামগ্ৰী উপভোগ করবেন।

মনিকি অশ্বত্থাকরণকরতে নি

বর্জিত কার্য :

১. রান্নাঘরের বাইরে বসে খাবার খাবেন না।
২. ঘরের উঠানে খেঁয়া করবেন না।

কেতু

জ্ঞানেন্দ্রিয়াবিষ্ঠা ক্ষুস্তিকৃত রোগ এই বছর আপনার সিরদাঁড়া বা হাঁটু ইত্যাদিতে যত্নগা, শুগর/প্রশ্নাবের রোগ হতে পারে। মায়ের জন্য চিন্তা থাকবে বা তাঁর কষ্ট হতে ক্ষয়রোগুর সম্ভাবনা আছে। পুত্র সন্তান সম্বন্ধে দুশ্চিন্তা থাকবে। কুল পুরোহিতের সঙ্গে সুসম্বন্ধ পুত্র চিন্তা দূর করবে। কুকুরে কামড়াবার ভয় থাকবে। যাত্রায় বাধা বা ক্ষতি হতে পারে।

মনিকি অশ্বত্থাকরণকরতে নি

উপায় :

১. ছোলার ডাল ও কেসর মন্দিরে/ধর্মস্থানে দান করুন।
২. কুল পুরোহিতকে অন্ন, বস্ত্রাদি দান করে আশীর্বাদ নিন। যদি কুল পুরোহিত না থাকেন তাহলে ৪ কিলো ছোলার ডাল মাসে দুমাসে মন্দিরে/ধর্মস্থানে দান করুন।

বর্ষ কো শুভ বনানে হেতু বর্ষার মেং উপায়বিধি

* তামার পয়সা বা ফুল নোংরা নর্দমায় ঢালুন।

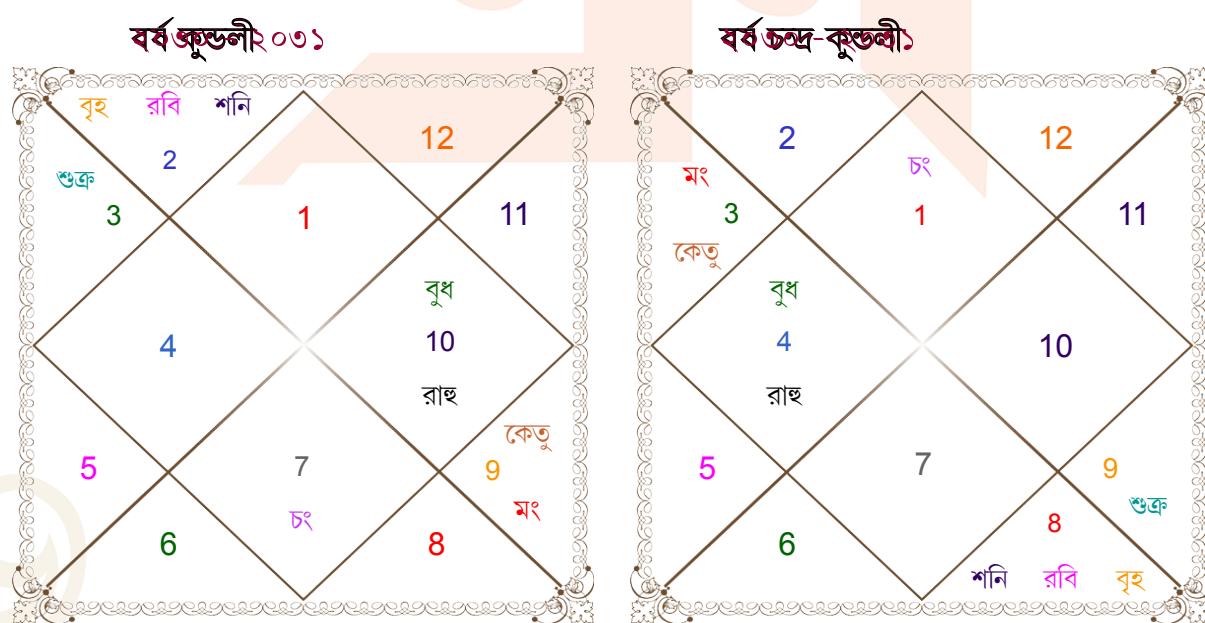
(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিত্তির করুন/শুরু করুন।)

ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2030-2031

ବର୍ତ୍ତମାନ ସଙ୍ଗ - 30
ବର୍ତ୍ତମାନ ଦଶା - ରାବି

ପ୍ରତିଶୀଳ	ଅଞ୍ଚ	ଶୋଯା	ଧର୍ମୀ	ନେକ/ମନ୍ଦା
ରାବି	--	ହାଁ	--	ନେକ
ଚଂ	--	--	--	ନେକ
ମଂ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ବୁଧ	--	--	--	ନେକ
ବୃଦ୍ଧ	--	--	--	ନେକ
ଶୁକ୍ର	--	--	--	ମନ୍ଦା
ଶନି	--	ହାଁ	ହାଁ	ମନ୍ଦା
ରାହୁ	--	--	--	ନେକ
କେତୁ	--	--	--	ମନ୍ଦା

ଖଳା	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
ଶୋଯା	ହାଁ	--	--	ହାଁ	ହାଁ	--	--	ହାଁ	--	--	--	ହାଁ



ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2030-2031

ରାବି

ଅଧିକାରୀଙ୍କ ବର୍ଷଫଳ କୁଣ୍ଡଳୀତେ ଶୂନ୍ୟ ଅତୀବ ଶୁଭ । ଯେ କାରଣେ ବର୍ତ୍ତମାନ ବର୍ଷେ ଆପନାର ପରିବାରେର ଉନ୍ନତି ହେବ । ଆପନାର ଭାଇ-ବନ୍ଧୁର ଜନ୍ୟେ ଉନ୍ନତିକାରକ ହେବ, ଉତ୍ତମ ବାହନ ସୁଖ ପାବେନ, ଧାର୍ମିକ କାର୍ଯ୍ୟ ଅଗ୍ରଣୀ ହେବେ, ସମାଜ ସେବା କାର୍ଯ୍ୟେ ରାଚି ଥାକବେ, ସରକାରୀ ବିଭାଗ ଥେକେ ଲାଭ ହେବ ଏବଂ ସରକାରୀ ଅଧିକାରୀଦେର କାଛ ଥେକେ ମାନ-ସମମାନ ପାବେନ, ଦାନ-କୁଣ୍ଡଳୋତ୍ତମନ ।

ମୂଲ୍ୟାନ୍ତିକ ଭୂତତ୍ୱ କର୍ତ୍ତ୍ଵ ନି

ପରହେଜ :

୧. ଉପହାର ହିସାବେ ବା ବିନା ମୂଲ୍ୟେ କୋଣୋ ବସ୍ତ୍ର ଗୃହଣ କରବେନ ନା ବା ଦାନ ନେବେନ ନା ।
୨. ବିନା ପରିଶ୍ରମେର ବସ୍ତ୍ର ସଂଘର୍ଷ ବା ଅନ୍ୟେର ଜିନିସ ହମ୍ତଗତ କରାର ଚେଷ୍ଟା କରବେନ ନା ।

ଚନ୍ଦ୍ର

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁଣ୍ଡଳୀତେ ଚନ୍ଦ୍ର ୭ମେ ଶୁଭ । ଏହି ବହୁ ଆପନାର ମାତା-ପିତାର ଅଧିକ ଧନ ଲାଭ ହେବ । ଆପନାକେ କାରୋ କାହେ ହାତ ପାତତେ ହେବେ ନା । ଜ୍ୟୋତିଷ ବିଦ୍ୟା, ଯୋଗଭ୍ୟାସ ଏବଂ କବିତାର ଶଖ ହେବ । ଜଳ ସମ୍ବନ୍ଧିତ କାଜେ ଲାଭ ହେବ । ନତୁନ ବିଷୟେର ଖୋଜ କରତେ ପାରେନ, ବିଦେଶ ଯାତ୍ରା ବା ବିଦେଶ ସମସ୍ତକୁ କାଜେ ଲାଭ ହେବ ।

ଚନ୍ଦ୍ରେର ଶୁଭତ୍ୱ ବ୍ୟକ୍ତି ହେତୁ ନିମ୍ନଲିଖିତ କାର୍ଯ୍ୟ ପରିତ୍ୟାଗ କରନ ।

ବର୍ଜିତ କାର୍ଯ୍ୟ :

୧. ଚାଲ-ଚଳନ ଠିକ ରାଖୁନ ଏବଂ ଅନୈତିକ ସମସ୍ତ ରାଖବେନ ନା ।
୨. ଦୂର ଓ ଜଳେର ବ୍ୟବସା କରବେନ ନା ।

ମଞ୍ଜଳ

ଜ୍ୟୋତିଷକର୍ମ କୁଣ୍ଡଳୀତେ ମଞ୍ଜଳର ପିତାର ସଙ୍ଗେ ବାଗଡ଼ା ବା ପିତାର ଥେକେ ଦୂରତ୍ବ ତୈରି ହେବ, ଭାଇ ଓ ଭାଇୟେର ପତ୍ନୀର ସଙ୍ଗେ ଆପନାର ସମସ୍ତ ଭାଲୋ ହେବେ ନା, ଉପରାନ୍ତ କ୍ଷତି ହତେ ପାରେ । ଧର୍ମର ବ୍ୟାପାରେ ଆପନାର ବିରଦ୍ଧ ମନୋଭାବ ତୈରି ହେଯାଯା ଆପନି ନାସ୍ତିକତାବାଦେର ଓକାଲତି କରବେନ । ଆପନାର ଛୋଟୋ ଲୋକେଦେର ସଙ୍ଗେ ସମସ୍ତ ତୈରି ହତେ ପାରେ, ଯାର ଫଳେ ଆପନି ଲାଭ ପେତେ ପାରେନ ।

ମଞ୍ଜଳର ଉତ୍ସାହବର୍କରମା କରତେ ନି

ଉପାୟ :

୧. ଭାଇୟେର ସ୍ତ୍ରୀର ସେବା କରନ ।
୨. ଲାଲ ରଙ୍ଗେର ଝମାଳ ନିଜେର କାହେ ରାଖୁନ ।

ବୁଧ

ଜ୍ୟୋତିଷକର୍ମ କୁଣ୍ଡଳୀତେ ବୁଧବର୍ଷ ବିଦେଶ ଯାତ୍ରା ବା ବିଦେଶ ସମସ୍ତକୁ କାଜେ ଲାଭ ହେବ । ପିସି, ମେସେ, ଶାଲୀ, ବୋନ ଏଦେର ତରଫ ଥେକେ ଖୁଶିର ଘୋଗ ଆଛେ । ଆପନି ଆପନାର ବ୍ୟବହାର

কুর্জনেত্রঃ চিত্তাদ্যন্মেদ অঞ্চলীকৃতির দ্বারা সমস্ত কাজ করিয়ে নেবেন, অনেক বিদ্যা পরিবার ও আপনার আর্থিক শিহতিও ভালো হবে।

মুঞ্চেয়ি শুভ্রজাক্ত্যজ্ঞেণিনা।

বর্জিত কার্যঃ

১. সবুজ রং নিষেধ।
২. তুলসী, মানি প্লান্ট ইত্যাদি গাছ-পালা ঘরে লাগাবেন না।
৩. মদ্যপান জাতীয় নেশা ইত্যাদি করবেন না। মাছধরা বা মাছ খাওয়া বন্ধ করুন।

বৃহস্পতি

আরম্ভক্রয়াবশুভ্রুঞ্চলীতে কারণে এই বছর আপনার হঠাতে ধন লাভ যোগ দেখা যায়। আপনার ভবিষ্যতে কিছু হওয়ার আভাস পূর্বেই হয়ে যাবে, আপনি শিক্ষা ও জ্ঞানের দ্বারা লোকের পথ-প্রদর্শন করবেন। আপনার সমস্ত কাজ স্বত্ত্বই চলতে থাকা সন্তোষ আপনার ব্যর্থ চিন্তা থাকবে। স্ত্রী ও সরকার বা সরকারী বিভাগের তরফ থেকে লাভ পাবেন।

গুরুর শুভত্ব বৃদ্ধির জন্য নিম্নলিখিত অভ্যাস বর্জন করুন।

বর্জিত কার্যঃ

১. স্বর্ণকার বা জল্লীর কাজ করবেন না।
২. চাল চলন ঠিক রাখনু এবং অনৈতিক সম্বন্ধ রাখবেন না।

শুক্র

তাঙ্গানঞ্জবধির্ষাকুত্তলীয়ত্ব শুক্র বছর রঙ
আপনার জন্য ক্ষতিকারক হবে। আপনার পত্নীর ক্রেতে বৃদ্ধি হতে পারে। খারাপ চাল-চলনে অর্থ-হানি ও মান-সম্মান নষ্ট হওয়ার সম্ভাবনা আছে। সন্তানের চিন্তা বা সন্তানের শারীরিক কষ্ট ভোগ হতে পারে। আপনাকে অন্যের ঘরে বসবাস করতে হতে পারে।

মুঞ্চেয়ি অন্তুঞ্চল্য করুন্নকরতে নি

উপায়ঃ

১. পত্নী বা মহিলাদের সেবা করুন।
২. মঙ্গলকারী বস্ত্র উপযোগ করুন।

শনি

আপনার বৰ্ষ কুড়লীতে শনি ২য়ে থাকার কারণে এই বছর আপনার মাদক দ্রব্যের ব্যবহার, নেশা করা উচিত হবে না। সাপে কামড়ানোর ভয় ও বিষাক্ত খাদ্য গৃহণের থেকে সতর্ক থাকুন। জুয়া/সাট্টা/লটারী ইত্যাদি কাজ ভালো করে ভেবে চিন্তে করুন। এর থেকে বেশী লাভের আশা নেই। মশুরবাড়ীর ক্ষতির ভয় আছে। যা উপহার আপনি এই বছর শবশুরবাড়ী থেকে পাবেন তা বিক্রী হয়ে যেতে পারে।

মনিয়ি অশ্টুপাহ্ন করণকরতে নি

উপায় :

১. খালি পায়ে ধর্মস্থানে যান।
২. মাথায় দুধের তিলক করুন।

রাত্রি

অগ্নমোরশুভ্রবর্ষাক্রমকীট্টেরঞ্জেহ এই বছর আপনার সমস্ত কাজ প্রশংসনীয় হবে। সরকারী বিভাগে কার্যরত থাকলে উচ্চপদ প্রাপ্তি বা সরকার দ্বারা লাভান্বিত হবেন। আপনার মাথার চুল সাদা হোলে বা সাদা হওয়া শুরু হোলে আপনার উন্নতির সম্ভাবনা বাঢ়বে। আপনার চারিত্রিক শক্তি ও মান-সম্মান বৃদ্ধি প্রাপ্ত হবে।

মন্ত্রিক্ষুভ্রবর্ষক্রিয়েতু মী।

বর্জিত কার্য :

১. মাথার উপর সূর্যের রশ্মি না পড়ে অর্থাৎ মাথা ঢেকে রাখুন।
২. কোনো উচ্চাধিকারীর সঙ্গে ঝগড়া/মতবিরোধ করবেন না।

কেতু

জ্যোতিষবিষ্ণুক্রুত্বাক্রমকীটে কলচুণ এ বছর চোর স্পর্ক রাখা ক্ষতিকারক। চালচলন খারাপ বা অনেতিক সম্বন্ধ আপনার সন্তানকে কষ্ট দেবে। পুত্র সন্তানের চিন্তা থাকবে বা পুত্র সুখে বচিত হবেন। অর্থ চিন্তা থাকবে, স্থান পরিবর্তন হলেও উন্নতি বাধাপ্রাপ্ত হবে।

মন্ত্রিক্ষুভ্রবর্ষাক্রমকরণতে নি

উপায় :

১. বিশুদ্ধ সোনার দুল কানে পরুন।
২. বিশুদ্ধ সোনার ২টি ইট ঘরে রাখুন।

বর্ষ কো শুভ বনানে হেতু বর্ষারম্ভ মেং উপায়বিধি

* খালি পায়ে ধর্মস্থানে যান বা সাপকে দূধ খাওয়ান।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিত্তির করুন/শুরু করুন।)

-ডাকাতের সাথে স

ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2031-2032

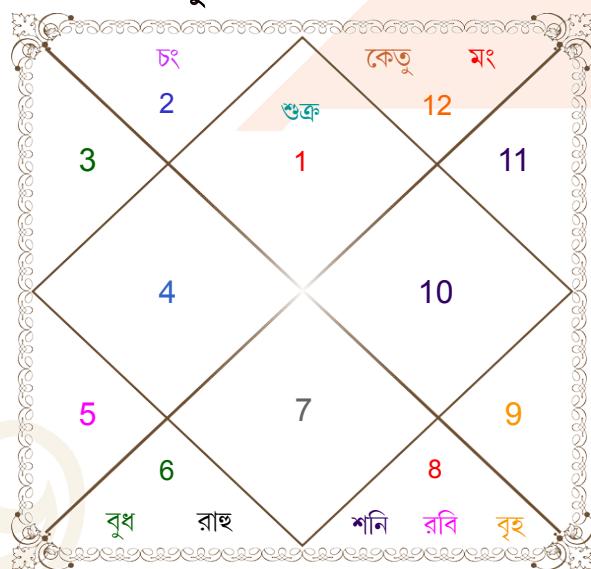
ବର୍ତ୍ତମାନ ସଙ୍ଗ - 31
ବର୍ତ୍ତମାନ ଦଶା - ରାବି

ପ୍ରତିକାଳ	ଅଞ୍ଚ	ଶୋଯା	ଧର୍ମୀ	ନେକ/ମନ୍ଦା
ରାବି	--	--	--	ନେକ
ଚଂ	--	--	--	ନେକ
ମଂ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ବୁଧ	--	ହାଁ	--	ନେକ
ବୃଦ୍ଧ	--	--	--	ନେକ
ଶୁକ୍ର	--	ହାଁ	--	ମନ୍ଦା
ଶନି	--	--	ହାଁ	ମନ୍ଦା
ରାହୁ	--	ହାଁ	--	ନେକ
କେତୁ	--	--	--	ମନ୍ଦା

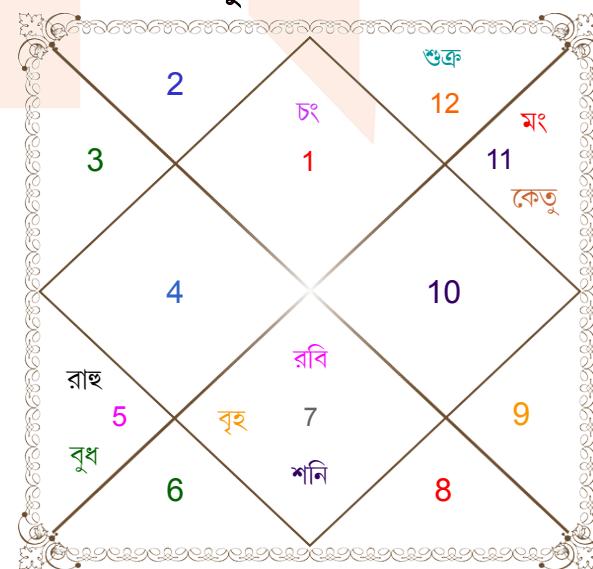
ଭାବ ଅବସ୍ଥାନ

ଖାଲା	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
ଶୋଯା	--	--	ହାଁ	ହାଁ	ହାଁ	--	--	--	ହାଁ	ହାଁ	--	--

ବର୍ଷକୁଣ୍ଡଲୀ 2032



ବର୍ଷକୁଣ୍ଡ-କୁଣ୍ଡଲୀ 2



ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2031-2032

ରାବି

ଜ୍ଞାନେନ୍ଦ୍ରିୟ ସ୍ମୃତି ବହୁମନ୍ତିକୁ ଶ୍ରୀ ବହୁମନ୍ତି ଆପଣି ମୃତ୍ୟୁ ଶ୍ଯାଯ୍ୟ ଥାକା କୋଣୋ ରୋଗୀର କାହେ ବସେ ଥାକାକାଳୀନ ତାର ମୃତ୍ୟୁ ହବେ ନା । ଆପଣାର ସ୍ଵଭାବ ସାଧୁର ମତ ହବେ ଏବଂ ସମସ୍ତ କାଜ ଦାଯିତ୍ୱେର ସଙ୍ଗେ ପାଲନ କରାର ପ୍ରଚେଷ୍ଟା କରବେନ । ଆପଣି ନିଜେର ଦ୍ୱାରା ସମ୍ପାଦିତ ସମସ୍ତ କର୍ମ ଜନଗଣେର ଉପକାରେ ସମପିତ କରବେନ । ସତ୍ୟ ପଥେ ଆପଣାର ପ୍ରଭୃତି ଉନ୍ନତି ହବେ ।

ମୂର୍ଖିଯିଶ୍ଵରକୁ ମୁଦ୍ରିତ କରନ୍ତ ।

ବର୍ଜିତ କାର୍ଯ୍ୟ :

- ରାଜ୍ୟାଧିକାର ଅପବିତ୍ର ରାଖବେନ ନା ।
- ପରମ୍ପରୀର ସଙ୍ଗେ ଅନୈତିକ ସମସ୍ତ ରାଖବେନ ନା ।

ଚନ୍ଦ୍ର

ଆପଣାର ବର୍ଷ କୁନ୍ଡଲୀତେ ଚନ୍ଦ୍ର ୨ୟ ଭାବେ ଶୁଭ । ଅତେବର ବର୍ତ୍ତମାନ ବହୁମନ୍ତି ପୈତୃକ ସୁଖ ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ସୁଖ-ସାମଗ୍ରୀ ପ୍ରାପ୍ତ ହବେ । ପୈତୃକ ସମ୍ପଦି ବା ସମ୍ପଦିର ଅଂଶ ଲାଭ ହବେ । ସାଦା ବନ୍ଦର ବ୍ୟବସାୟେ ଅଧିକ ଲାଭ ପାବେନ । ଭାଇ-ବନ୍ଧୁ ଥିବେଳେ ସୁଖ ଅବଶ୍ୟାଇ ଉପଭୋଗ କରବେନ । ବିଦ୍ୟା ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ବ୍ୟାପାରେ ସଫଲତା ପାବେନ । ଯାତ୍ରାର କାରନେ ବା ପାହାଡ଼ି ପ୍ରଦେଶ ଥିବେଳେ ଲାଭ ହବେ । ଚାଲ-ଚଳନ ଠିକ ରାଖୁନ ।

ଚନ୍ଦ୍ରେର ଶୁଭତ୍ୱ ବୃଦ୍ଧି ହେତୁ ନିମ୍ନଲିଖିତ କାର୍ଯ୍ୟ ବର୍ଜନ କରନ୍ତ ।

ବର୍ଜିତ କର୍ମ :

- ଘରେ ମୂର୍ତ୍ତି ରାଖବେନ ନା ଅଥବା ଘନ୍ଟା, ମିଉଜିକାଲ ଘଡ଼ି ଇତ୍ୟାଦି ବାଜାବେନ ନା (ମେତାନ ସୁଖ ହେତୁ) । କିନ୍ତୁ ଦେଓଯାଲେ ଦେବୀ-ଦେବତାର ଛବି ଲାଗିଯେ ପୂଜା-ପାଠ କରତେ ପାରେନ ।
- ମଦ ଇତ୍ୟାଦି ମାଦକ ବନ୍ଦର ବ୍ୟବହାର କରବେନ ନା ।

ମଙ୍ଗଳ

ଅଞ୍ଚଳୀରୀକର୍ମ୍ୟବୁଝିଲୀବନ୍ଦରମନ୍ତ୍ରକାତା ଖାବାରେର ବେଶି ଶଖ, ଠିକ ନୟ ।

ବୈବାହିକ ଜୀବନେ ଚିନ୍ତା ଥାକବେ, ଆପଣାର ବ୍ୟାପାରେ ମିଥ୍ୟା ଅପବାଦ ଛଢାତେ ପାରେ । ଅସଂସଂଗ ଆପଣାକେ ନୀଚ କାଜ କରାତେ ପାରେ । ଯେ କାରଣେ ଆପଣି ବିନଷ୍ଟ ହତେ ପାରେନ । ଯଦି ଆପଣାର ବଡ଼ ଭାଇ ଥାକେନ, ତାର ଥିବେ ମନ୍ଦ-ବିଚେଛଦ ହତେ ପାରେ ବା ଆପଣାର ମାଥାଯ ଉଣ୍ଟୋ-ପାଣ୍ଟୋ ଚିନ୍ତା ଆସନ୍ତେ ପାରେ ।

ମନ୍ଦିରିକୁ ଉପୁଭୁକ୍ରମକା କରତେ ନି

ଉପାୟ :

- ପ୍ରାତଃରାମେ ଦୂଧ ଦିଯେ ତୈରୀ ହାଲୁଯା ବା ଚିନି ରଙ୍ଗି ଖାନ ।
- ସକାଳେ ଉଠେଇ ମଧୁ ଖାନ ।

বুধ

আপনার বর্ষ কুণ্ডলীতে বুধ ৬ষ্ঠে শুভ তারে অবশ্যিত থাকায় এ বছর আপনার বৌদ্ধিক কার্যে লাভবান হবেন, বিদেশ অঘরের ইচ্ছাও থাকবে, সমুদ্র যাত্রায় লাভ প্রাপ্ত করবেন, কৃষি কার্যেও লাভ যোগ দেখা যায়। বক্ষব্য দেওয়া, এ্যাকাউন্টেন্ট/চার্টার্ড এ্যাকাউন্টেন্ট, লেখনী, প্রিন্টিং সম্বন্ধিত কাজে লাভ হবে। অঞ্চলিকামুস্তরে প্রক্রান্তি হবে। মামারবাড়ী থেকে লাভ পাবেন।

মুালিফি শুভভৃক্ষিণী বর্জন ক্রিয়া।

বর্জিত কার্য :

১. মেয়ে/বোনের বিবাহ নিজের পৈতৃকবাড়ীর উত্তর দিকে করবেন না।
২. সেবক/চাকরদের পর সবসময় নজর রাখুন।

বহুম্পতি

আঞ্চলিকবর্ষু ভুক্তমীক্তোবস্থিত। এই কারণে এই বছর আপনার যদি কোনো শারীরিক কষ্ট হয় তাহলে তা নিজে-নিজেই কেটে যাবে, পিতা-ঠাকুদার সুখ পাবেন, ভাই-বন্ধুরা আপনার ধন উপভোগ করবে। ধন, আয়ুর বৃদ্ধি হবে। গুপ্ত বিদ্যায় রাচি হবে। আপনার কাজে কোনো বাধা আসবে না। যদি আপনি সন্ধান্ত হয়ে যান তাহলেও দুঃখী থাকবেন না।

গুরুর শুভত্ব বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত কর্ম পরিহার করুন।

বর্জিত কার্য :

১. হলুদ বস্ত্রধারী সাধুদের থেকে দূরে থাকুন।
২. ঘরে তুলসী গাছ, ঘন্টা, মূর্তি রাখবেন না।

শুক্র

আঞ্চলিকবিষ্ণু কুণ্ডলীতে কুক্রণে এই বছর আপনার পরিবারের মধ্যে প্রধান হওয়ার চেষ্টা অবনতির কারণ হবে। চাল-চলন খারাপ হলে তা ব্যবসায়ে বা বিদ্যা বিষয়ে ক্ষতিকারক হবে। আপনার কিছু কাজ অসম্পূর্ণ থাকতে পারে। মান-সম্মান বা উচ্চ পদ নষ্ট হতে পারে। পত্নীর ভাগ্য আপনার উপকারে লাগবে না, সন্তানের চিন্তাও থাকবে

মুালিফি অঙ্গুলায় কর্মকরণে নি

উপায় :

১. যব বা সরসে এবং ঘাস পালিত পশুদের খাওয়ান।
২. গরু, কাক ও কুকুরকে নিজের ভোজনের ভাগ দিন।

শনি

আঞ্চলিকবিষ্ণু ক্রুজ্জীততাপমীর বাড়ীতে ফাটল আসতে পারে বা কীটগ্রস্ত হতে পারে। এই ধরনের লক্ষণের পরে আপনার স্মরণ, ব্যবসার বিষয়ে চিন্তা থাকবে। সরকারী বিভাগ ও কর্মচারীদের থেকে কিছু ভয়ের কারণ থাকতে পারে। বন্ধ গলীর সামনের বাড়ীতে বসবাস করবেন

না। নিজের নামে বাড়ী তৈরি/কেনা আপনার শারীরিক কষ্ট বা সমস্যা বৃদ্ধি করতে পারে

ମନ୍ତ୍ରିଯିତାମୁଦ୍ରାଟ୍ୟା କରାରେକାରାତେ ନି

উপায় ০

১. বিশুদ্ধ রংপোর চোকো টুকড়ো নিজের কাছে রাখুন।
 ২. ৮ কিলো বিউলীর ডাল জল-প্রবাহ করুন।

১৪

আপনার বর্ষ কুণ্ডলীতে রাহু দৃষ্টে শুভ থাকার কারণে এই বছর আপনার শত্রু আপনার সামনে অসহায় বোধ করবে। কোনো ব্যক্তির অপরাধের সাজা থেকে আপনি তাকে মুক্ত করাতে পারেন। আপনার মধ্যে অহঙ্কারের ভাবনা আসতে পারে। সবরকম সুখ-সামগ্ৰী, আরামের বস্তু আপনি প্ৰাপ্ত কৰবেন, দেনা থাকলে তা কম হবে অৰ্থাৎ আপনার ধন ও ব্যবসায়ের বৃদ্ধি হবে। আপনি কোনো সংস্থা বা সরকারী বিভাগে উচ্চ পদসীন হবেন।

ମହିଳାଯିକୁ ଅର୍ଥବ୍ୟବିନ୍ଦେଶ୍ଵର କରିଛନ୍ ।

বর্জিত কার্য :

১. চুরি করবেন না। চুরির মাল নেবেন না/নিজের কাছে রাখবেন না।
 ২. ভাইয়ের সঙ্গে ঝগড়া করবেন না।

କେତୁ

অফিশোরাবক্ষর কুষ্টিরীম্পতে এক্সিভিউচর আপনার আঢ়ায় অঙ্গীকৃত সমাজ বিরোধী কাজ করা ঠিক নয়, উকুলে করবে। সন্তানের অবস্থার অবনতির আশঙ্কা আছে। কুকুর কিন্তু ও সন্তানের জন্য ক্ষতিকারক হবে।

-বন্ধুদের সঙ্গে
-ফেরা আপনার উন্নতিতে বাধার সৃষ্টি

ମୁଣ୍ଡପୁରୀ ଅନୁଷ୍ଠାନ କମ୍ପୁଟରରେ ନି

উপায় ১

১. কালো-সাদা কুকুর পালুন বা কম মিষ্টির রুটি খাওয়ান।
 ২. জামাইবাব, শালা ও দোহিত্রের সেবা করুন।

ବର୍ଷ କୋ ଶତ ବନାନେ ହେତୁ ବସ୍ତାରିଣ୍ଡ ମେଂ ଉପାୟବିଧି

* ৱৰপোৱ চৌকো টকড়ো নিজেৰ কাছে রাখন বা বিউলী ডাল জলে প্ৰস্থাতি কৰন।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিত্তির করুণ/শুরু করুণ।)

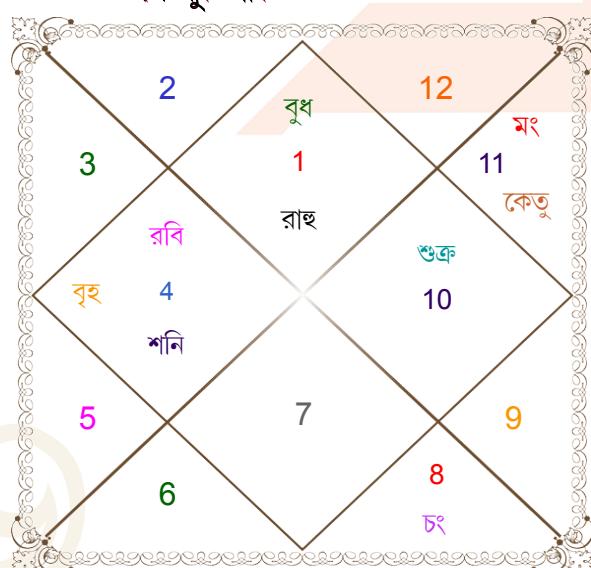
ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2032-2033

ବର୍ତ୍ତମାନ ସର୍ବସ - 32
ବର୍ତ୍ତମାନ ଦଶା - ରାବି

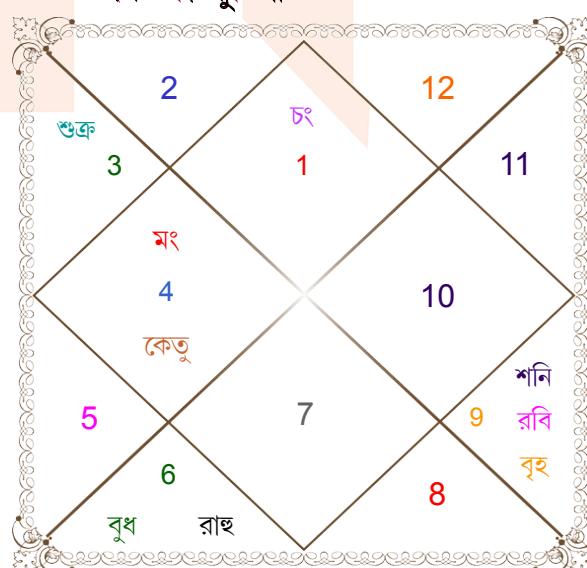
ପ୍ରତିକାଳ	ଅଞ୍ଚ	ଶୋଯା	ଧର୍ମୀ	ନେକ/ମନ୍ଦା
ରାବି	--	--	--	ନେକ
ଚଂ	--	ହାଁ	--	ମନ୍ଦା
ମଂ	--	--	--	ମନ୍ଦା
ବୁଧ	--	ହାଁ	--	ନେକ
ବୃଦ୍ଧ	--	--	--	ନେକ
ଶୁକ୍ର	--	--	--	ମନ୍ଦା
ଶନି	--	--	ହାଁ	ମନ୍ଦା
ରାହୁ	--	ହାଁ	--	ନେକ
କେତୁ	--	--	--	ମନ୍ଦା

ଖାଲା	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
ଶୋଯା	-	--	ହାଁ	--	ହାଁ	ହାଁ	--	--	ହାଁ	--	--	--

ବର୍ଷ ଜ୍ଯୁଣ୍ଡଲୀ 2033



ବର୍ଷ ତତ୍ତ୍ଵ-କୁଣ୍ଡଲୀ 13



ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2032-2033

ରାବି

ଜ୍ଞାନପଦ୍ମହାନେର୍ମର୍ମଶୁଣ୍ଡଳଦାୟକ । ଏହି କାରଣେ ବର୍ତ୍ତମାନ ବହର ଆପନାର ଅର୍ଥେ ଉପଯୋଗ ଅନ୍ୟ ଲୋକେ କରବେ, କିନ୍ତୁ ତାର ଥେକେ ଆପନିଓ ଲାଭ ପାବେନ । ପରିବାରେ ନତୁନ କାର୍ଯ୍ୟ ଶୁଣ ହବେ ଯା ଲାଭଦାୟକ ହବେ । ବଞ୍ଚି ବ୍ୟବସାୟେର ଦ୍ୱାରା ଲାଭ ପ୍ରାପ୍ତ କରବେନ । ରାତ୍ରିବେଳାଯ କରା କାର୍ଯ୍ୟ ଅଧିକ ଲାଭଜନକ ହବେ, ସରକାରୀ ବିଭାଗ ବା ସମ୍ବ୍ୟାଦ୍ରାୟ ଲାଭ ପାବେନ । ମାତା/ଶାଶ୍ଵତୀର ସଙ୍ଗେ ଝଗଡ଼ା କରବେନ ନା ।

ମୂଲ୍ୟାନ୍ତ୍ରିକ ଅର୍ଥବ୍ୟକ୍ତି ବହରକୁଣି

ବର୍ଜିତ କର୍ମ :

- ଚୁରି କରବେନ ନା ଅଥବା ଚୁରି କରାର କଥା ମନେଓ ଆନବେନ ନା ।
- କୋନ ମହିଳାର ସାଥେ ଝଗଡ଼ା କରବେନ ନା ।

ଚନ୍ଦ୍ର

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁନ୍ତଲୀତେ ଚନ୍ଦ୍ର ୮ମେ ଅବସ୍ଥିତ, ଏହି କାରଣେ ଏହି ବହର ଆପନି ମାତା-ପିତାର ସୁଖ କମ ପାବେନ । ଜହାରୀ-ଜୁଯାର ବ୍ୟାପାରେ କ୍ଷତି ହବେ । ମାମାରବାଡ଼ୀର ଥେକେ କଟ୍ଟ ବା ତାଦେର ସାଥେ ଝଗଡ଼ା ହବେ । ମନେର ଶିକ୍ଷଣ ହଓଯା, ବିଦ୍ୟା ବା ମାତାର ସୁଖ ହାନି ଯୋଗ, ଆପନାକେ ସର ଥେକେ ଦୂରେ ଥାକତେ ହତେ ପାରେ । ସର୍ଦି-କଣ୍ଠସିରେଟ୍‌ଫେଲେଭରାଙ୍ଗନ୍‌ଯାକାରୀର ବ୍ୟବକର୍ତ୍ତଦ୍ୱାରା ହାଁପାନି ଓ ଫୁସଫୁମେର ରୋଗେର ଆଶଙ୍କା ଆଛେ ।

ଚନ୍ଦ୍ରେର ଅଶୁଭ ଫଳ କମ କରତେ ନିମ୍ନଲିଖିତ ଉପାୟ କରନ୍ତି ।

ଉପାୟ :

- ମିଟାନ ଡୋଜନ ବା କେସର-ଅଙ୍ଗାର, ଛୋଲା ବା -ଗମ ଧର୍ମ ସ୍ଥାନେ ଦିନ ।
- ଅମାବସ୍ୟାର ଦିନ ଦୂଧ-ଚାଳ ଧର୍ମସ୍ଥାନେ ଦାନ କରନ୍ତ ।
- ସବର୍ଗବାସୀ ପିତୃପୁରୁଷଦେର ନାମେ ଶାନ୍ତ କରନ୍ତ ।

ଅଞ୍ଚଳ

ଆମେରାତବର୍ଷି ବକ୍ତୁଳୀଟେ ବହରକୁ ଆପନାର ମାତା-ପିତା ବନ୍ଧୁଦେର ସଙ୍ଗେ ଅକାରଣ ଝଗଡ଼ା ହତେ ପାରେ । ଜମି-ଜାଯଗାର ସୁଖ ପାବାର ଜନ୍ୟ ଆପନାକେ ଦୌଡ଼-ବାଁପ କରତେ ହୋତେ ପାରେ । ଜମି-ଜାଯଗାର ବ୍ୟାପାରେ ଝଗଡ଼ାଓ ହୋତେ ପାରେ । ସମ୍ଭାବନା କରନ୍ତ ତାହାର ଆମଦାନୀ ହଓଯା ସନ୍ତେଷ ଆପନି ଦେନଦାର ହୋତେ ପାରେନ ।

ମନ୍ଦିରିକ ଉତ୍ସୁକ୍ତବନ୍ଧୁମା କରତେ ନି

ଉପାୟ :

- ଜାମାଇ ବାବୁ, ଶ୍ୟାଲକ ଓ ଦୌହିତ୍ରେର ଦେବା କରନ୍ତ ।
- ମାଟିର ବାସନେ ମଧୁ ବା ସିଂଦୁର ଭରେ ରାଖନ୍ ।

বুধ

অর্থেনশুভবর্ষএকুণ্ডকীরণ্তা কৃষ্ণ বছর আপনার বিদেশ যাত্রায় বা বিদেশ-সম্বন্ধিত কাজে লাভ হবে। আপনার বলা কথায় জোর থাকবে। আপনি অন্যের পরোয়া করবেন না। মধুর ভাষা ব্যবহার করবেন, কল্পনাশীল বিচার রাখবেন। আপনার উপর অন্য লোকের প্রভাব থাকবে। আপনি পারিবারিক বাগড়ায় মধ্যস্থতা করবেন।

মুঁয়েরিশুভজর্ম্মবৃক্ষিয়েত্তু কিরণ।

বর্জিত কার্য :

১. ডিম-প্যাস্টী ইত্যাদি ডিমের তৈরী খাবার খাবেন না।
২. মদ্যপান এবং আমিষ ভোজন বর্জন করবেন।

বৃহস্পতি

আর্থনষ্টবৰ্ষবৃক্ষিয়েত্তুওয়ায় এ বছর আপনার হঠাত ধন লাভ হবে।

মাথার মধ্যে আসা কাজ আপনি অবশ্যই পুরো করবেন। আপনাকে সকলেই মান-সম্মান দেবে। সকলের সাহায্য করলে আপনি উচ্চ পদ/উন্নতি প্রাপ্ত করবেন। বয়স্কদের খেকে সুখ পাবেন ও আপনার প্রতিষ্ঠা দিন-প্রতিদিন বাড়বে। বাহন, বাসস্থান সুখ পাবেন ও পরিবারেও সুখ-সমৃদ্ধি বাড়বে।

গুরুর শুভত্ব বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত কর্ম পরিত্যাগ করবেন।

বর্জিত কার্য :

১. বাচচাদের ভাঙ্গা খেলনা ঘরে রাখবেন না।
২. নিঃসন্তান ব্যক্তির সঙ্গে সম্বন্ধ রাখবেন না।

শুক্র

অঞ্চলোকাবর্ষিকুণ্ডলীয়েরশুক্ররগে এই বছর আপনি আমিষ ভোজন

বা মদ্যপান করলে আপনার প্রভুত ক্ষতি হতে পারে। আপনার খারাপ চাল-চলনের ফলে সন্তানের জন্য চিন্তা বৃদ্ধি করবে ও পত্নীর স্বাস্থ্যও খারাপ হতে পারে। আপনি পত্নীর উপর নির্ভরশীল হতে পারেন। আপনার মৃত্রজনিত রোগ হওয়ার ভয় আছে সুতরাং নিজের স্বাস্থ্যের প্রতি সতর্ক থাকুন।

মুঁয়েরিত্তাত্ত্বুদ্ধায় কর্মকরতে নি

উপায় :

১. গোদান করবেন।
২. পত্নী নিজের শরীর দুধ বা দই দিয়ে পরিষ্কার করতে পারেন।

শনি

অর্থেনশুরবিষ্ণাকুণ্ডলীয়ত্ব শৰ্ষি বছর আপনি আমিষ ভোজন করলে বা

মনোগম হওয়ার আপত্তাবন্ধনাশক্তিহোদ্যপন্নো বঞ্চাপন্নার হ গ্রহের শুভ প্রভাব নষ্ট হবে এবং আপনার স্বাস্থ্যের উপর ক্ষতিকারক প্রভাব পড়তে পারে। খারাপ চাল-

চলন বা পরস্তীর অপমান করলে আপনার ক্ষতি হবে।

মনিখিঅশুভক্ষণকরণাতে নি

উপায় :

১. কুয়ার মধ্যে দূধ ঢালুন।
২. মাছ, কাক বা মোষকে নিজের খাদ্যের ভাগ খাওয়ান।

রাত্রি

আশ্রেনভৱের্ফুক্তুজ্ঞানিতে রাত্রিগে এই বছর আপনার সরকার বা সরকারী বিভাগ থেকে লাভ হবে, মামারবাড়ীর লোকেদের সময় অত্যন্ত শুভ, আপনি কোনো নতুন ব্যবসায় শুরু করতে পারেন। এ বছর ঘৃষ নেওয়ার ইচছা বা বেইমানির ভাবনা আপনার মাথায় আসতে পারে। আপনার সব সময়ে কথা বলে যাওয়ার অভ্যাস বা রোগ হতে পারে, এই ব্যাপারে সাবধান থাকুন।

মনিখিঅশুভক্ষণ বার্ষিকের্ণনি।

বর্জিত কার্য :

১. ঘরের উঠানে ধোঁয়া করবেন না।
২. ভুঁড়ি না বাড়ে তার বিশেষ খেয়াল রাখুন।

কেতু

আঃশোরঅবর্ষিক্ষুভীক্ষণকেন্দ্রগে এই বছর আপনি কোনো শুভ কাজে যাওয়ার সময়ে যদি কেউ আপনাকে পিছন থেকে ডাক দেয়, তাহলে কিছু সময় অপেক্ষা করে তারপরে রওনা হন, তা না করলে আপনার কাজে অনর্থক বাধা হতে পারে। মাতা/শ্বাশুড়ির বিরোধিতা করা আপনার জন্য শুভ নয়। সন্তানের সঙ্গে ঝগড়া না করে তাকে সাহায্য করলে আপনার ভাগ্যেদয় হবে। অতীত সময়ের সুখ-দুঃখের গল্প লোকেদের শুনিয়ে নিজের সময় নষ্ট করবেন না।

মনিখিঅশুভক্ষণকরণাতে নি

উপায় :

১. কালো কুকুর পালুন বা কালো কুকুরের সেবা করুন।
২. কালো-সাদা পাথরের চাকীর উপরে রঁটি বেলুন।

বর্ষ কো শুভ বনানে হেতু বর্ষারন্ত মেং উপায়বিধি

* ৮ দিন প্রাতঃরাশে ছানা খান বা ছানার জল পান করুন।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিত্তির করুন/শুরু করুন।)

ଲାଲ କିତାବ ସର୍ଫଲ 2033-2034

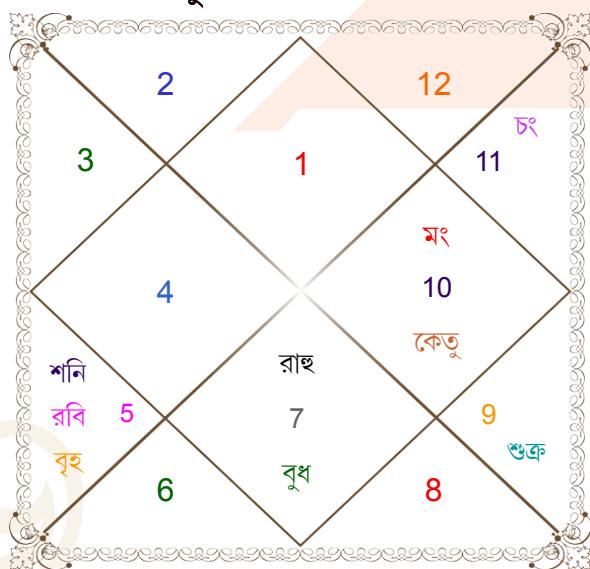
ବର୍ତ୍ତମାନ ସର୍ଫଲ - 33
ବର୍ତ୍ତମାନ ଦଶା - ରାବି

ପ୍ରତିଶୀଳ	ଅଞ୍ଚ	ଶୋଯା	ଧର୍ମୀ	ନେକ/ମନ୍ଦା
ରାବି	--	--	--	ନେକ
ଚଂ	--	--	--	ନେକ
ମୁହଁ	ହାଁ	--	--	ମନ୍ଦା
ବୁଧ	--	--	--	ନେକ
ବୃଦ୍ଧ	--	--	--	ନେକ
ଶୁକ୍ର	--	--	--	ମନ୍ଦା
ଶନି	--	--	ହାଁ	ମନ୍ଦା
ରାହୁ	--	--	--	ମନ୍ଦା
କେତୁ	ହାଁ	--	--	ମନ୍ଦା

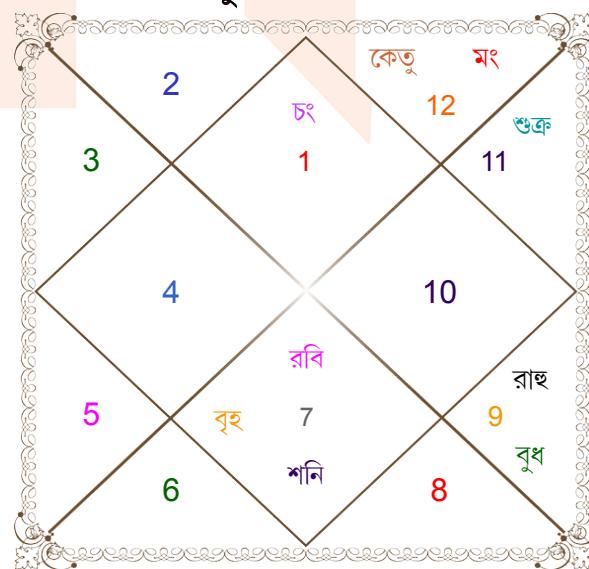
ଭାବ ଅବଶ୍ୟକ

ଖାଲା	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
ଶୋଯା	ହାଁ	ହାଁ	ହାଁ	ହାଁ	--	ହାଁ	--	ହାଁ	--	--	--	ହାଁ

ସର୍ବଜ୍ଞତତ୍ତ୍ଵଲୀ 2034



ସର୍ବଜ୍ଞତତ୍ତ୍ଵକୁତ୍ତମ୍ଭାଗ



ଲାଲ କିତାବ ବର୍ଷଫଳ 2033-2034

ରାବି

କୃତନକ୍ଷେତ୍ରବେଶ୍ଵରମୁଖୀତେ ଏହି କାରଣେ ବର୍ତ୍ତମାନ ବହୁରେ ଆପନାର ପରିବାରେ ଭାଗ୍ୟୋନ୍ତି ହବେ, ଯଦି ରାଜା ଆପନାର ଭାଲୋ ନା କରେ, ତାହଲେ ଫକିର ଆପନାର ଭାଲୋ କରବେ, ସରକାରୀ ଅଧିକାରୀଦେର ସଙ୍ଗେ ମଧୁର ସମ୍ବନ୍ଧ ତୈରୀ ହବେ, ପରିବାରେ ଉନ୍ନତି ହବେ। ଗୁପ୍ତବିଦ୍ୟା ବା ଜ୍ୟୋତିଷଚର୍ଚ୍ୟ ର ଦଚ୍ଛ ଥାକବେ, ହଠାତ୍ ଧନପ୍ରାପ୍ତି ଯୋଗ ଆଛେ ବା ସରକାରୀ ବିଭାଗ ଥେକେ ଲାଭ ପାବେନ।

ମୂଲ୍ୟାନ୍ତରିକ ବୃଦ୍ଧିଜ୍ଞାନ କରନ୍ତି।

ବର୍ଜିତ କାର୍ଯ୍ୟ :

- ଇର୍ଷାର ମନୋବୃତ୍ତି ରାଖବେନ ନା।
- ମିଥ୍ୟା ବଲବେନ ନା, ଏହିଟେ ଖାଓଯାବେନ ନା।

ଚନ୍ଦ୍ର

ଆପନାର ବର୍ଷ କୁନ୍ଡଲୀତେ ଚନ୍ଦ୍ର ୧୧ମେ ଶୁଭ, ଅତେବ, ଏ ବହୁ ବିଦ୍ୟା ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ କାଜେ ଲାଭ ହବେ, ସୁଖ-ସାମହୀନ ଏବଂ ମହିଳାଦେର ଦ୍ୱାରା ସହଯୋଗ ପ୍ରାପ୍ତ ହବେ, ମାତା ଓ ସନ୍ତାନ ସୁଖ ପାବେନ, କୋଟ, ଇଞ୍ଜିନିୟାରିଂ, ଡାକ୍ତାରୀ ସମ୍ବନ୍ଧିତ କାଜେ ଲାଭ, କାରୋବାରେ ଉନ୍ନତିର ଯୋଗ ପରିଲକ୍ଷିତ ହୁଏ। ରାତେ ପଡ଼ାଶୋନା ବା ବିଦ୍ୟା ସମ୍ବନ୍ଧିତ କାଜେ ଲାଭ ହବେ।

ଚନ୍ଦ୍ରେର କୀ ଶୁଭତ୍ୱ ବାଢ଼ାତେ ନିମ୍ନଲିଖିତ କର୍ମ ତ୍ୟାଗ କରନ୍ତି।

ପରିତାଜ୍ୟ କର୍ମ :

- ଚାଲଚଳନ ଠିକ ରାଖୁଣ ଆର ଅନୈତିକ ସମ୍ବନ୍ଧ ରାଖବେନ ନା।
- ବିଦ୍ୟାଭ୍ୟାସେ ଅରାଚି ଦେଖାବେନ ନା।

ମଞ୍ଜଳ

ଅନ୍ତର୍ଗୋତ୍ତମାବର୍କିର୍ତ୍ତନାରେ ଏହି ବହୁ ଆପନି ଅନ୍ୟାଯ କାର୍ଯ୍ୟ କରଲେ ଅଥବା ସରକାରୀ ବିଭାଗେ କାର୍ଯ୍ୟ କରଲେ ଆପନାର ଜୀବନ ନଷ୍ଟ ହତେ ପାରେ। ସୋନା ବେଚଲେ ବା ବନ୍ଧକ ରାଖଲେ ଶ୍ରୀ/ମହାନାରେ ଚିନ୍ତା, ମାନ-ସମ୍ମାନରେ ହାନି ହବେ। ବେଶୀ ନୁନ ଖାଓଯା ବା ନୋନତା ଖାବାରେର ପ୍ରତି ଅଧିକ ଶଖ ଥାକଲେ ଆପନାର ରକ୍ତଚାପ ବୃଦ୍ଧି ବା ଉଗ୍ର ସ୍ଵଭାବ ହବେ।

ମଞ୍ଜଳର ଉତ୍ସୁଭୁତକରନ୍ତେ ନି

ଉପାୟ :

- ହରିଗେର ସେବା ବା ପାଲନ କରନ୍ତି।
- କାଳା-କାନା, ନେଡା, ବ୍ୟକ୍ତିଦେର ସେବା କରନ୍ତି।

বুধ

ক্ষেত্রে ক্ষেত্রে বুধ শক্তির পাবনের পথে সম্মান পাবেন, বিদেশ যাত্রা বা বিদেশ থেকেও লাভযোগ আছে। মহিলাদের সম্বন্ধিত কাজে বা পত্নীর থেকে লাভ পাবেন। কাপড়ের ব্যবসা, ডাঙারী ইত্যাদির কাজে বেশি লাভ হবে। আপনার কলমে তলোয়ারের চেয়েও বেশি শক্তি থাকবে। মেয়ে-বোন, পিসি-শালী এদের থেকে লাভ পাবেন।

মুঞ্জিষ্ঠু অর্ঘ্যবৃন্দির জ্যোতি ক্রিয়ন।

বর্জিত কার্যঃ

- একটা গরু বা ছাগল ঘরে রাখবেন না।
- সবুজ ঘাস ঘরে ঘরে লগাবেন না।

বৃহস্পতি

আর্থনৈতিক ক্ষমতার শুভ, অতএব এ বছর আপনার উন্নতি ও মান সম্মান বৃদ্ধি পাবে। এ বছর যদি আপনাদের পরিবারে পুত্র সন্তান জন্ম নেয়, তাহলে পরিবারের অগাধ উন্নতি শুরু হয়ে যাবে। পিতা-স্ত্রীর জ্যোতি সন্তান জন্ম হবে। বৰ্ষ শুরু হয়ে যাবে। বৎস বৃদ্ধি/সন্তান সুখ প্রাপ্তি সুনিশ্চিত হবে। লেখনীর দ্বারা আপনি লাভ পাবেন।

গুরুগ্রহের শুভত্ব বাঢ়াতে নিম্নলিখিত কার্য ত্যাগ করুন।

পরহেজঃ

- নাবিকের কাজের সঙ্গে সম্বন্ধ রাখবেন না।
- নাস্তিকতা ত্যাগ করুন।

শুক্র

ক্ষেত্রে বিশ্বাস্তুষ্টিক্ষেত্রে ক্ষুক্রণে এই বছর আপনি এ্যালুমিনিয়াম বাসনের ব্যবহার করলে আপনার জন্য ক্ষতিকারক হতে পারে। আপনি কুসঙ্গের কারণে মদ্যপান ও নেশার বস্তুর ব্যবহার শুরু করতে পারেন, এর থেকে সাবধান থাকুন। স্ত্রী, অর্থ, সন্তানের ক্ষেত্রে সময় মধ্যম থাকবে। চাল-চলন ঠিক রাখুন, কারণ গুপ্ত রোগ হওয়ার ভয় আছে। আঘাত-স্বজনদের থেকে সাবধান থাকুন।

মুঞ্জিষ্ঠু অর্ঘ্য ক্রয়বন্ধনতে নি

উপায়ঃ

- বাড়ী তৈরীর সময়ে রূপোর বাসনে মধু ভরে ভিতরে নীচে রাখুন।
- নিম গাছের গোড়ায় রূপোর ঝটা চৌকো টুকড়ে পুঁতে দিন (পুত্র সন্তানের শুভার্থে)

শনি

ক্ষেত্রে বিশ্বাস্তুষ্টিক্ষেত্রে ক্ষারিণে আপনি আপনার আঘাত সাথে লড়াই-বাগড়া বা ধোকা করতে পারেন। মদ্যপান করা বা আমিষ ভোজন করা আপনার পরাজয় ও

ক্ষতির কারণ হবে। পরিবারে সমস্যা বৃদ্ধি হতে পারে। নিজের স্বাস্থ্য সম্বন্ধে সচেতন থাকুন বিশেষ করে পেটে/গলস্টোন ইত্যাদি। নিজের নামে বাড়ী তৈরি করলে পুত্র সুখে বাধা আসতে পারে।

মনিখি অনুভূত্যাবক্ষরণতে নি

উপায় :

১. বিশুদ্ধ সোনা বা কেসের নিজের কাছে রাখুন।
২. সাগের সম্বন্ধে সাবধান থাকুন।

রাত্তি

আয়েনারুক্তির ক্ষেত্রে ইরান্তের আপনার বৈদ্যুতিক কাজ বা পুলিস/জেল বিভাগ সম্বন্ধিত কাজ থেকে ক্ষতির ভয় আছে, ট্রান্সপোর্টের কাজ করলেও ক্ষতি বা অল্পায় হতে পারেন। অংশীদারের সঙ্গে ঝগড়া হতে পারে। ব্যবসায়ে বাধা বা উপর-নীচ হতে পারে। পত্নীর মাথার যন্ত্রনার রোগ হতে পারে। পত্নীর সঙ্গে বিবাদ বা বিচেছদ হতে পারে।

মনিখি অনুভূত্যাবক্ষরণতে নি

উপায় :

১. নারিকেল দান করুন।
২. বিশুদ্ধ রাপোর দুটো ইট ঘরে রাখুন।
৩. কোনো প্লাস্টিকের পাত্রে বিশুদ্ধ রাপার ঢোকো টুকড়ো রেখে তার মধ্যে গঙ্গাজল ভরে রাখুন।

কেতু

অংশীদারুক্তির ক্ষেত্রে ইরান্তের আপনার পরস্পরীর সঙ্গে সম্বন্ধ রাখা সন্তান কষ্টের বা সন্তান সম্বন্ধীয় দুর্মিলতার কারণ হবে। ভাইয়ের সাথে ঝগড়া/মতবিরোধ আপনার অবনতির কারণ হবে। ভাই কোনো ত্রুটি করলেও তাকে ক্ষমা করা আপনার জন্য লাভদায়ক হবে। আপনার প্রভৃত উন্নতি হবে কিন্তু মাতা বা শ্বাশুড়ী স্বাস্থ্য সম্বন্ধে দুর্মিলতা থাকবে।

মনিখি অনুভূত্যাবক্ষরণতে নি

উপায় :

১. বাড়ীর ভিত্তের নীচে রাপোর পাত্রে মধু ভরে রেখে দিন।
২. ঘরে রাপোর পাত্রে মধু ভরে রাখা শুভ ফলদায়ক।

বর্ষ কো শুভ বনানে হেতু বর্ষারস্ত মেং উপায়বিধি

* বিশুদ্ধ সোনা পরুন বা কেসেরের তিলক করুন।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিত্তির করুন/শুরু করুন।)

ଲାଲ କିତାବ-ଉପାୟ

ଲାଲ କିତାବେର ଉପାୟ କଥନ ଆର କିଭାବେ କରବେନ ?

୧. ଉପାୟ ସୂର୍ଯ୍ୟ ଉଦୟେର ପରେ ଏବଂ ସୂର୍ଯ୍ୟାଶ୍ଚିତ ଅବଧି ଦିନେରବେଳା କରୁନ, ରାତେ ଉପାୟ କରଲେ ଅନେକବାର ଅଶ୍ଵତ ଫଳ ଦେଁ । କେବଳ ଚନ୍ଦ୍ର ଗ୍ରହଣେର ଉପାୟ ରାତେ କରା ଯାଏ ।
୨. ଉପାୟ ଶୁରୁ କରାର ଜନ୍ୟ କୋନୋ ଶୁଭ ଦିନ ସୋମବାର ବା ମନ୍ଦ୍ରବାର, ସକ୍ରାଂତି, ଅମାବସ୍ୟା ବା ପୂର୍ଣ୍ଣିମାର କୋନୋ ବିଚାର ହବେନା ।
୩. କୋନୋ ରକ୍ତୋସମ୍ବନ୍ଧୀ ଆତ୍ମୀୟ ଭାଇ-ଭାଙ୍ଗୀ, ମାତା-ପିତା, ଦାଦୁ-ଦୀଦୀଦା, ପୁତ୍ର-ପୁତ୍ରୀ ଉପାୟ କରତେ ପାରେ ଜା ଫଳପ୍ରସୁ ହାବେ ।
୪. ଏକ ଦିନେ କେବଳ ଏକଟି ଉପାୟ କରୁନ, ଏକ ଦିନେ ଦୁଇ ଉପାୟ କରଲେ ଶୁଭ ଫଳ ହବେନା ଅଥବା ଉପାୟ ନିଷ୍ଫଳ ହବେ ।
୫. ମାନା କରା ଜେମନ ମାଂସ-ମାଛ, ମଦିରାପାନ କରବେନା, ଚାଲ-ଚଳନ ସାଠିକ, ମିଥ୍ୟା ବାକ୍ୟ, ଉଚିତ୍ତ ଖାବେନା ଖାତୋଯାବେନା, ପରମ୍ପରା-ପରପୁରୁଷ ସଂଗେ ସମ୍ବନ୍ଧ କରବେନା ।
୬. ଜା ଉପାୟ ଜେ ସମୟ ଜନ୍ୟ ଲେଖା ତତ ସମୟ ଅବଧି କରୁନ ।
୭. ଯଦି କୋନୋ କାରଣେ ଉପାୟ ମଧ୍ୟରେ ବନ୍ଧ କରତେ ହୁଁ ତୋ ଜେ ଦିନ ଉପାୟ ବନ୍ଧ କରବେନ ତାର ପୂର୍ବଦିନେ ସାମାନ୍ୟ ଚାଲ ଦୂରେ ଧୂଯେ ସାଦା କାପଡ଼େ ବୈଁଧେ ନିଜେର କାହେ ରେଖେ ଦିନ ଆର ଜଖନ ଆବାର ଉପାୟ ଶୁରୁ କରବେନ ଆହି ଚାଲ ଧର୍ମ ସ୍ଥାନ କିଂବା ବହମାନ ଜଳେ ବା କୋନୋ ବାଗାନ ଇତ୍ୟାଦିତେ ଫେଲେ ଦିଯେ ଉପାୟ ଶୁରୁ କରୁନ । ଏତଦ୍ଵାରା ଉପାୟ ପୂର୍ଣ୍ଣ ଫଳପ୍ରସୁ ହବେ ।
୮. ସମ୍ପତ୍ତ ଉପାୟ ୪୩ ଦିନ ବା ୪୩ ସମ୍ପତାହ ବା ୪୩ ମାସ ବା ୪୩ ବର୍ଷ ଅବଧି କରୁନ, ଉପାୟ ଚଳା କାଲୀନ ୩୯ ଦିନ ମଧ୍ୟ ଭଙ୍ଗ ହୋଲେ ସବ ନିଷ୍ଫଳ ହୋତେ ପରେ ଅଥବା ଶୁଭ ଫଳ କମ ହବେ ।
୯. ଜନ୍ମ କୁନ୍ଡଲୀତେ ଅଶ୍ଵତ ଗ୍ରହର ବର୍ଷଫଳ କୁନ୍ଡଲୀତେ ଉପାୟ ଜନ୍ମଦିନ ଥେବେ ୪୦-୪୩ ଦିନେର ଭିତର କରୁନ ।
୧୦. ଘରେ ସୃତକ (ଶିଶୁ ଜନ୍ମ) ଅଥବା ପାତକ (କାରୋ ମୃତ୍ୟୁ) ଘଟିତ ହୁଁ ତୋ ୪୦ ଦିନ ଉପାୟ ନା କରା ଉଚିତ ।
୧୧. ପରିବାରେର ରିତୀ-ନୀତି ଏବଂ ସମାଜ ସଂକାର ଅନୁଯାୟୀ ପୂର୍ଣ୍ଣ କରୁନ ।